प्रकाशन का सफलतम 18 वां वर्ष

सुविचार

कुछ ही ऐसे हैं जो अपनी आँखों से देखते हैं
और अपने दिल से महसूस करते हैं।
अल्बर्ट आइंस्टीन

आवाज आज की, नज़र कल पर

पूर्वांचल सूर्य

रांची ➤दिल्ली➤देवघर से प्रकाशित

RNI No.- JHAHIN/2007/24306

वर्ष - 18 | अंक 96 | दैनिक | रांची | बुधवार 20 नवंबर 2024 | पृष्ठ - 12 | मूल्य : ₹ 4.00

इंटरनेशनल फ्लाइट को जयपुर में छोड़कर चले गए पायलट

ड्यूटी टाइम पूरा हो गया था, 180 पैसेंजर 9 घंटे तक परेशान होते रहे

जयपुर (एजेंसी)। पेरिस से दिल्ली आ रही एअर इंडिया की इंटरनेशनल फ्लाइट को पायलट जयपुर में छोड़कर चले गए। पायलट का कहना था कि उनके ड्यूटी आवर्स पूरे हो गए हैं। फ्लाइट में सवार 180 से ज्यादा पैसेंजर 9 घंटे तक जयपुर एयरपोर्ट पर परेशान होते रहे। इसके बाद में उन्हें सड़क मार्ग से दिल्ली भेजा गया। पेरिस से दिल्ली आ रहे पैसेंजर अखिलेश खत्री ने बताया- एअर इंडिया की फ्लाइट एआई-2022 रविवार रात 10 बजे पेरिस से दिल्ली के लिए रवाना हुई थी। इसे सोमवार सुबह 10:35 बजे दिल्ली पहुंचना था। खराब मौसम की वजह से फ्लाइट दिल्ली लैंड नहीं कर पाई। एयर ट्रैफिक कंट्रोल सिस्टम के निर्देश पर पायलट ने दोपहर 12.10 बजे फ्लाइट को जयपुर एयरपोर्ट पर लैंड करवाया। पायलट एयर ट्रैफिक कंट्रोल सिस्टम से उड़ान के लिए क्लियरेंस मिलने का इंतजार करते रहे। दोपहर तक भी क्लियरेंस नहीं मिला।

म.प्र. में टैक्स फ्री हुई फिल्म द साबरमती रिपोर्ट

सीएम डॉ मोहन यादव ने की घोषणा, पीएम नरेंद्र मोदी और अमित शाह भी कर चुके हैं तारीफ

भोपाल (एजेंसी)। 15 नवंबर को रिलीज हुई फिल्म द साबरमती रिपोर्ट लगातार सुर्खियों में हैं। क्रिटिक्स की तारीफों के बाद अब इस फिल्म को पॉलिटिकल सपोर्ट भी मिल रहा है। हाल ही में इस फिल्म को मध्यप्रदेश में टैक्स फ्री कर दिया है। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने इसकी घोषणा करते हुए दूसरे नेताओं को भी फिल्म देखने का सुझाव दिया है।

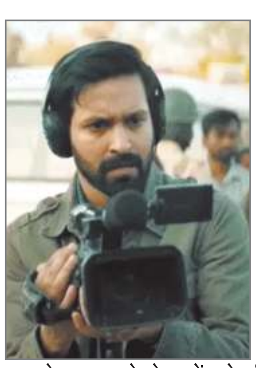

सीएम मोहन यादव फिल्म द साबरमती रिपोर्ट देखने पहुंचे थे। मीडिया से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा, हम इस फिल्म को टैक्स फ्री करने जा रहे हैं, जिससे ज्यादा से ज्यादा लोग इस फिल्म को देख सकें। ये अतीत का एक काला अध्याय है जिसकी सच्चाई इस फिल्म को देखने के बाद समझ आती है। इसके साथ ही मोहन यादव ने अपने साथी मंत्रियों और सांसदों से भी फिल्म देखने की अपील की है।

वायनाड की थकान उतारने प्रियंका गांधी वाड्रा पहुंचीं रणथंभौर

सवाई माधोपुर (एजेंसी)। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा अपने परिवार के साथ मंगलवार को राजस्थान के रणथंभौर पहुंचीं। यहां वह पांच दिन बिताएंगी और अपने परिवार के साथ टाइगर सफारी का आनंद लेंगी। प्रियंका इससे पहले भी कई बार रणथंभौर आ चुकी हैं और यहां अपना जन्मदिन भी मना चुकी हैं। प्रियंका गांधी वाड्रा मंगलवार दोपहर करीब 12:30 बजे अपनी सास मोरिन वाड्रा, पति रॉबर्ट वाड्रा, बेटे रेहान वाड्रा और बेटी मिराया वाड्रा के साथ रणथंभौर पहुंचीं। सभी लोग रणथंभौर के एक पांच सितारा होटल 'शेरबाग' में ठहरे हैं। यहां उनके लिए सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं।

जी20 में पीएम मोदी बोले-

जंग से दुनिया में खाने का संकट

● गरीब देशों पर इसका सबसे ज्यादा असर, बाइडेन, मैक्रों, मेलोनी से मिले

रियो डि जेनेरियो (एजेंसी)। ब्राजील की राजधानी रियो डि जेनेरियो में सोमवार को जी20 समिट के पहले दिन पीएम नरेंद्र मोदी ने वर्ल्ड लीडर्स से द्विपक्षीय मुलाकातें की थी। मोदी ने फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुअल मैक्रों, ब्रिटिश पीएम कीर स्टार्मर, इटली की पीएम जॉर्जिया मेलोनी, पुर्तगाल के पीएम लुइस मोंटेनेग्रो, इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबिआंतो और नॉर्वे के पीएम जोनास गेर स्टोर से द्विपक्षीय मुद्दों पर बातचीत की।

समिट के दौरान पीएम मोदी अमेरिकी राष्टपति जो बाइडेन से भी मिले और उनके बीच अनौपचारिक बातचीत भी हुई। पीएम मोदी ने जी20 समिट के पहले दो सेशन- 'भुखमरी और गरीबी के खिलाफ एकजुटता' और 'सरकारों के कामकाज में सुधार' पर भी अपने महत्वपूर्ण सुझाव दिए। ब्रिटेन के पीएम कीर स्टार्मर ने मोदी से मुलाकात के बाद कहा कि अगले साल भारत के साथ मुक्त व्यापार समझौते पर फिर से बातचीत शुरू की जाएगी।

भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव पर पैसे बांटने का आरोप, एफआईआर, दावा-5 करोड़ लाए थे

● मुंबई में होटल से 9 लाख मिले; विनोद तावड़े बोले- ये साजिश

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव की वोटिंग से 1 दिन पहले भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव विनोद तावड़े पर वोटर्स को पैसे बांटने का आरोप लगा है। चुनाव आयोग ने तावड़े के पास से 9 लाख रुपए और कागजात बरामद किए हैं।

आयोग के अफसरों ने विनोद तावड़े और भाजपा कैंडिडेट राजन नाइक के खिलाफ लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम के तहत एफआईआर दर्ज कराई है। हितेंद्र ठाकुर की बहुजन विकास अघाड़ी के विधायकों ने आरोप लगाया कि तावड़े मंगलवार को 5 करोड़ रुपए लेकर विरार इलाके की एक होटल पहुंचे।

उनके साथ नालासोपारा सीट से भाजपा प्रत्याशी राजन नाइक और दूसरे कार्यकर्ता भी थे। यहां उनकी मीटिंग चल रही थी।

तावड़े बोले-

मैं कार्यकर्ताओं की मीटिंग में गया था, चुनाव आयोग जांच करे- नालासोपारा विधानसभा क्षेत्र में कार्यकर्ताओं की बैठक चल रही थी। चुनाव के दिन की आचार संहिता की 12 बातें बताने के लिए मैं वहां पहुंचा था। हमारी सामने वाली पार्टियों को लगा कि मैं वहां पैसे बांटने पहुंचा हूं। इन आरोप की चुनाव आयोग और पुलिस जांच करें। मैं 40 साल से पार्टी में हूं। सभी मुझे जानते हैं। मैं भी चाहता हूं कि चुनाव आयोग को निष्पक्ष जांच करनी चाहिए। अगर विपक्ष के पास ऐसे कोई सबूत हैं तो उन्हें चुनाव आयोग के पास जाना चाहिए : भाजपा

भाजपा आईटी सेल के हेड अमित मालवीय ने कहा- अगर विपक्ष के पास ऐसे कोई सबूत हैं तो उन्हें चुनाव आयोग के पास जाना चाहिए।

अमित शाह बोले- भाजपा सरकार में देश में हिंसा घटी

● पिछले 10 साल में जम्मू-कश्मीर, नॉर्थ-ईस्ट और नक्सल इलाकों में हिंसक घटनाएं 70 प्रतिशत कम हुईं

गांधीनगर (एजेंसी)। गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को कहा कि भाजपा सरकार पिछले 10 सालों में जम्मू-कश्मीर, नॉर्थ-ईस्ट और नक्सल इलाकों में 70 प्रतिशत तक हिंसा कम करने में सफल रही है। कई सालों से इन तीनों इलाकों को बहुत अशांत माना जाता था, लेकिन पिछले 10 सालों की तुलना करने पर पता चलता है कि हमने उल्लेखनीय सुधार किया है।

वे गुजरात के गांधीनगर में 50वें अखिल भारतीय पुलिस विज्ञान सम्मेलन के उद्घाटन समारोह में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि सरकार ने इंटर्नल सिक्योरिटी और क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम में बड़े बदलाव किए हैं। ये कड़ी मेहनत और बेहतर कॉर्डिनेशन मांगते हैं।

महाराष्ट्र विधानसभा की 288 सीटों पर वोटिंग आज

भाजपा 149, कांग्रेस 101 सीटों पर लड़ रही; 6 बड़ी पार्टियों समेत 158 दल मैदान में

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र विधानसभा की 288 विधानसभा सीटों के लिए बुधवार को सिंगल फेज में वोटिंग होगी। शिवसेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) में टूट के बाद कुल 158 दल चुनाव मैदान में हैं। इनमें 6 बड़ी पार्टियां दो गठबंधनों का हिस्सा बनकर चुनाव लड़ रही हैं।

झारखंड विधानसभा की 38 सीटों पर आज वोटिंग- झारखंड विधानसभा चुनाव के आखिरी और सेकेंड फेज में आज 20 नवंबर को 12 जिलों की 38 सीटों पर वोटिंग होगी। इसमें 1.23 करोड़ वोटर्स शामिल होंगे।

सुप्रीम कोर्ट हैरान, बेहद विचित्र करार दिया

● पंजाब में 3 हजार निर्विरोध निर्वाचित हो गए पंचायत प्रतिनिधि ● सुप्रीम कोर्ट ने असंतुष्ट उम्मीदवारों को चुनाव याचिका दायर करने की अनुमति दी

नई दिल्ली (एजेंसी)। पंजाब में हाल में हुए चुनावों में 13 हजार में से 3 हजार पंचायत प्रतिनिधि निर्विरोध चुनाव जीत गए। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने भी हैरानी जताई है। सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के दौरान इस तथ्य को 'बेहद विचित्र' बताया। इसी के साथ अदालत ने असंतुष्ट उम्मीदवारों को चुनाव याचिका दायर करने की अनुमति दे दी।

चीफ जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस संजय कुमार की बेंच ने कई उम्मीदवारों के नामांकन पत्रों को खारिज करने और अन्य चुनावी अनियमितता का आरोप लगाने संबंधी याचिका पर पहले नोटिस जारी किए थे। बेंच ने कहा कि पीड़ित व्यक्ति चुनाव आयोग के सामने याचिका दायर कर सकते हैं और आयोग को छह महीने में उन पर फैसला करना होगा।

- **हाई कोर्ट जा सकते हैं असंतुष्ट उम्मीदवार-** शीर्ष अदालत ने कहा कि जिन उम्मीदवारों के नामांकन पत्र खारिज कर दिए गए या फाड़ दिए गए, वे भी अपनी शिकायतें लेकर पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट जा सकते हैं। अदालत ने कहा कि उनकी याचिकाओं को सीमा अवधि के उल्लंघन के आधार पर खारिज नहीं किया जा सकता। चीफ जस्टिस ने कहा कि याचिकाओं को गुण-दोष के आधार पर निपटाया जाना चाहिए।
- **6 महीने में फैसला करेगा चुनाव आयोग-** आदेश में कहा गया है, हम याचिकाकर्ता को चुनाव याचिका दायर करने की अनुमति देते हैं। राज्य निर्वाचन आयोग छह महीने में याचिकाओं पर फैसला करेगा, देरी होने पर याचिकाकर्ता हाई कोर्ट जा सकते हैं। आदेश में कहा गया है, जिन लोगों के नामांकन खारिज कर दिए गए या कागजात फाड़ दिए गए, वे कानून के अनुसार हाई कोर्ट के सामने समीक्षा याचिका दायर कर सकते हैं... अगर हाई कोर्ट में उनकी याचिका खारिज कर दी जाती है तो याचिकाकर्ताओं को इस अदालत में आने का अधिकार है।
- **चीफ जस्टिस भी रह गए हैरान-** संक्षिप्त सुनवाई के दौरान, जब अदालत को बताया गया कि पंचायत के 13,000 से ज्यादा पदों में से 3,000 पर उम्मीदवार निर्विरोध निर्वाचित हुए हैं, तो चीफ जस्टिस ने हैरानी जताई।

भारत निर्वाचन आयोग
Election Commission of India

मतदान की तारीख
20 नवम्बर 2024
दिन बुधवार

AC No.	AC Name
1	Rajmahal
2	Borio (ST)
3	Barhait (ST)
4	Litipara (ST)
5	Pakur
6	Maheshpur (ST)
7	Sikaripara (ST)
8	Nala
9	Jamtara
10	Dumka (ST)
11	Jama (ST)
12	Jarmundi
13	Madhupur
14	Sarath
15	Deoghar (SC)
16	Poreyahat
17	Godda
18	Mahagama
23	Ramgarh
24	Mandu
28	Dhanwar
29	Bagodar
30	Jamua (SC)
31	Gandey
32	Giridih
33	Dumri
34	Gomia
35	Bermo
36	Bokaro
37	Chandankiyari (SC)
38	Sindri
39	Nirsa
40	Dhanbad
41	Jharia
42	Tundi
43	Baghmara
61	Silli
62	Khijri (ST)

मताधिकार-सपरिवार

कोई मतदाता न छूटे

Voter Helpline 1950 | CEO Office Toll Free No. 18003311950 | फॉलो करें @ceo.jharkhand/ | ceo.jharkhand.gov.in पर लॉग ऑन करें

PR - 340174 (Election) 2024-25

खुशखबरी- कनाडा ने भारतीयों के लिए कर दी मौज

अब वर्क परमिट के बिना सप्ताह में 24 घंटे काम कर सकेंगे छात्र

नईदिल्ली (एजेंसी)। कनाडा सरकार ने भारतीय छात्राओं के साथ-साथ विदेशी छात्राओं को भी राहत दी है। कनाडा में पहुंचे भारतीय विद्यार्थियों को अब सप्ताह में चौबीस घंटे काम कर सकेंगे। इमिग्रेशन रिफ्यूजी एंड सिटिजनशिप कनाडा के मुताबिक, कनाडा में कैंपस के बिना परमिट हर सप्ताह चौबीस घंटे विद्यार्थी काम कर सकेंगे। अभी तक भारतीय छात्र बिना वर्क परमिट के बीस घंटे काम करने की अनुमति थी। भारतीय विद्यार्थियों में अधिक गिनती पंजाबी विद्यार्थियों की है। पौने दो लाख के करीब पंजाब के विद्यार्थी कनाडा पढ़ने के लिए जाते है। विभिन्न कोर्स में दाखिला लेकर सप्ताह में बीस घंटे काम कर रहा था। काम के घंटे बढ़ने से विद्यार्थियों की आय बढ़ेगी और पढ़ाई के साथ-साथ वर्क एक्सपीरियंस भी मिलेगा। हाल में कनाडा सरकार ने स्टूडेंट डायरेक्ट स्कीम को बंद कर दिया था जिसके चलते छात्राओं में रोष पाया जा रहा था। विद्यार्थी कनाडा के किसी कालेज व यूनिवर्सिटी में दाखिला लेकर सिन नंबर (सोशल इंश्योरेंस नंबर) प्राप्त करना होगा। सिन नंबर होने के साथ विद्यार्थी सप्ताह में चौबीस घंटे काम कर सकता है। अगर विद्यार्थी दो काम करता है दोनों काम का समय मिलाकर चौबीस घंटे होना चाहिए।

लोकतंत्र के महापर्व विधानसभा चुनाव में शत-प्रतिशत भागीदारी को लेकर मतदान महोत्सव में रंगोली कार्यक्रम

रंगोली और मोमबत्ती जलाकर 20 नवंबर को वोट करेगा गिरिडीह,वोट गिरिडीह वोट जैसे स्लोगन के साथ लोगों से इस कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की गई

- **मतदान प्रक्रिया में भाग लें और मतदाता होने पर गर्व महसूस करें- जिला निर्वाचन पदाधिकारी**

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि

गिरिडीह। लोकतंत्र के महापर्व विधानसभा चुनाव में शत-प्रतिशत भागीदारी को लेकर समाहरणालय प्रांगण में मतदान महोत्सव के तहत रंगोली कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उक्त कार्यक्रम का उद्घाटन उपायुक्त, नमन प्रियेश लकड़ा ने दिया जलाकर किया। मौके पर उप विकास आयुक्त,स्मृता कुमारी,जिला समाज कल्याण पदाधिकारी सह नोडल पदाधिकारी, स्वीप कोषांग,जिला जनसंपर्क पदाधिकारी समेत स्वीप कोषांग और मीडिया कोषांग की पूरी टीम अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

इस दौरान स्वीप कोषांग द्वारा समाहरणालय प्रांगण में रंगोली से वोट करेगा गिरिडीह, वोट गिरिडीह वोट आदि लिखकर 20 नवंबर को लोगों से मतदान करने की अपील की और लोकतंत्र के महापर्व में अपनी सकारात्मक भागीदारी सुनिश्चित करने का अनुरोध किया।

इस दौरान मोमबत्ती जलाकर 20 नवंबर को वोट गिरिडीह वोट, वोट फॉर गिरिडीह, वोट करेगा गिरिडीह

जैसे स्लोगन के साथ लोगों से इस कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की गई और मतदान के दिन अपने घरों से बाहर निकल कर मतदान करने की अपील की गई। मौके पर जिला निर्वाचन पदाधिकारी,नमन प्रियेश लकड़ा ने सभी से अपील किया कि स्वीप कार्यक्रम के तहत मतदाताओं को जागरूक करने के उद्देश्य विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। जिससे कम मतदान प्रतिशत क्षेत्रों में मतदान प्रतिशत को बढ़ाया जा सकें।

उन्होंने बताया कि मतदान आपका अधिकार है और कर्तव्य भी। ध्यान रहे, मतदान का दिन छुट्टी का दिन नहीं है। लोकतंत्र का महापर्व है। चुनाव को लेकर सभी प्रकार की तैयारियां आप सभी मतदाताओं के लिए पूर्ण कर ली गई है। इस बार हमने बूथ पर सभी सुविधाएं सुनिश्चित की हैं। छाया, पानी, शौचालय की सुविधा हर बूथ पर रहेगी। साथ ही कतार से मुक्ति, दिव्यांगजन और बुजुर्गों के लिए स्वयंसेवक सहायता हेतु उपस्थित रहेंगे। आप अपने परिवार के सभी मतदान देने वाले सदस्यों सहित मतदान बूथ पर पधारें ताकि आपको मतदान का सुखद एहसास मिल सके। साथ ही साथ आप वहां से सेल्फी अपलोड कर औरों को मतदान हेतु प्रेरित करें। लोकतंत्र के इस पर्व में आप अपना अमूल्य मत देना ना भूलें। शत प्रतिशत मतदान के लिए हम सभी की सहभागिता आवश्यक है।मौके पर उपविकास आयुक्त महोदया ने भी वोट अपील कर मतदाताओं से 20 नवंबर को मतदान करने की अपील की। तथा अपने माध्यम से अन्य को प्रोत्साहित करने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि चुनाव को महापर्व के रूप में हमलोग मनाते हैं, आप सभी भी इस महापर्व में सक्रिय भूमिका निभाएं और बढ़ चढ़ कर हिस्सा लें।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने डिस्पैच सेंटर का निरीक्षण कर पोलिंग पार्टी को उनके दायित्वों से अवगत कराया

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि,गिरिडीह। विधानसभा निर्वाचन 2024 के तहत बनाए गए सभी 04 डिस्पैच सेंटर 28 धनवार (कृषि फार्म हाउस, पचंबा), 29 बगोदर (विवाह भवन, झंडा मैदान), 30 जमुआ और 31 गांडेय विधानसभा के लिए गिरिडीह कॉलेज तथा 32 गिरिडीह और 33 डुमरी विधानसभा के लिए महेशलुंडी डिस्पैच सेंटर का मंगलवार को जिला निर्वाचन पदाधिकारी,नमन प्रियेश लकड़ा ने मतदान के लिए सभी पोलिंग पार्टी को अपने कर्तव्य पथ की ओर रवाना किया। साथ ही उन्होंने सभी डिस्पैच सेंटर का निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिया। इस दौरान उन्होंने सभी को जिम्मेवारी सौंपी गई तथा चुनाव कार्यों को पूरी पारदर्शिता और निष्पक्षता के साथ करने के निर्देश दिए।

साथ ही उन्होंने निर्वाचन जैसे महत्वपूर्ण कार्य को सफलतापूर्वक संचालित कराना हमारा मुख्य उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि सभी को अपने दायित्वों का निष्पादन स-समय सुनिश्चित करना है। साथ ही आपसी समन्वय के साथ कार्य करने का निर्देश दिया गया। इस दौरान उन्होंने मास्टर ट्रेनर को उनके दायित्व के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया। साथ ही जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने सभी मतदान कर्मियों को मतदान दिवस के सफल क्रियान्वयन को लेकर शुभकामनाएं दी।

महिला के गले से सोने का चैन छीनकर फरार

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि,डुमरी। निमियाघाट थाना क्षेत्र अंतर्गत इसरी बस स्टैंड समीप मंगलवार की दोपहर बाइक सवार दो युवकों ने अपने घर जा रही एक महिला के गले से सोने का चेन छिनकर फरार हो गए। छिनतई की यह घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है।बताया जाता है कि बस स्टैंड प्रोफेसर कालोनी निवासी ललीता देवी इसरी बस स्टैंड से पैदल अपने घर जा रही थी कि बाइक सवार दो युवकों आए और उन्होंने पलक झपकते ही महिला के गले से चेन छिन लिया और फरार हो गए।

वरिष्ठ पत्रकार सुदेश कुमार के निधन पर सुबोधकांत सहाय ने जताया शोक

रांची। पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय ने चांडिल अनुमंडल के वरिष्ठ पत्रकार सुदेश कुमार के असामयिक निधन पर शोक व्यक्त किया है। श्री सहाय ने अपनी शोक संवेदना में कहा कि स्व.सुदेश की पहचान एक कर्मठ, ईमानदार व निष्पक्ष पत्रकार के रूप में रही। आंचलिक व सामाजिक सरोकारों से जुड़ी पत्रकारिता को उन्होंने एक नई दिशा दी। क्षेत्रीय जन समस्याओं और जनहित से जुड़े मुद्दों के प्रति वह सदैव मुखर रहे। मृदुभाषी, सरल व सहज सुदेश सबों के बीच लोकप्रिय थे। उनके अकस्मात निधन की खबर से मर्माहत हैं। श्री सहाय ने दिवंगत की आत्मा की शांति व परिजनों को संबल प्रदान करने की ईश्वर से कामना की।

यूटीआई म्यूचुअल फंड खोलेगा नया वित्तीय केंद्र

रांची/ हजारीबाग। यूटीआई एएमसी हजारीबाग में नया केन्द्र खोलेगा। कंपनी ने 18 नवंबर 2024 को दक्षिण, पूर्व और पूर्वोत्तर भारत में 19 नए यूटीआई वित्तीय केंद्र (यूएफसी) खोलने की घोषणा की है। एमडी और सीईओ इम्तियाजुर रहमान ने कहा, %हम रणनीतिक रूप से नए यूटीआई फाइनेंशियल सेंटर खोल रहे हैं ताकि हमारे ऑफर की पूरी रेंज तक लोगों की सहज पहुंच सुनिश्चित हो सके। पिछले कुछ सालों में म्यूचुअल फंड निवेश में व्यक्तिगत निवेशकों की भागीदारी में वृद्धि, खासकर बी30 शहरों में, उल्लेखनीय और बहुत उत्साहजनक रही है। हमारा विस्तार अभियान जागरूकता पैदा करने और म्यूचुअल फंड निवेश को सभी के लिए उपलब्ध कराने के हमारे दीर्घकालिक दृष्टिकोण के अनुरूप है।यूटीआई म्यूचुअल फंड एक मजबूत वितरण नेटवर्क के माध्यम से अपने निवेशकों तक पहुंचने के लिए समर्पित है, जिसमें वित्तीय केंद्र (यूएफसी), बिजनेस डेवलपमेंट एसोसिएट्स, म्यूचुअल फंड वितरक (एमएफडी) और बैंकों के साथ रणनीतिक साझेदारियां शामिल हैं।

महेश पोद्दार ने आश्रम में ऊनी वस्त्र का किया वितरण

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि, रांची। श्री कृष्ण प्रणामी सद्गुरु कृपा (अपना घर आश्रम) की शाखा सद्गुरु कृपा अपना घर आश्रम (सत्य-प्रेम सभागार) रांची में मंगलवार को रांची निवासी महेश पोद्दार ने सपत्नी सरोज पोद्दार एवं पुत्र शिवम पोद्दार के साथ आश्रम में रह रहे 35 मंदबुद्धि दिव्यांग निराश्रित प्रभु जी एवं आश्रम में रहकर उनकी सेवा करने वाले सेवादार साथियों के बीच ऊनी वस्त्र का वितरण किया। सेवा कार्य में आश्रम के उपाध्यक्ष राजेन्द्र प्रसाद अग्रवाल,मनोज चौधरी, शिवभगवान अग्रवाल,निर्मल जालान,विशाल जालान,पवन पोद्दार,पुर्णमल सर्राफ सहित अन्य उपस्थित थे। यह जानकारी आश्रम के उपाध्यक्ष राजेन्द्र प्रसाद अग्रवाल ने दी।

झामुमो का होगा सूपड़ा साफ, अगली सरकार भाजपा की –अमित शाह

पूर्वांचल सूर्य संवाददाता ,रांची। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा है कि झारखंड में झामुमो का सुपड़ा साफ होगा और अगली सरकार बीजेपी बनाएगी। उन्होंने विभिन्न चुनावी सभाओं में कहा कि भारतीय जनता पार्टी झारखंड विधानसभा चुनाव में 50 से अधिक सीटें जीतकर सरकार बनाएगी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी की पूर्ण बहुमत की सरकार बनने जा रही है। झारखंड की जनता समझ गई है कि उनकी रोटी, बेटी और माटी की सुरक्षा के साथ संपूर्ण झारखंड का विकास सिर्फ भारतीय जनता पार्टी कर सकती है।

उन्होंने कहा कि 5 साल पहले झारखंड में हेमंत सोरेन की सरकार आई थी। जिसने न सिर्फ झारखंड में भ्रष्टाचार की सभी सीमाएं लांघ दी। साथ ही हेमंत सोरेन ने तुष्टिकरण की राजनीति को बढ़ावा दिया। जिसमें उन्होंने न सिर्फ घुसपैठियों का समर्थन किया। बल्कि अपने वोट बैंक के लालच में हेमंत सोरेन न घुसपैठियों को झारखंड में घुसाकर आदिवासियों की भूमि और जनसंख्या को कम करने का काम किया है।

फार्मरफेस कंपनी में आईसेक्ट विश्वविद्यालय के 11 विद्यार्थियों का चयन

- **वर्ष 2024 में अबतक 130 से भी अधिक विद्यार्थियों का विभिन्न कंपनियों में हो चुका है चयन**
- **प्लेसमेंट के जरिए विद्यार्थियों के मंजिल की राह, बन रहा आसान-डॉ मुनीष गोविंद**

पूर्वांचल सूर्य संवाददाता

हजारीबाग। वर्चुअल प्लेसमेंट ड्राइव के जरिए एचआर अमर कुमार के लिए गए साक्षात्कार में आईसेक्ट विश्वविद्यालय के कृषि विभाग के 11 विद्यार्थियों का चयन फार्मर रिलेशनशिप मैनेजर के तौर पर हुई है, जिसमें कशिश कुमारी, निशांत कुमार, विक्रम कुमार, विवेक कुमार, साक्षी राज, शैलेश कुमार शर्मा, सौरभ कुमार सुमन, मनोज कुमार, अभिषेक कुमार, रविंद्र कुमार वर्मा व गुलशन कुमार के नाम शामिल हैं। बता दें कि इससे पूर्व भी भारत फाइनेंशियल इन्क्लुजन लिमिटेड (इन्डसलैंड बैंक) मुंबई में सौरभ कुमार, संदीप कुमार, मुकेश कुमार व संजय कुमार, एसेंचर कंपनी में बतौर क्लाउड इंजीनियर सीएस एंड आईटी के छात्र रौनक राज, टीसीएस में ग्रेजुएट ट्रेनी के तौर पर अमीषा कुमारी, रिलायंस इंडिया लिमिटेड में बतौर सहायक प्रबंधक दीपक पाण्डेय, बंधन बैंक में इंश्योरेंस अधिकारी के तौर पर कोमल कुमारी सहित वर्ष 2024 में 130 से अधिक विद्यार्थियों का देश के अलग-अलग कंपनियों में चयन हो चुका है।साथ ही कई विद्यार्थियों का शिक्षक समेत विभिन्न सरकारी पदों पर भी चयन हुआ है। इस चयन पर खुशी जताते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ पीके नायक ने कहा कि विश्वविद्यालय पढ़ाई के साथ साथ विद्यार्थियों के समावेशी विकास के मद्देनजर अपनी महत्वपूर्ण भूमिका तो निभा रही है, साथ ही विद्यार्थियों के प्लेसमेंट पर भी ध्यान केंद्रित है। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को रोजगार मुहैया कराना भी विश्वविद्यालय के प्रमुख उद्देश्यों में शामिल है।कुलसचिव डॉ मुनीष गोविंद ने कहा कि आईसेक्ट विश्वविद्यालय अपने शुरुआती दिनों से ही गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा के लिए जानी जाती है। विद्यार्थियों को रोजगार भी मुहैया हो, इसके लिए विश्वविद्यालय में अलग से प्लेसमेंट सेल है, जहां अंतिम सेमेस्टर के साथ साथ विश्वविद्यालय से पढ़ाई पूरी कर चुके इच्छुक विद्यार्थी आवेदन जमा करते हैं और समय-समय पर प्लेसमेंट ड्राइव के जरिए वैसे विद्यार्थियों के प्लेसमेंट भी कराए जाते हैं। डॉ गोविंद ने कहा कि आईसेक्ट विश्वविद्यालय की ओर से प्रत्येक वर्ष रोजगार मेला का भी आयोजन कराया जाता है ताकि अधिक से विद्यार्थियों को रोजगार से जोड़ा सके। उन्होंने बताया कि रोजगार मेला में विश्वविद्यालय के ईर्द-गिर्द के क्षेत्रों के साथ विभिन्न जिलों से बड़ी संख्या में विद्यार्थी शामिल होते हैं। उन्होंने बताया कि आईसेक्ट विश्वविद्यालय प्लेसमेंट के जरिए विद्यार्थियों के मंजिल की राह भी आसान बन रही है। टीपीओ मनोज कुमार ने बताया कि लगातार विभिन्न से संपर्क में हूं। आने वाले समय में अपेक्षाकृत बड़ी संख्या में विश्वविद्यालय के इच्छुक विद्यार्थियों अलग-अलग कंपनियों में प्लेसमेंट कराए जाएंगे! वहीं कृषि संकायाध्यक्ष डॉ अरविंद कुमार ने कहा कि कृषि विभाग में थ्योरी के साथ साथ लगातार प्रैक्टिकल वर्क विद्यार्थियों से कराए जाते हैं।

विधानसभा चुनाव 2024:

डिस्पैच सेंटर में की गई तैयारियों से उत्साहित हुए मतदान कर्मी

- **गिरिडीह विधानसभा,डुमरी विधानसभा,बगोदर विधानसभा,धनवार विधानसभा, गांडेय विधानसभा,जमुआ विधानसभा में मतदान कल**
- **पारंपरिक तरीके से मतदान के लिए पोलिंग पार्टियों का स्वागत किया गया**

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि

गिरिडीह। विधानसभा निर्वाचन 2024 के तहत बनाए गए सभी 04 डिस्पैच सेंटर 28 धनवार (कृषि फार्म हाउस, पचंबा), 29 बगोदर (विवाह भवन, झंडा मैदान), 30 जमुआ और 31 गांडेय विधानसभा के लिए गिरिडीह कॉलेज तथा 32 गिरिडीह और 33 डुमरी विधानसभा के लिए महेशलुंडी डिस्पैच सेंटर बनाया गया है। सभी डिस्पैच सेंटर से मतदान कर्मियों को उनके मतदान केंद्र के लिए रवाना किया गया। मतदान केंद्र रवाना होते हुए मतदान कर्मियों ने 20 नवंबर को मतदान करने का संदेश दिया। सभी डिस्पैच सेंटर में सुरक्षा व्यवस्था समेत अन्य व्यवस्था सुदृढ़ व सुगम बनाया गया था, जिससे किसी भी मतदान कर्मी को दिक्कत नहीं हुई। पारंपरिक तरीके से मतदान के लिए पोलिंग पार्टियों का स्वागत किया गया। सभी छः विधानसभा क्षेत्र हेतु व्यवस्थित तरीके से वाहनों के आवागमन को लेकर व्यवस्था की गई थी। इस कारण जाम की स्थिति उत्पन्न नहीं हुई। ससमय सभी पोलिंग पार्टियां अपने-अपने बूथों के लिए रवाना कर दिया गया। सभी छः विधानसभा क्षेत्र के लिए अलग-अलग डिस्पैच सेंटर बनाए गए थे। वहीं, मतदानकर्मियों की मदद के लिए हेल्प डेस्क, स्वास्थ्य केंद्र, मोबाइल टॉयलेट, पेयजल की भी व्यवस्था की गई थी। इस दौरान मतदान कर्मियों में खासा उत्साह देखा गया। महिला मतदान कर्मियों ने भी पूरी तैयारी और उत्साह के साथ अपने कर्तव्य पथ के लिए रवाना हुई। इस दौरान पहली बार मतदान करा रहे मतदान कर्मी, पीडब्ल्यूडी मतदान कर्मी तथा महिला मतदान कर्मियों का उत्साहवर्धन किया गया और उन्हें शुभकामनाएं दी गई।

खनन विभाग के अधिकारियों ने अवैध बोल्डर पत्थर लदा हाइवा को पकड़ा

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि,बरकट्ठा। खनन विभाग हजारीबाग के अधिकारियों ने गुप्त सूचना के आधार पर थाना क्षेत्र के ग्राम कोनहारा कला से जीटी रोड पर निकल रही अवैध पत्थर लदे हाइवा को जब्त कर लिया है। खनन विभाग ने बरकट्ठा थाना को लिखित आवेदन देकर प्राथमिकी दर्ज कार्रवाई की है। आवेदन खनन विभाग के निरीक्षक सतेंद्र सोरेन ने दिया है। जिसमें उन्होंने लिखा है कि कोनहारा कला से चलकर एनएच को जोड़ने वाले रास्ते में हाइवा में लदा खनिज को जांच किया तो डोमचांच का चलान पाया गया। इस संबध में चालक से पूछे जाने पर बताया कि खनिज (पत्थर) डोमचांच से लाया जा रहा है। जबकि बोल्डर वास्तव में गोल्डन स्टोन हार्वेस्ट प्राइवेट लिमिटेड कंपनी से लोड कर परिवहन किया जा रहा हैं। इससे साफ पता चल रहा है कि चलान का दुरुपयोग किया जा रहा है। साथ ही खनन राजस्व का नुकसान पहुंचाया जा रहा है। इस संबध में बरकट्ठा थाना कांड संख्या 206/24 के तहत चालक, मालिक और गोल्डन स्टोन हार्वेस्ट प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के संचालक के विरुद्ध कार्रवाई की है। वहीं गोल्डेन स्टोन हार्वेस्ट प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के मैनेजर जयराम सिंह ने बताया कि खनन विभाग ने अनुमानित के आधार पर कंपनी पर कारवाई की है। कंपनी के द्वारा बारिश से ही पत्थर उत्खनन कार्य पूर्ण रूप से बंद है।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने संत कोलंबस कॉलेज के डिस्पैच सेंटर का किया निरीक्षण

- **24 मांडू विधानसभा में चुनाव कराने, पोलिंग पार्टियां ईवीएम- मतदान सामग्री लेकर हो रहे है रवाना**
- **उपायुक्त ने पोलिंग पार्टियों के साथ की ब्रीफिंग,दी शुभकामनाएं**

पूर्वांचल सूर्य संवाददाता

हजारीबाग। हज़ारीबाग विधानसभा चुनाव 2024 के अंतर्गत द्वितीय चरण के तहत 24 मांडू विधानसभा क्षेत्र में 20 नवंबर को मतदान होना है। इसको लेकर पोलिंग पार्टियां संत कोलंबस कॉलेज से रवाना हो रही है। रवानगी की तैयारियां व डिस्पैच प्रक्रियाओं का जायजा लेने जिला निर्वाचन पदाधिकारी नैंसी सहाय पहुंची। निरीक्षण के क्रम मतदान केंद्रों पर पोलिंग पार्टी को रवाना करने के लिए रूट मैप, ईवीएम और तैयार मतदान सामग्री के वितरण की जांच की।वहीं नियुक्ति पत्र वितरण काउंटर, हेल्प डेस्क,मटेरियल डिस्पैच सेंटर, विधानसभा वार कार्मिक कोषांग, पोलिंग पार्टी डिस्पैच सेंटर, कार्मिक रिजर्व, पोलिंग पार्टी के बैठने की व्यवस्था आदि तथा वाहन पड़ाव का भी अवलोकन किया। डिस्पैच सेंटर में ईवीएम और मतदान सामग्री को बूथवार रखा गया है,ताकि पोलिंग पार्टियों को सामग्री देने में किसी तरह की परेशानी ना हो।जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने डिस्पैच कार्य हेतु प्रतिनियुक्त कर्मियों को लेकर निर्देश दिया कि मतदान कर्मियों के बीच सुलभ तरीके से नियुक्ति पत्र वितरण, मतदान सामग्रियों तथा ई0वी0एम0 मशीन उपलब्ध कराएं। मतदान कर्मियों को सभी प्रकार के सामाग्री वितरण के लिए काउंटर बनाये गये हैं।

उपायुक्त ने 24 मांडू निर्वाचन क्षेत्र में प्रतिनियुक्त सेक्टर दंडाधिकारियों एवं सेक्टर पदाधिकारियों के बीच की संयुक्त ब्रीफिंग :20 नवंबर को मांडू विधानसभा क्षेत्र में वोट डाले जाने है इसके लिए आज संत कोलंबस कॉलेज से मतदान कर्मी ईवीएम लेकर रवाना हो रहे है। जिला निर्वाचन पदाधिकारी नैंसी सहाय ने इस दौरान सेक्टर मेजिस्ट्रेट एवं सेक्टर पुलिस पदाधिकारीयों को मतदान दिवस की सावधानियों व क्रियाकलापों से अवगत कराया। इस दौरान पुलिस अधीक्षक अरविंद कुमार सिंह मौजूद रहे।जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि शांतिपूर्ण तथा सौहार्दपूर्ण माहौल में चुनाव संपन्न कराने की जिले की स्वस्थ परंपरा रही है। विधानसभा चुनाव को शांतिपूर्ण, भयमुक्त और निष्पक्ष तरीके से संपन्न करवाने के लिए जिला प्रशासन प्रतिबद्ध है। मतदान प्रक्रिया में नियुक्त सभी कार्मिक निष्पक्ष,निष्ठापूर्वक, प्रतिबद्धता और कर्तव्य परायणता तथा आपसी सामंजस्य के साथ चुनाव संपन्न कराएं भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार मतदान केन्द्रां पर वेबकास्टिंग और सीसीटीवी से निगरानी रखी जाएगी।उन्होने मांडू विधानसभा क्षेत्र के मतदाताओं से 20 नवम्बर को शत प्रतिशत मतदान की अपील की है।इस अवसर पर उप विकास आयुक्त, उप निर्वाचन पदाधिकारी,जिला भू अर्जन पदाधिकारी,जिला परिवहन पदाधिकारी,जिला योजना पदाधिकारी एवं जिला आपूर्ति पदाधिकारी मौजूद थे।

हरमू रोड के श्री श्याम मंदिर में सुंदरकांड पाठ और हनुमान चालीसा पाठ आयोजित

पूर्वांचल सूर्य संवाददाता ,रांची। श्रीश्याम मित्र मंडल द्वारा हरमू रोड के श्रीश्याम मंदिर में मंगलवार को सायंकाल 128 वां श्रीसुन्दरकाण्ड - श्रीहनुमान चालीसा का सामुहिक पाठ का आयोजन किया गया। मंडल के उपमंत्री अनिल नारनोली ने श्रीहनुमान जी महाराज की अखण्ड पावन दिव्य ज्योति प्रज्ज्वलित करके केशरिया पेड़ा, गुड़, चना,फल का भोग अर्पित किया । उन्होंने श्रीरामचरितमानस ग्रन्थ एवं पाठ वाचकों का पूजन -वंदन किया।

पाठ वाचक मनीष सारस्वत व ओम शर्मा ने अपनी टीम के ढोलक, ढफली, आरगेन, झांझ, कडताल के स्वर के साथ श्रीगणेश वन्दना कर श्रीहनुमान चालीसा का पाठ किया। इसके बाद सामुहिक श्रीसुन्दरकाण्ड का पाठ प्रारंभ किया। उपस्थित सैकड़ों भक्तो से संगीतमय पाठ करवाया। पुरा श्रीश्याम मंदिर हनुमानमय हो गया। बजरंगबली के जय -जयकारो से पुरा मंदिर परिसर गूंज रहा था। हनुमान जी महाराज की अखण्ड ज्योति में आहुति देने के लिए भक्तों की कतारें लगी रहीं। भक्तजन श्रीहनुमान जी महाराज की आराधना में लीन रहे। श्रीसुन्दरकाण्ड के पाठ के बाद पुनः श्रीहनुमान चालीसा का संगीतमय पाठ किया गया । महाबली बजरंगबली की महाआरती की गयी एवं भक्तो के बीच प्रसाद वितरित किया गया। इस अवसर पर पुष्पा देवी पौदार ने केसरिया पेड़ा प्रसाद, श्रवण ढाढ़ंनिया ने चना प्रसाद, राजेश जायसवाल ने फल प्रसाद, एवं मुकेश मित्तल ने गिरीगोला की सेवा अर्पित की। मण्डल के अध्यक्ष सुरेश सरावगी, प्रथम महामंत्री विश्वनाथ नारसरिया, श्यामसुंदर जोशी, अंकित सिंह, सहित अनेक लोग उपस्थित थे।

शनिवार को श्रीश्याम भंडारा :श्रीश्याम मित्र मंडल, रांची द्वारा हरमू रोड़ के श्रीश्याम मंदिर में शनिवार को सायं 5 बजे से 132 वां श्री श्याम भण्डारा होगा। राजीव रंजन - मित्तल व दिलीप -सरिता अग्रवाल अपने -अपने परिजनों के साथ 134 वें श्रीश्याम भण्डारे की सेवा निवेदित करेंगे।

डीसी के निर्देश पर सीओ ने किया बालू यार्ड का निरीक्षण

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि,बड़कागांव। हजारीबाग उपायुक्त नैंसी सहायक के निर्देश पर बड़कागांव में अवैध बालू कारोबार को लेकर बालू यार्ड का निरीक्षण किया जा रहा है । मंगलवार को बड़कागांव सीओ मनोज कुमार ने सुदूर ग्रामीण क्षेत्र लुकैया गांव में संचालित बालू यार्ड का निरीक्षण किया गया। मामले को लेकर सीओ ने बताया कि इस दौरान यार्ड मालिक को यार्ड से संबंधित डॉक्यूमेंट उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया है। जब तक डॉक्यूमेंट उपलब्ध नहीं होता है तब तक बालू का भंडारण एवं उठाव पर रोक लगाई गई है।

निरसा के काली मंदिर की मूर्ति क्षतिग्रस्त, गहने ले भागे बदमाश

धनबाद, एजेंसी। निरसा के पंडारा मोड़ स्थित मां काली मंदिर में घुसकर असामाजिक तत्वों ने मां काली की मूर्ति क्षतिग्रस्त कर दी और चांदी की बाली व सोने की नथनी लेकर भाग निकले घटना रविवार रात की बताई जाती है पुजारी बेंगू ठाकुर सोमवार की सुबह जब मंदिर खोलने पहुंचे, तो उन्हें घटना की जानकारी हुई शोर मचाने पर मंदिर में ग्रामीणों की भीड़ जुट गई सूचना पाते ही निरसा के एसडीपीओ रजत माणक बाखला व निरसा थाना प्रभारी दलबल के साथ पहुंचे और घटना की जानकारी ली पुजारी बेंगू ठाकुर ने थाने में घटना की लिखित शिकायत की है पुलिस मामले की जांच में जुट गई है पुलिस ने मंदिर के पास चौकीदार को तैनात कर दिया है

शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले 70 शिक्षक सम्मानित

बोकारो, एजेंसी। बोकारो के कैंप 2 में सोमवार को झारखंड चैप्टर मेंटर संगोष्ठी का आयोजन हुआ संगोष्ठी में शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले 70 शिक्षकों को सम्मानित किया गया प्रेरक प्रशिक्षक के रूप में सायबल चटर्जी शरीक हुए कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य नई शिक्षा नीति (एनईपी) से शिक्षकों को अवगत कराना था सायबल चटर्जी ने नई शिक्षा नीति की विशेषताओं और शिक्षा प्रणाली के लिए इसके निहितार्थों पर विस्तार से चर्चा की शिक्षकों को नीति के उद्देश्यों के साथ अपने शिक्षण विधियों को संरेखित करने के लिए अभिनव दृष्टिकोण अपनाने के लिए प्रेरित किया इंटरैक्टिव सत्र में शिक्षकों को अपनी कक्षाओं में एनईपी सिद्धांतों के एकीकरण का पता लगाने और छात्रों के समग्र विकास को बढ़ावा के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम सम्मानित होने वाले शिक्षकों में नवीन कुमार, हरे कृष्ण, रागिनी झा, नीरज कुमार, मिनी कुमारी, अनूप कुमार, ज्योति सिंह, संगीता केशरी, विश्वनाथ गोस्वामी, देब दुलाल मित्रा, अजय कुमार आदि शामिल थे प्रशिक्षक ने इनके समर्पण और प्रयासों को शिक्षकों के लिए प्रेरणा स्रोत बताया कार्यक्रम को सफल बनाने में शारदा विश्वविद्यालय के सुमित सिंह व आतिफ सिद्दीक़ी का अहम योदान रहा।

पलामू में दो घरों से लाखों की चोरी

पलामू, एजेंसी। जिले के चैनपुर प्रखंड के पूर्वडीहा पंचायत के कोल्हुआ गांव में एक ही रात दो बंद घरों में चोरी कर ली गई। चोरों ने एक ही तरीके से दोनों घर में लगे ताले तोड़कर घर में महंगे आभूषण सहित नगदी की चोरी कर ली। 10 लाख रुपये की संपत्ति चोरी होने की जानकारी दी गई है। सूचना मिलने पर चैनपुर थाना से पुलिस टीम मौके पर पहुंची और छानबीन करते हुए चोरों की तलाश में जुट गई है। कोल्हुआ निवासी सेवानिवृत्त शिक्षक बिंदेश दूबे अपने बच्चों और परिवार के साथ वाराणसी में रहते हैं तथा दूसरे घर के मालिक मनोज दूबे जो अपने परिवार के साथ दिल्ली में रहते हैं। दोनों लोगों के घर में गहना और नगद की चोरी कर ली गई है। बिंदेश दूबे के घर से 4 सेट गहना और एक लाख नगद की चोरी कर ली गई, जबकि मनोज दूबे के घर से दो लाख का गहना और 10 हजार नगद की चोरी कर ली गई है। लोगों का शक है कि कबाड़ी वाले लोग आते हैं और बंद घरों की रेकी करते हैं फिर चोरी की घटना को अंजाम देते हैं। ग्रामीणों के अनुसार मंगलवार सुबह 7ः00 बजे आसपास के लोगों ने देखा कि बिंदेश दुबे और मनोज दुबे के घर के ताले टूट और मुख्य गेट खुला हुआ मिला। चोरी की घटना स्पष्ट होने पर इसकी जानकारी मकान मालिक और चैनपुर थाना पुलिस को दी गई। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच पड़ताल कर रही है।

आईआईटीएफ-2024 के झारखंड पेवेलियन में मत्स्य निदेशालय का स्टॉल बना आकर्षण का केंद्र

- मोती की खेती के तरीकों से अवगत हो रहे लोग
- मोती पालन के लिए किसानों को प्रशिक्षण व टूल किट का निशुल्क वितरण - अमरेन्द्र कुमार

पूर्वांचल सूर्य संवाददाता

रांची/नई दिल्ली। नई दिल्ली में आयोजित इंडिया इंटरनेशनल ट्रेड फेयर (आईआईटीएफ-2024) के झारखंड पेवेलियन में मत्स्य निदेशालय (मत्स्य अनुसंधान केन्द्र) का स्टॉल आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। स्टॉल पर मत्स्य निदेशालय द्वारा विशेष रूप से मोती उत्पादन की विधि के बारे में लोगों को जानकारी दी जा रही है। विभाग द्वारा झारखंड मंडप में आने वाले दर्शकों को मत्स्य पालन के अलावा मोती उत्पादन के लिए भी प्रेरित किया जा रहा है। स्टॉल में आने वाले आगंतुकों को मत्स्य निदेशालय की ओर से मोती की खेती के तौर-तरीकों और इससे अर्जित होने वाली आमदनी के बारे में भी जानकारी दी जा रही है।

इस संबंध में झारखंड मत्स्य निदेशालय के उप निदेशक अमरेंद्र कुमार ने बताया कि झारखंड मंडप में मत्स्य पालन विभाग द्वारा मोती उत्पादन के बारे में डेमो डिस्प्ले किया गया है।

पूरे मेले में एकमात्र झारखंड राज्य के मत्स्य निदेशालय की ओर से स्टॉल लगाया गया है, जहां पर मोती की खेती को बढ़ावा देने और इससे आय अर्जित करने के बारे में लोगों को अवगत कराया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि झारखंड में विगत चार वर्षों से मोती की खेती की जा रही है। प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के अंतर्गत पायलट प्रोजेक्ट के तहत मोती के उत्पादन को बढ़ावा देने की दिशा में विभाग अग्रसर है।

गौरतलब है कि प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के अंतर्गत झारखंड को मोती उत्पादन के लिए लीड राज्य घोषित किया गया है। मत्स्य निदेशालय में कलस्टर आधारित मोती पालन के लिए किसानों को विशेष प्रशिक्षण की व्यवस्था है। उन्होंने बताया कि मत्स्य किसानों को विशेष रूप से मोती उत्पादन के लिए 45 दिनों का प्रशिक्षण दिया जाता है। तत्पश्चात मोती उत्पादन के लिए आवश्यक उपकरण व टूल किट आदि का वितरण भी निदेशालय की ओर से किसानों को निःशुल्क किया जाता है। उन्होंने कहा कि मत्स्य कृषक अपने तालाबों, जलाशयों आदि में मछली उत्पादन के अतिरिक्त मोती की खेती कर आमदनी बढ़ा सकते हैं।

मोती उत्पादन किसानों की आमदनी बढ़ाने में काफी सहायक साबित होगा।

उन्होंने कहा कि झारखंड का मत्स्य निदेशालय मछली उत्पादन के क्षेत्र में नित नई उपलब्धियां हासिल कर रहा है।

राज्य को मछली उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाने के लिए विभाग द्वारा मत्स्य कृषकों को निरंतर प्रोत्साहित किया जा रहा है।

विभागीय सचिव एवं मत्स्य निदेशालय के निदेशक डॉ.एचएन द्विवेदी के नेतृत्व में कुशल अधिकारियों की टीम मत्स्य उत्पादन के क्षेत्र में झारखंड को आत्मनिर्भर बनाने के साथ-साथ मोती उत्पादन में भी कीर्तिमान बनाने की दिशा में प्रयासरत है।

विभागीय अधिकारियों के मुताबिक आईआईटीएफ के झारखंड मंडप में बने मत्स्य निदेशालय का स्टॉल आम नागरिकों के अतिरिक्त मीडिया कर्मियों के लिए भी कौतूहल का केंद्र बना है।

मत्स्य निदेशालय की बी-टू-बी में शामिल हुए निवेशक

भारतीय अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले के झारखंड मंडप में मत्स्य विभाग की ओर से बी2बी बैठक आयोजित की गई। इस मौके पर झारखंड सरकार के मत्स्य निदेशालय के उप निदेशक अमरेंद्र कुमार, उप निदेशक रवि रंजन कुमार, (मत्स्य अनुसंधान) व मुख्य प्रशिक्षक प्रशांत कुमार दीपक के साथ दो निवेशक/फर्म के प्रतिनिधि शामिल हुए।

अलग अलग पिकअप वैन से क्रमसः 1 लाख एवं 56 हजार नगद बरामद

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि

धनबाद। जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त माधवी मिश्रा के निर्देशानुसार स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं निर्भीक विधानसभा चुनाव संपन्न कराने के लिए जिले के 16 चेक पोस्ट सहित एफएसटी की 63 एवं एसएसटी की 63 टीम पूरे जिले में भ्रमणशील रहकर लगातार कड़ाई से जांच अभियान चला रही है। इस कड़ी में मंगलवार को सुबह 9 बजे चिरकुंडा थाना क्षेत्र में स्टेटिक सर्विलांस टीम ने एक महिन्द्र पिकअप वैन से 1 लाख रुपए नगद बरामद किए।

इसकी विस्तृत जानकारी देते हुए उपायुक्त ने बताया कि आज सुबह चिरकुंडा थाना क्षेत्र के बराकर नदी चेक पोस्ट पर स्टेटिक सर्विलांस टीम द्वारा वाहनों की जांच की जा रही थी। जांच के दौरान पश्चिम बंगाल के आसनसोल से झारखंड में प्रवेश कर रही एक महिन्द्रा पिकअप संख्या डब्ल्यू.बी. 37 डी. 6008 की जांच की गई।फिर दोपहर 12.15 बजे भी चिरकुंडा थाना क्षेत्र में स्टेटिक सर्विलांस टीम ने एक पिकअप वैन से 56 हजार रुपए नगद बरामद किए।

इसकी विस्तृत जानकारी देते हुए उपायुक्त ने बताया कि आज दोपहर चिरकुंडा थाना क्षेत्र के बराकर पुल के पास चेक पोस्ट पर स्टेटिक सर्विलांस टीम द्वारा वाहनों की जांच की जा रही थी। जांच के दौरान पश्चिम बंगाल के कुलटी से झारखंड में प्रवेश कर रही एक पिकअप संख्या डब्ल्यू.बी. 37 सी. 4134 की जांच की गई।

एफजेसीसीआई की स्किल डेवलपमेंट उप समिति की बैठक आयोजित

पूर्वांचल सूर्य संवाददाता

रांची। झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स के स्किल डेलवपमेंट उप समिति की बैठक मंगलवार को चैंबर भवन में हुई। चर्चा के क्रम में इस कमिटी का विस्तार राज्यस्तर पर करने की बात कही। कहा गया कि प्रदेश में व्यापार की अपार संभावनाओं के बावजूद इसका लाभ स्थानीय स्तर के व्यापारियों को नहीं मिल पा रहा है जिससे उनकी उत्पादकता प्रभावित हो रही है। राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं से प्रदेश के अधिकाधिक व्यापारी लाभान्वित हो सकें, इस हेतु उप समिति द्वारा सभी जिला चैंबर ऑफ कॉमर्स के समन्वय से प्रयासों को गति दी जायेगी। बैठक के दौरान इस बात पर भी चर्चा की गई कि व्यवसायों और उद्योगों के साथ विमर्श करके कार्यबल में स्किल की कमी को पहचानने और इसका निदान विभागीय स्तर पर करने का प्रयास किया जायेगा। उद्योगों में क्षमता निर्माण, सॉफ्ट स्किल्स को बढाने के लिए प्रशिक्षण कार्यशालाओं का आयोजन करने की बात भी कही गई। उप समित चेयरमेन संतोष अग्रवाल और प्रियंक भगत ने संयुक्त रूप से कहा कि हमारी समिति झारखण्ड के व्यवसायिक पारिस्थितिकी तंत्र में कार्यबल को मजबूत बनाने और सतत विकास सुनिश्चित करने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करेगी।

चैंबर महासचिव आदित्य मल्होत्रा ने कहा कि उद्योगों के अनुकूल स्किलिंग होने से राज्य से काफी हद तक पलायन पर रोक संभव है। अब आवश्यक है कि आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस, ड्रोन सेक्टर जैसे जो नये आयाम हैं, उनके अनुसार स्किलिंग किया जाना आवश्यक है। यदि केंद्र/राज्य सरकार की स्किल पॉलिसी के साथ औद्योगिक संघों को भी सहभागी बनाया जाय तब इसके सकारात्मक परिणाम आयेंगे।

राज्य में उद्यमिता को बढावा देने, नये उद्यमियों को मार्गदर्शन देने, नवाचार और बाजार की रणनीतियों पर प्रशिक्षण देने की बात पर भी सदस्यों द्वारा विस्तृत चर्चा की गई। सदस्यों ने राज्य के युवाओं की अप-स्किलिंग पर भी प्रमुखता से चर्चा की और कहा कि कौशल विकास विभाग को भी इस बात पर गंभीरता से विचार करना चाहिए कि कैसे राज्य के युवाओं की स्किलिंग को बेहतर बनाते हुए उन्हें स्थानीय उद्योगों के अनुकूल प्रशिक्षण दिया जाय। इस हेतु औद्योगिक संगठनों से समन्वय बनाकर प्रयासों को गति दी जानी चाहिए। बैठक में चैंबर उपाध्यक्ष राहुल साबू, महासचिव आदित्य मल्होत्रा, सह सचिव नवजोत अलंग, कोषाध्यक्ष रोहित अग्रवाल, स्किल डेवलपमेंट उप समिति चेरमेन संतोष अग्रवाल, प्रियंक भगत, सदस्य शशांक राज उपस्थित थे।

पुलिस प्रेक्षक व व्यय प्रेक्षक ने संयुक्त रूप से चेक पोस्ट का किया निरीक्षण

धनबाद। पुलिस प्रेक्षक राजेन्द्र कुमार ग. दाभाडे तथा व्यय प्रेक्षक आर.ए.ध्यानी ने मंगलवार को संयुक्त रूप से सिंदरी, गोविंदपुर व बलियापुर विधानसभा में बनाए गए विभिन्न चेक पोस्ट व तथा विभिन्न स्थानों पर तैनात स्टेटिक सर्विलांस टीम का निरीक्षण किया। इसके बाद उन्होंने धनबाद विधानसभा में स्थित आरा गेट, केन्दुआ मोड़, करकेंद मोड तथा लोयाबाद में स्टेटिक सर्विलांस टीम का निरीक्षण किया।निरीक्षण के क्रम में उन्होंने चेक पोस्ट पर तैनात मजिस्ट्रेट व पुलिस फोर्स तथा स्टेटिक सर्विलांस टीम को कड़ाई से हर वाहनों की जांच करने का निर्देश दिया।

दो दिवसीय क्षमता संवर्धन कार्यशाला का हुआ समापन

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि

धनबाद। झारखंड प्रक्षेत्र-सी के अंतर्गत कोयला नगर, टाउनशिप स्थित डीएवी पब्लिक स्कूल में शिक्षा में नई शिक्षण विधियों का प्रयोग करते हुए गुणवत्तापूर्ण शिक्षण पर बल देने के उद्देश्य से दो दिवसीय क्षमता संवर्धन कार्यशाला का समापन मंगलवार को हुआ। इस अवसर पर डीएवी झारखंड प्रक्षेत्र-सी के क्षेत्रीय सहायक पदाधिकारी सह प्राचार्य एन.एन.श्रीवास्तव ने कार्यशाला के समापन सम्बोधन में कहा कि आपको सभी ने दो दिवसीय कार्यशाला के दौरान जो भी आधुनिक शिक्षा प्रणाली की शैली को सीखें उसे अपने-अपने विद्यालयों में विद्यार्थियों की समस्याओं, अवधारणाओं और मानसिक बौद्धिक स्तर के विकास में प्रयोग करें जिससे कि बच्चों का सर्वांगीण विकास हो सके। आगे उन्होंने कहा कि इस प्रकार की कार्यशालाओं को भविष्य में भी आयोजन किया जाता रहेगा ताकि शिक्षक अद्यतन शिक्षण विधियों से अवगत होते रहेंग। सनद रहे कि इस कार्यशाला में झारखंड प्रक्षेत्र-सी के अंतर्गत डीएवी कोयला नगर, कुसुंडा अलकुशा, मुनीडीह, सिंदरी, लोदना तथा मुगूमा के 415 प्री-प्राइमरी से लेकर उच्च माध्यमिक तक के सभी विषयों के शिक्षक-शिक्षिकाएं सम्मिलित हुए।

मौकेपर डीएवी कुसुंडा की प्राचार्या झूमा महता, डीएवी अलकुशा के एस मोदक, डीएवी मुनीडीह के इंदु प्रसाद, डीएवी सिंदरी के ए.के.सिंह, तथा डीएवी मुगूमा के एस चट्टराज थे।

विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण में 645 कंपनी अर्धसैनिक बलों की रहेगी तैनाती

रांची, एजेंसी। झारखंड विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण में 12 जिलों के 38 विधानसभा क्षेत्रों में 20 नवंबर को मतदान होना है। इसको लेकर केंद्रीय अर्धसैनिक बलों की 585 कंपनी, जैप की 60 कंपनी के अलावा जिला बल और होमगार्ड के 30 हजार जवानों को तैनात किया गया है। आईजी अभियान सह नोडल पदाधिकारी एवी होमकर ने मंगलवार को बताया कि विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण में 38 विधानसभा क्षेत्रों में चुनाव को लेकर सुरक्षा के कड़े और पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। पर्याप्त संख्या में केंद्रीय अर्धसैनिक बलों की तैनाती की गई है। झारखंड विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण की 38 सीटों के लिए 20 नवंबर को सुबह 7ः00 से शाम 5ः00 बजे तक वोट डाले जायेंगे। इस चरण में कुल 1.23 करोड़ मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे।

राज्य के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के रवि कुमार ने बताया कि मतदान वाले क्षेत्रों में चुनाव प्रचार के लिए बाहर से गये राजनीतिक नेताओं और कार्यकर्ताओं को वह संबंधित क्षेत्र के मतदाताओं को ही वहां रहने की अनुमति है। किसी भी बाहरी व्यक्ति को मतदान मत वाले क्षेत्र में नहीं रहने देने के संबंध में चुनाव आयोग का स्पष्ट आदेश है।

इसे सुनिश्चित करने के लिए संबंधित जिला प्रशासन होटल आदि की भी जांच करेंगे। बाहरी लोगों के मिलने पर वैधानिक कार्रवाई की जायेगी। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने बताया कि 20 नवंबर को स्वतंत्र, निष्पक्ष और भयमुक्त मतदान के लिए पर्याप्त संख्या में सुरक्षा बलों की तैनाती की गयी है। सभी मतदान केंद्रों की लाइव निगरानी की जायेगी। इसके लिए मतदान केंद्र के अंदर और बाहर दो कैमरे लगाये गये हैं। जिला से लेकर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय तक में वेबकास्टिंग के माध्यम से मतदान केंद्रों की लगातार निगरानी की जायेगी। उन्होंने कहा कि मतदान के दिन सभी प्रत्याशियों को मतदान केंद्र के 200 मीटर की परिधि से बाहर कैंप लगाना है। कैंप में पार्टी और प्रत्याशी से जुड़ा कोई पोस्टर, सिंबल आदि नहीं लगाना है।

इन सीटों पर होगा मतदान : राजमहल, बोरियो, बरहेट, लिट्टीपाड़ा, पाकुड़, महेशपुर, शिकारीपाड़ा, नाला, जामताड़ा, दुमका, जामा, जरमुंडी, मधुपुर, सारठ, देवघर, पौड़ेयाहाट, गोड्डा, महगामा, रामगढ़, मांडू, धनवार, बगोदर, जमुआ, गांडेय, गिरिडीह, डुमरी, गोमिया, बेरमो, बोकारो, चंदनकियारी, सिंदरी, निरसा, धनबाद, झरिया, टुंडी, बाघमारा, सिल्ली और खिजरी।

मतदान के लिए सभी पोलिंग पार्टियां हुई रवाना, सुबह 7 बजे से शाम 5 बजे तक होगा मतदान

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि

धनबाद। झारखंड विधानसभा आम निर्वाचन 2024 अंतर्गत धनबाद जिला के सभी छः विधानसभा क्षेत्र के लिए कल दिनांक 20 नवंबर को मतदान किये जाएंगे। मतदान केंद्रों के लिए सभी पोलिंग पार्टियां मतदान संपन्न कराने हेतु बाजार समिति धनबाद, राजकीय पॉलिटेक्निक धनबाद एवं राजकीय पॉलिटेक्निक निरसा से सुरक्षित रवाना हो गयी।

तीनों डिस्पैच सेंटरों में अलग अलग डेस्क बनाए गए थे ताकि मतदान केंद्र पर रवाना होने से पहले मतदान कर्मी पूरी मतदान की प्रक्रियाओं और मतदान से संबंधित निर्देशो के साथ पोलिंग बूथों पर पहुँचे। पोलिंग पार्टियों के रवाना होने के समय जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त माधवी मिश्रा द्वारा सुरक्षित व त्रुटिरहित मतदान करने का संदेश पोलिंग पार्टियों को दिया गया और कहा गया कि स्वच्छ निष्पक्ष व शांतिपूर्ण तरीके से मतदान प्रक्रिया संपन्न कराना सुनिश्चित करेंगे।

निर्वाचन कार्य को निष्पक्ष बनाये रखने के लिए माईक्रो ऑब्जर्वर, सेक्टर दण्डाधिकारियों व सेक्टर पुलिस पदाधिकारियों की

प्रतिनियुक्ति की गई है। शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं स्वच्छ मतदान हेतु सुपर जोनल दण्डाधिकारी, सुपर जोनल पुलिस पदाधिकारी एवं जोनल दण्डाधिकारी, जोनल पुलिस पदाधिकारी के रूप में पदाधिकारियों की प्रतिनुक्ति की गई है। मतदान केंद्रों में इस बार सभी मतदान केंद्रों पर वेबकास्टिंग की व्यवस्था की गई है। स्वच्छ, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण चुनाव प्रक्रिया संपन्न कराने को लेकर सभी मतदान केन्द्रों, कलस्टरों एवं इण्टरमीडिएट स्ट्रांग रूप में पर्याप्त संख्या में दण्डाधिकारी एवं पुलिस बल की तैनाती की गई है। मतदान केंद्रों में एएमएफ की व्यवस्था की गई है साथ ही दिव्यांग व वरिष्ठ मतदातओं के लिए भी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएगी। दिव्यांग मतदाताओं के व्हीलचेयर की व्यवस्था की गई है। जो मतदाता मतदान केंद्र तक पैदल आने में असमर्थ हैं या सुदूरवर्ती क्षेत्रों के मतदाताओं के लिए विशेष वाहनों की व्यवस्था की गई है। मतदाताओं की मदद के लिए वोलेंटियर्स की व्यवस्था की गई है।

मतदान को लेकर मतदान कर्मियों में भी खासा उत्साह देखा जा रहा है। मतदान कर्मी लोकतंत्र के इस महापर्व में अहम जिम्मेदारी निभाने के लिए पूरी तरह से तैयार भी है। डिस्पैच सेंटरों में सामान्य प्रेषक, जिला निर्वाचन पदाधिकारी माधवी मिश्रा, एसएसपी एच.पी.जनार्दनन, एसपी, डीएसपी, सभी आरओ समेत कई वरीय पदाधिकारी मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

बिहार में अगले 3-4 दिनों में और बढ़ेगी ठंड :19 जिलों में घने कोहरे का अलर्ट

पटना। बिहार में ठंड का असर दिखने लगा है। मौसम विज्ञान केंद्र ने आज यानी मंगलवार को 19 जिलों में घने कोहरे को लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इसमें किशनगंज, कटिहार, पूर्णिया, अररिया, मधेपुरा, सहरसा, सुपौल, समस्तीपुर, दरभंगा, मधुबनी, वैशाली, मुजफ्फरपुर, शिवहर, सीतामढ़ी, सारण, सीवान, गोपालगंज, पूर्वी और पश्चिमी चंपारण शामिल हैं। मौसम विज्ञान केंद्र के मुताबिक, राज्य में अभी पछुआ हवा चल रही है। इस वजह से सभी जिलों के तापमान में गिरावट दर्ज की जा रही है। हालांकि, अब भी तापमान सामान्य से अधिक है। अगले 3 से 4 दिनों के बाद हिमालय पर बर्फबारी शुरू होगी तो प्रदेश में ठंड बढ़ेगी। दूसरी ओर घने कोहरे के चलते 20 ट्रेनें और 7 फ्लाइट देरी से चल रही है। वहीं, बदलते मौसम के बीच राजधानी पटना, बक्सर समेत कई जिलों की हवा खराब हो गई है। पिछले 24 घंटे के दौरान पटना का वायु गुणवत्ता सूचकांक(एक्यूआई) 307 तक पहुंच गया। जो खराब श्रेणी में आता है। यह रेड जोन में भी है। विभाग ने 11 जिलों को एक्यूआई जारी किया है। डॉ. दिवाकर तेजस्वी ने लोगों से सावधानी बरतने की अपील की है। उन्होंने कहा कि एक्यूआई लेवल 300 से अधिक होने पर हवा लोगों के स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। मास्क लगाकर घर से बाहर निकलें। कार्बन मोनोऑक्साइड की अधिकता वाले वातावरण में सांस लेने से शरीर में ऑक्सीजन की मात्रा कम हो जाती है। जिससे सिरदर्द, चक्कर आना, कमजोरी, पेट खराब होना, उल्टी, सीने में दर्द की शिकायत हो सकती है।

कोईरी आक्रोश महारैली में शामिल होने की अपील :सीवान पहुंचे पूर्व केंद्रीय मंत्री नागमणि

सीवान। सीवान में सोमवार को पूर्व केंद्रीय मंत्री नागमणि पहुंचे। कोईरी आक्रोश महारैली का आयोजन किया जा रहा है। 23 फरवरी को पटना के गांधी मैदान में आयोजित होने वाले कोईरी आक्रोश महारैली में लोगों से भारी संख्या के साथ आने की अपील की गई। इस दौरान पूर्व मंत्री ने सीएम नीतीश कुमार पर भी जमकर हमला बोला। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि जनगणना में कोईरी समाज को 12 प्रतिशत की जगह चार प्रतिशत दिखाया गया है। इससे कोईरी समाज को जलील किया जा रहा है। अपमान का बदला कोईरी समाज नीतीश सरकार से लेगी और आगामी चुनाव में करारा जवाब दिया जाएगा। जब भी आंदोलन हुआ है तब ही समाज से नेताओं को बाहर निकाला जाता है। उन्हें टिकट दिया जाता है। फिर से बड़ा आंदोलन होगा जिसके बाद ही सरकार क्षेत्र की वह इतनी बड़ी आबादी होने के बाद भी हमारे समाज से कम लोगों को टिकट दिया जाता है। इस मौके पर अन्य कोई समाज के नेता व कार्यकर्ता भी मौजूद रहे। इन्होंने इस महारैली में शामिल होने के लिए जनता से अपील की है। उन्होंने कहा कि नीतीश सरकार के खिलाफ लोगों में जबरदस्त गुस्सा है और यह गुस्सा आगामी विधानसभा चुनाव में देखने को भी मिल जाएगा।

युवक की हत्या के नीयत से पहुंचे बदमाश की पिटाई :सीतामढ़ी में कनपटी पर बंदूक तानते ही दबोचा

सीतामढ़ी। सीतामढ़ी के बाजपट्टी में हत्या करने के नीयत से पहुंचे बदमाश की ग्रामीणों ने जमकर पिटाई की। हालांकि, इस दौरान दूसरा बदमाश फरार हो गया है। मिली जानकारी के अनुसार बाजपट्टी थाना क्षेत्र के मधुरापुर में सोमवार की शाम बाइक सवार दो बदमाशों ने एक व्यक्ति पर पीछा कर उसके कनपटी पर बंदूक तान दिया। ग्रामीणों की उमड़ी भीड़ ने एक बदमाशों को दबोच लिया और जमकर धुनाई कर दी। जबकि दूसरा बदमाश बाइक लेकर भागने में सफल हो गया। पकड़े गए बदमाश की पहचान परिहार थाना क्षेत्र के रामपुर महुआइन गांव निवासी जंग बहादुर राय के रूप में की गई है। बताया गया कि दोनों बदमाश बाइक पर सवार होकर गन्नौर महतो की हत्या की नीयत से काफी दूर से पीछा कर रहे थे। जब गन्नौर महतो मधुरापुर चौक स्थित दुर्गा मंदिर पहुंचा तो बदमाशों ने उसके कनपट्टी पर बंदूक तान दी। इस दौरान मौजूद ग्रामीणों की भीड़ ने एक बदमाश को दबोच लिया और जमकर धुनाई कर दी। घटना की जानकारी पुलिस को दी गई। थानाध्यक्ष सरोज कुमार के अलावा अन्य पुलिस बल मौके पर पहुंचे। गंभीर रूप से जख्मी बदमाश को लेकर इलाज को ले लिए स्थानीय सीएससी में भर्ती कराया गया। जहां स्थिति गंभीर देखते हुए उसे रेफर कर दिया गया है। पुलिस अभिरक्षा में उसका इलाज जारी है। फिलहाल, उसकी स्थिति नाजुक बनी हुई है। पकड़े गए बदमाश के पास से एक देसी कट्टा, एक जिंदा कारतूस बरामद किया गया है। फिलहाल, पुलिस अन्य बिंदुओं पर पूछताछ कर रही है। घटना के संदर्भ में थानाध्यक्ष सरोज कुमार ने बताया कि भागने वाले की पहचान की जा रही है। आगे की कार्रवाई की जा रही है।

डीजे पर डांस करने को लेकर पड़ोसी से मारपीट

मुजफ्फरपुर। गरहां थाना क्षेत्र के पटियासा गांव के वार्ड संख्या छह में सोमवार की शाम वार्ड सदस्य तिलेश्वर राम के पुत्र मुन्ना कुमार की शादी में बारात निकलने से थोड़ी ही देर पहले डीजे पर डांस करने को लेकर पड़ोसी से मारपीट हो गई। इस दौरान वार्ड सदस्य ने मारपीट की सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस राधेश्याम के पुत्र राजेश कुमार और जगदीश राम के पुत्र ललित कुमार को पूछताछ के लिए थाने ले गई। घटना को लेकर रेखा देवी सहित अन्य ने बताया कि मुन्ना की शादी थी और उसका भाई सोनू कुमार डीजे बजा रहा था।

बेगूसराय का युवा का रहा है औषधीय पौधा की खेती 2024 में 250 से अधिक मजदूरों को दिया काम

बेगूसराय। सरकार लगातार औषधीय पौधे की खेती करने और दवा बनाने के लिए प्रयास कर रही है। कोरोना काल में आयुर्वेद दवा का प्रभाव देखने के बाद भी बेगूसराय और बिहार में औषधीय पौधे पर ज्यादा स्कोप नहीं दिख रहा है। इसके बावजूद बेगूसराय के एक युवा ने ऐसा कमाल किया है कि आज वह अपने खेत में औषधीय पौधा की खेती कर रहा है। वह अपने नर्सरी में औषधीय पौधा तैयार कर राजस्थान और मध्य प्रदेश सहित अन्य राज्यों तक भेज रहा है। इसकी पहचान बेगूसराय के सुदूर बस्ती गांव छौड़ाही प्रखंड के सिहमा का निवासी कुंदन कुमार चौधरी है। कुंदन ने आयुर्वेद की शिक्षा ली और वह उस पर लगातार रिसर्च कर रहा था। लेकिन उसे औषधीय पौधा और तमाम औषधि बनाने के लिए रॉ मटेरियल बाजार से महंगे दामों पर खरीद कर लाने पड़ते थे। इसी दौरान उसे आइडिया आया क्यों नहीं खुद के खेत में औषधीय पौधा की खेती की जाए। क्यों नहीं स्थानीय लोगों को कम दामों पर उपलब्ध कराने के साथ-साथ बाजार में भी उपलब्ध कराया जाए। इसी सोच के साथ उसने शतावर की खेती शुरू कर दी। डिमांड बढ़ा तो उसने सोशल मीडिया पर इसकी चर्चा की, दूसरे जगह से भी डिमांड आने लगे। जब मांग बढ़ी तो 50 से अधिक प्रकार के औषधीय पौधा की खेती कर रहा है। ना सिर्फ खेती कर रहा है बल्कि यह सर्पगंधा, अश्वगंधा, शतावर और कालसर्प सहित अन्य पौधा अपने नर्सरी में तैयार करता है। यह पौधा राजस्थान, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश और केरल सहित अन्य राज्यों के औषधीय खेती करने वाले किसानों को सप्लाई करता है। इस बार भी उसने सतावर का डेढ़ लाख, सर्पगंधा का 80 हजार और कालसर्प का 1500 सहित पौधा सहित अन्य औषधीय पौधा की खेती की है। पशुओं को बराबर सतावर खिलाने की जरूरत पड़ती है। पहले पशुपालक बाहर से सूखा सतावर मंगवाते थे, जो महंगा और कम प्रभावी होता था। लेकिन कुंदन ने जब यहां खेती शुरू कर दी तो अब बड़ी संख्या में पशुपालक उसके खेत पर आकर हरा सतावर ले जा रहे हैं। अधिक डिमांड करते हैं तो वह पहुंचा भी देता है। कुंदन कुमार चौधरी ने बताया कि हम अपने यहां सतावर, सर्पगंधा, पिपली, अश्वगंधा, काली हल्दी, सफेद मूसली सहित सभी औषधीय पौधा की खेती करते हैं। हमारा सीड, प्रोडक्शन प्लांट और सतावर या सर्पगंधा का जड़ सहित जो भी उपयोगी भाग है उसे तैयार कर मार्केट भेजते हैं। आसपास दवा बनाने वाले को भी उपलब्ध कराते हैं। हमारे यहां का पौधा उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़, उड़ीसा, तमिलनाडु और केरल तक जाते रहता है। जहां जरूरत होता है, वहां हम उपलब्ध कराते हैं। तैयार हर्ब लोकल मार्केट के अलावा पटना और बनारस भेजते हैं। इसके अलावा भी जहां कहीं डिमांड होती है वहां भेजते हैं। एक एकड़ में नर्सरी लगाए हुए हैं। नियमित रूप से तीन लोगों को काम दिया है, 2024 में अब तक 250 से अधिक मजदूरों को काम दे चुके हैं। तीन लोग रेगुलर रहते हैं, इसके अलावा आवश्यकता के अनुरूप रखते हैं। सालाना पांच लाख रुपए की आमदनी हो रही है। मैं नर्सरी सहित इससे जुड़ा सभी काम अपने गांव छौड़ाही प्रखंड के सिहमा में ही करता हूं। लोगों को उपलब्ध कराने के अलावा दवा भी बनाकर जरूरतमंदों को देता हूं।

ठंढ शुरू होते ही शहर में बढा चोरों का आतंक : सहरसा ठंढ का मौसम शुरू होते ही शहर में चोरों का आतंक बढने लगा है। खासकर चोर गिरोह सुनसान घरों को निशाना बना रहे हैं। शहर में बढ रही चोरी की घटना को लेकर जहां लोगों में डर का माहौल बना हुआ है। वहीं पुलिस की गश्ती व्यवस्था को लेकर भी लोगों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। शहर में चोरी की घटना सदर थाना पुलिस के लिए लगातार चुनौती बनती जा रही है। रविवार की देर रात चोरों ने नया बाजार वार्ड 13 स्थित सरकारी कर्मी के घर को निशाना बनाया। चोरों ने कई गोदरेज, ट्रंक आदि तोड़ कर सामानों की चोरी किया। पीड़ित सरकारी कर्मी राजन रंजन परिवार सहित पटना में थे। जिस दौरान चोरों ने सुनसान घर देखा और मौका पाकर घर को निशाना बनाते हुए चोरी की घटना को अंजाम दिया। जिस जगह चोरी की घटना हुई वहां संभ्रांत इलाका माना जाता है। वहां आसपास बड़ी संख्या में चिकित्सकों का क्लिनिक और आवास भी है। साथ ही मुख्य चौक समीप मद्य निषेध विभाग का थाना और कार्यालय भी अवस्थित है। चोरी की घटना सुबह पता चला। जिसके बाद पटना स्थित परिजनों को घटना की जानकारी दी गई। चोरी हुए सामानों का आकलन पीड़ित गृहस्वामी का आने के बाद ही पता चलेगा। चोरों ने मुख्य दरवाजे का ताला नहीं तोड़ा था। इस वजह से सरकारी कर्मी के घर में चाहरदीवारी से कूद कर चोरों के आने और घर में चोरी की घटना को अंजाम देने की संभावना लग रही है। चोर द्वारा घर में घुसकर चार गोदरेज का आलमीरा तोड़ा। साथ ही दो ट्रंक भी तोड़ा। गोदरेज और ट्रंक का सारा सामान इधर-उधर फेंका हुआ था।

डॉक्टर ने ऑपरेशन के दौरान पेट में छोड़ा कपड़ा, डीएमसीएच में महिला की सिजेरियन डिलीवरी हुई थी

दरभंगा। डीएमसीएच के मदर एंड चाइल्ड केयर सेंटर में एक गर्भवती की सिजेरियन डिलीवरी के दौरान बड़ी लापरवाही सामने आई है। गर्भवती महिला का सिजेरियन करने के दौरान डॉक्टर ने पेट के अंदर टेट्रा (कपड़ा) छोड़ दिया। इसकी वजह से महिला के ऑपरेशन वाले हिस्से में घाव बन गया। उसकी हालत गंभीर है। इलाज के लिए डीएमसीएच के आईसीयू में भर्ती कराया गया है। दरअसल, जाले प्रखंड के कमतौल के ब्रह्मपुर पश्चिमी गांव के शिवम ठाकुर की पत्नी अंजीला (22) की डीएमसीएच में 8 अक्टूबर को सिजेरियन से डिलीवरी हुई। 14 अक्टूबर को उसे डिस्चार्ज कर दिया गया। उसके बाद से ही उसे पेट में दर्द रहने लगा। घाव सुखने की जगह बढ़ता जा रहा था और उसमें पस भर गया। रविवार को पति ने स्थानीय डॉक्टर से महिला को दिखाया। ऑपरेशन वाले हिस्से की ड्रेसिंग हुई। उस दौरान महिला के पेट से सूती कपड़े का बना टेट्रा निकला। जिसे ऑपरेशन के समय डॉक्टर खून साफ करने के लिए इस्तेमाल करते हैं। पति ने इस ड्रेसिंग का वीडियो बना लिया। जिसमें सूती कपड़े का बड़ा टुकड़ा पेट से निकालते दिख रहा है। ऑपरेशन के बाद पेट के अंदर टेट्रा छोड़ा- पति पीड़िता के पति ने डीएमसीएच के डॉक्टर्स पर लापरवाही का आरोप लगाया है। बताया कि ऑपरेशन के बाद डॉक्टर की लापरवाही की वजह से टेट्रा पेट के अंदर छूट गया। सर्जरी वाले भाग की सिलाई कर दी गई। शिवम कुमार ने वीडियो को प्रशासनिक स्तर पर भेजा है। फिलहाल उसे इलाज के लिए डीएमसीएच में ही भर्ती कराया है। मरीज की जान को बचाना हमारी प्राथमिकता- सुपरिटेंडेंट डीएमसीएच अधीक्षक अलका झा ने कहा कि ब्रह्मपुर पंचायत निवासी महिला का वीडियो वायरल हो रहा है। उसे 14 अक्टूबर को ही अस्पताल से डिस्चार्ज किया गया था।

बेकाबू पानी टैंकर ने बाइक में मारा धक्का, युवक की मौत

भागलपुर। सुल्तानगंज-मुंगेर एनएच 80 पर थाना क्षेत्र के गनगनियां-घोरघट के बीच सोमवार को एक बेकाबू पानी टैंकर ने एक बाइक को धक्का मार दिया, जिससे बाइक सवार युवक, टैंकर के नीचे आ गया और उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान अकबरनगर थाना क्षेत्र के मकंदपुर, पोस्ट-रन्नूचक मकंदपुर निवासी किसान राजीव कुमार के 33 वर्षीय पुत्र अभिषेक कुमार के रूप में हुई है। घटना की सूचना मिलते ही दुर्घटनास्थल पर काफी संख्या में लोग जुट गए। भीड़ का फायदा उठाकर पानी टैंकर चालक मौके से भागने में सफल हो गया। घटनास्थल पर मौजूद लोगों ने घटना की जानकारी सुल्तानगंज पुलिस को दी। सूचना मिलते ही सुल्तानगंज पुलिस ने बाइक और पानी टैंकर को जब्त कर थाने ले आई। मृतक युवक के पास से मिले आधार कार्ड से उसकी पहचान हुई, जिसके बाद पुलिस ने परिजनों को सूचना दी और शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी। जानकारी के अनुसार, पानी टैंकर निर्माणाधीन सड़क पर पानी छिड़कने के लिए टैंकर में पानी भरकर प्लांट से आ रहा था, और उसी दिशा से बाइक सवार भी आ रहा था। इसी दौरान टैंकर के पीछे के हिस्से से बाइक को इतनी जोरदार ठोकर मारी कि बाइक अनियंत्रित होकर टैंकर के पीछे वाले चक्के की चपेट में आ गया, जिससे युवक की घटनास्थल पर ही मौत हो गई।

भोजपुर में पिस्टल के साथ पांच बदमाश गिरफ्तार, फायरिंग के साथ रील भी बना रहे थे

आरा(भोजपुर)। भोजपुर जिले के टाउन थाना क्षेत्र अन्तर्गत पटना-बक्सर हाईवे पर सिंगही मोड़ के समीप पुलिस ने छापेमारी कर अवैध हथियार का प्रदर्शन और फायरिंग कर जन्मदिन कि पार्टी मना रहे पांच बदमाशों को रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। साथ ही पकड़े गए बदमाशों के पास से एक देसी पिस्टल, पांच कारतूस, एक मैग्जीन और चार मोबाइल जब्त किया गया है। घटनास्थल से एक खोखा भी मिला है। इसकी जानकारी भोजपुर एसपी राज ने दी। मामले में गौसगंज-गांगी निवासी अरूण कुमार, उनेश कुमार माली और रंजन कुमार सिंह के अलावा दो नाबालिगों को पकड़ा गया है। पूर्व के आपराधिक इतिहास के बारे में पता किया जा रहा है।

भारतीय न्याय संहिता और आर्म्स एक्ट के तहत प्राथमिकी की गई है। एसपी के अनुसार गौसगंज-गांगी मोहल्ला के ही एक लड़के का रविवार को जन्मदिन था। देर शाम वह हाईवे किनारे सिंगही मोड़ के पास अपने दोस्तों के साथ जन्मदिन का पार्टी मना रहा था।

60 हजार नगद भी बरामद : पार्टी के दौरान पिस्टल से फायरिंग भी कर रहे थे। रील भी बना रहे थे। सूचना मिलते ही थानाध्यक्ष देव राज राय, सेक्टर पदाधिकारी प्रमोद कुमार और दारोगा सूरज कुमार समेत अन्य अफसरों ने सशस्त्र बल के साथ छापेमारी की। घेराबंदी कर हथियार का प्रदर्शन कर फायरिंग कर रहे पांचों दोस्तों को गिरफ्तार कर

लिया गया। तलाशी के दौरान एक देसी पिस्टल, पांच कारतूस, एक मैग्जीन, चार मोबाइल जब्त और नकद 60 रुपए बरामद किए गए।

बेवजह शस्त्र का प्रदर्शन करना अपराध एसपी ने बताया कि हथियार लाइसेंसी हो या अवैध बेवजह शस्त्र का प्रदर्शन करना व फायरिंग करना अपराध की श्रेणी में आता है। इसे लेकर लगातार कार्रवाई भी की जा रही है। सभी सेक्टर पदाधिकारी को लेकर अपने क्षेत्र में गश्त कर निगरानी रखने का भी निर्देश दिया गया है। इन दिनों कम उम्र के लड़कों में तेजी से भटकाव हो रहा है। सभी अभिभावकों को भी अपने बच्चों पर ध्यान देने की जरूरत है। खासकर उसकी दोस्ती किस तरह के लड़कों के साथ है,यह भी अभिभावकों को जरूर देखना चाहिए। वरना गलत संगत के चक्कर में जेल भी जाना पड़ सकता है।

बिहार पुलिस लिखित परीक्षा में 120 स्टूडेंट ने मारी बाजी

गोपालगंज। गोपालगंज के अलग-अलग जगहों के करीब 120 छात्र छात्राओं ने बिहार पुलिस के रिटेन परीक्षा में सफलता पाई। उनके इस सफलता को लेकर शहर के मिंज स्टेडियम के पास संचालित मार्गदर्शन कॉम्पटेटिव क्लासेस ने भव्य तरीके से सम्मान समारोह आयोजित कर उनका हौसला बढ़ाया गया। इस दौरान सफल छात्र छात्राओं ने अपना अनुभव साझा करते हुए मार्गदर्शन परिवार के प्रति आभासी व्यक्त की। छात्र-छात्राओं ने कहा कि मार्गदर्शन के माध्यम से ही आज हम लोगों कुछ कर पाए है। यहां के कुशल शिक्षकों के बेहतर शिक्षा देने के कारण ही हम लोग महज ग्यारह माह में ही बिहार पुलिस का लिखित परीक्षा पास किए है।

छात्र-छात्राओं ने किया बेहतर प्रदर्शन : दरअसल, अगस्त के महीने संपन्न हुई बिहार पुलिस की लिखित परीक्षा में मार्गदर्शन परिवार के छात्र-छात्राओं ने शानदार प्रदर्शन किया है। सौ से अधिक छात्र-छात्राओं ने इस परीक्षा में उत्कृष्ट अंक प्राप्त कर पूरे क्षेत्र का नाम रोशन किया है। मार्गदर्शन कॉम्पटेटिव क्लासेस, जो कि शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी संस्थानों में से एक है। संस्था के कुशल शिक्षकों और आधुनिक शिक्षण पद्धतियों ने छात्रों को इस परीक्षा में सफल होने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

संस्थापक के निदेशक प्रभु ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा, ÷हमारे छात्रों की इस सफलता पर हमें गर्व है। यह उनकी कड़ी मेहनत और लगन का परिणाम है। हम उन्हें उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं देते हैं।÷ साथ ही उन्होंने कहा कि यहां से प्रत्येक साल भारी संख्या में छात्र छात्रा सफल हुए है। मार्गदर्शन हमेशा इसी तरह बच्चों के सपना को साकार करते रहेगा। इसको लेकर मार्गदर्शन परिवार ने एक समारोह का आयोजन किया, जिसमें सफल छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। इस दौरान छात्रों ने अपनी सफलता का श्रेय अपने शिक्षकों को दिया।

खेल कूद: लांग जम्प में मयंक राज और सोनाली रहीं अव्वल

गया। राजकीय पॉलिटेक्निक, टिकारी में चार दिवसीय खेल कूद और गैर शैक्षणिक गतिविधियों की शुरुआत सोमवार को हुआ। कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन प्राचार्य डॉ विधि लाल प्रभाकर ने फीता काट कर किया। उद्घाटन समारोह में प्राचार्य डॉ. विधि लाल प्रभाकर ने कहा कि पढ़ाई के साथ-साथ खेल कूद का आयोजन भी छात्रों के लिए आवश्यक है। छात्रों को अपने रूची के अनुसार कम से कम एक खेल में भाग लेना चाहिए। खेल-कूद से युवाओं का फिटनेस बना रहता है। कार्यक्रम के समन्वयक प्रो. विपुल रंजन और प्रो. रूपम कुमारी ने बताया कि खेल कूद न सिर्फ शारीरिक विकास के लिए बल्कि मानसिक विकास के लिए भी जरूरी है। खेल कूद से बच्चों में आत्मविश्वास भरता है और उन्हें सरल और सहज तरीके से जीवन में निर्णय लेने की क्षमता को बढ़ता है। खेल कूद से आत्मसम्मान एवं सामाजिक कौशल का भी विकास होता है। प्रो. विपुल रंजन ने बताया कि कार्यक्रम के दौरान खेल वालीबॉल, कबड्डी, बैडमिंटन, शतरंज, कैरम, लॉन्ग जंप , डिसकस थ्रो, जेवलिन थ्रो, पेंटिंग, रंगोली, लेखन, डिबेट, स्टोरी राइटिंग, क्विज का आयोजन किया जाना है।

वॉलीबॉल में राज इलेवन की टीम जीती : चार दिवसीय कार्यक्रम के दौरान पहले दिन सोमवार

को लड़के एवं लड़कियों के लिये अलग-अलग खेल का आयोजन किया गया। वालीबॉल में राज इलेवन टीम ने जीत दर्ज किया। लड़कों के सौ मीटर रेस में मयंक राज ने पहला, उत्तम कुमार ने दूसरा और निखील कुमार ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। लड़कियों के सौ मीटर की रेस में सोनल कुमारी ने पहला, काजल कुमारी ने दूसरा और मुस्कान कुमारी ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। लांग जम्प के बालक वर्ग में मयंक राज ने पहला, निखील ने दूसरा और चंदन ने तीसरा स्थान जबकि महिला वर्ग में काजल ने पहला, सोनम ने दूसरा और रिया प्रकाश ने तीसरा स्थान प्राप्त किया।

विधान परिषद उपचुनाव: तिरहुत स्नातक क्षेत्र से सीनेटर मनोज वत्स ने भरा पर्चा, कुल 18 नामांकन

सीतामढ़ी। तिरहुत स्नातक निर्वाचन छेत्र के लिए चुनाव बिहार विश्वविद्यालय के छात्र सीनेटर मनोज कुमार वत्स ने नामजदगी का परचा दाखिल किया। पर्चा भरने के बाद सम्बोधित करते हुए मनोज कुमार वत्स ने कहा कि माता सीता की जन्मभूमि सीतामढ़ी, भगवान बुद्ध कर्म स्थली और भगवान महावीर की तपस्थली मे इस चुनाव के परिणाम के बाद नयी सुबह होगी। लोगों ने राजनितिक जरता और राजनितिक जमींदारी को उखाड़ फेंकने का मन बना लिया है। सीतामढ़ी मे अंतराष्ट्रीय मानक का जानकी विश्वविद्यालय और वैशाली मे अंतराष्ट्रीय विश्वविद्यालय की स्थापना होगी। इससे महान साहित्कार रामबृक्ष बेनीपुरी की परिकल्पना साकार होगी। मनोज कुमार वत्स साल 2003 से भारतीय जनता पार्टी में हैं। श्री वत्स ने बताया कि पार्टी में वे ढाका संगठन जिला प्रभारी, मुजफ्फपुर नगर विधानसभा प्रभारी, बथनाहा विधानसभा प्रभारी, शिवहर विधानसभा समन्वयक जैसे महत्वपूर्ण दायित्वों में रहे हैं। वर्तमान में बीआरए बिहार विश्वविद्यालय में सरकार द्वारा मनोनित सीनेट सदस्य हैं। पार्टी लाइन से अलग हटकर उन्होंने विधान परिषद चुनाव लड़ने का मन बनाया। पूछने पर बताया कि तिरहुत क्षेत्र को गिरवी से निकालने के लिए चुनाव लड़ना जरूरी है। एनडीए से जदयू के

अभिषेक झा को मैदान में उतारा गया है। देवेश चंद्र ठाकुर के सीतामढ़ी सांसद बनने के बाद यह सीट खाली हुई है। बीजेपी के राजेश रंजन ने भी नामांकन दाखिल किया था।

पिछले दिनों उनका आकस्मिक निधन हो गया। नामांकन मे बिहार विश्वविद्यालय छात्र संघ के पूर्व उपाध्यक्ष डॉ. ब्रजेश कुमार शर्मा ,महंत श्याम सुन्दर दास के भतीजे डॉ. शशिरंजन कुमार, डॉ दीपक सिन्हा, विकाश शर्मा , विद्यार्थी परिषद् के पूर्व प्रमुख विभाग रविनंदन सिंह, रविभूषण झा, प्रभात कुमार, सुनील कुमार, मनोज कुमार सिंह, इंजीनियर संजीव कुमार, आदित्य कुमार,भारत भूषण पासवान, विजय तिवारी, डॉ अश्विनी सिंह, सुधीर रंजन वर्मा, इंद्रजीत सिंह, फुलदेव सिंह, रविशंकर कुशवाहा, सोनम सिद्दीकी, अधिवक्ता संजय कुमार, अधिवक्ता संजय सिन्हा समेत बड़ी संख्या में समर्थक और शुभचिंतक शामिल थे। अंतिम दिन नौ ने भरे पर्चे विधान परिषद के तिरहुत स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के उपचुनाव के लिए सोमवार को आखिरी दिन नौ अभ्यर्थियों ने नामांकन किया। पूर्व में भी नौ ने पर्चा दाखिल किया था। उपचुनाव के लिए कुल 18 अभ्यर्थियों ने नामांकन दाखिल किया है। निर्वाची पदाधिकारी सह आयुक्त तिरहुत प्रमंडल सरवणन एम. के समक्ष नामांकन पर्चा दाखिल किया।

मतदान के समय रामलला की शरण में होंगे सीएम योगी, हनुमंत लला के दरबार में भी टेकेंगे माथा

लखनऊ, एजेंसी। यूपी में उपचुनाव को लेकर राजनीतिक गहमागहमी बनी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उपचुनाव के लिए पांच दिन तक एनडीए प्रत्याशियों के समर्थन में सभाएं करके माहौल बनाया। अब सोमवार से प्रचार थम गया है। बुधवार को मतदान होना है। इस दिन सीएम योगी आदित्यनाथ रामलला के दरबार में हाजिरी लगाएंगे। प्रदेश की नौ विधानसभा सीटों पर 20 नवंबर को जब मतदान हो रहा होगा तो मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अयोध्या में मौजूद रहेंगे। वे यहां विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होंगे। जिला प्रशासन और पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी मुख्यमंत्री के आगमन की तैयारियों में जुट गए हैं।

विकास कार्यों और कानून व्यवस्था की समीक्षा करेंगे

हालांकि मुख्यमंत्री के आगमन का अभी आधिकारिक कार्यक्रम नहीं आया है। प्रशासनिक सूत्रों के मुताबिक सीएम योगी रामजन्मभूमि में रामलला के दर्शन करने के साथ हनुमानगढ़ी में हनुमंत लला के दरबार में भी माथा टेकेंगे। सीएम अयोध्या के विकास कार्यों और कानून व्यवस्था की समीक्षा बैठक भी करेंगे।

कटेहरी में थमा प्रचार, आज रवाना होंगी पोलिंग पार्टियां

कटेहरी विधानसभा उपचुनाव के लिए प्रचार सोमवार शाम पांच बजे से थम गया। मंगलवार को अकबरपुर हवाईपट्टी से 425 बूथों के लिए पोलिंग पार्टियां रवाना होंगी। इसे लेकर सोमवार को हवाईपट्टी पर सुबह से ही गहमागहमी का माहौल रहा। अधिग्रहीत वाहनों के पहुंचने का सिलसिला दिनभर चला। कटेहरी उपचुनाव में मतदान की उल्टी गिनती शुरू हो गई है। कुल 11 प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला 20 नवंबर को होगा।

एनडीए प्रत्याशियों के समर्थन में कीं सभाएं

यूपी में उपचुनाव की तो गहमागहमी है ही, साथ ही झारखंड व महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव को लेकर भी सरगर्मी बनी हुई है। तीनों चुनावों के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 13 दिन तक प्रचार किया है। इस दौरान उन्होंने 37 जनसभाएं व दो रोड शो किए। यूपी उपचुनाव में भी उन्होंने पांच दिन तक एनडीए प्रत्याशियों के समर्थन में सभाएं कीं।

संक्षिप्त समाचार

तेजस ट्रेन का ऐसा हाल, छत से टपक रहा पानी, शौचालय गंदे... चार्जिंग पॉइंट का पता नहीं, रेलवे पर झल्लाए यात्री

लखनऊ, एजेंसी। तेजस ट्रेन की छत से पानी टपक रहा। शौचालय गंदे रहते हैं। दरवाजे खराब हैं। चार्जिंग पॉइंट काम नहीं कर करते। इतनी असुविधाएं देख यात्री झल्ला उठे। उन्होंने रेलवे से इसकी शिकायत की। देश की पहली कारपोरेट ट्रेन तेजस एक्सप्रेस बदहाली का शिकार हो गई है। गंदे शौचालय, खराब दरवाजे, छतों से टपकता पानी...। अब यही तेजस की पहचान बनकर रह गए हैं। मच्छरों व गंदगी की शिकायतें भी आम हैं। शिकायतों के निस्तारण पर अफसर ध्यान नहीं दे रहे हैं।

लखनऊ जंक्शन से नई दिल्ली के बीच चलने वाली गाड़ी संख्या 82501 तेजस एक्सप्रेस के चेयरकार कोच से यात्रा कर रहे पैसेंजर अवनीश राणा ने सोमवार को सोशल मीडिया पर शिकायतें दर्ज करवाई हैं। उन्होंने बताया कि ट्रेन की बोगियों में शौचालय गंदे पड़े रहते हैं। बासी खाना परोसा जा रहा है। बोगियों में गंदगी रहती हैं। नलों से पानी नहीं आता।

थर्ड एसी बोगी में पानी संकट की शिकायत

निशा ने शिकायत की है कि तेजस की छत से पानी टपकता रहा, शिकायत पर निस्तारण भी नहीं हुआ। गाड़ी संख्या 15018 गोरखपुर एलटीटी एक्सप्रेस से यात्रा कर रहे पैसेंजर ने चार्जिंग पॉइंट खराब होने व शौचालय गंदे होने की शिकायत की है। ट्रेन नंबर 04031 रक्सौल आनंद विहार स्पेशल की थर्ड एसी बोगी से सफर कर रहे यात्री मुकेश ने बोगी में पानी संकट की शिकायत की।

कोहरे में रोडवेज बसों को दुर्घटना से बचाएगा यू, चालक और परिचालकों को दिया जा रहा प्रशिक्षण

आगरा, एजेंसी। कोहरे में रोडवेज बसों को दुर्घटना से बचाने के लिए निगम ने यू का सहारा लिया है। बसों में आगे सफेद और पीछे की तरफ लाल रंग का रिफ्लेक्टर टेप लगाया जा रहा है। सर्दी की दस्तक के साथ कोहरा छाने से परिवहन निगम इससे निपटने की तैयारी में लग गया है। कोहरे की वजह से अधिक सड़क दुर्घटनाएं होती हैं। बसों के आगे और पीछे रिफ्लेक्टर टेप से बड़ा 'यू' लिखा जा रहा है। इससे कोहरे में बस के होने का अंदाजा लग जाएगा। अभी किसी भी बस स्टैंड पर रात्रिकालीन बस सेवा पर रोक नहीं लगी है।

कोहरे की वजह से बसों की रफ्तार पर भी ब्रेक लग जाता है। एक-दो दिन से सुबह और रात को कोहरा छाने लगा है। मुरादाबाद, बरेली और देहरादून की तरफ जाने वाली बसों के चालकों को कोहरे से ज्यादा दिक्कत होती है। क्षेत्रीय प्रबंधक बीपी अग्रवाल ने बताया कि निगम और अनुबंधित मिलाकर करीब 704 बसों का संचालन किया जा रहा है।

इन सभी बसों पर आगे की तरफ सफेद और पीछे की तरफ लाल रंग का रिफ्लेक्टर टेप लगाया जा रहा है। इस टेप से बड़ा 'यू' लिखा जाएगा, जिससे कोहरे में आगे और पीछे से आने वाले वाहनों के चालकों को यह टेप दूर से चमकता नजर आएगा। इसके साथ ही ऑल वेदर बल्ब भी लगाए जा रहे हैं। यह बल्ब मौसम के हिसाब से रंग बदल लेते हैं। अभी किसी भी प्रकार की बसों में कोई कमी नहीं की गई है। हर बस स्टैंड से रात्रिकालीन बस सेवाएं जारी है।

माध्यमिक शिक्षा परिषद के 195 विद्यालयों की मान्यता पर संकट, बोर्ड परीक्षा केंद्र बनाने पर रोक

आगरा, एजेंसी। माध्यमिक शिक्षा परिषद के मंडल में करीब 190 विद्यालयों की मान्यता पर संकट बना हुआ है। जिले में इन विद्यालयों की संख्या पांच है। सभी की मान्यता संबंधी सुनवाई शासन और संयुक्त शिक्षा निदेशक कार्यालय में चल रही है। शासन के स्तर से इन्हें बोर्ड परीक्षा केंद्र बनाने पर रोक लगा दी गई है। किसी भी विद्यालय की मान्यता समाप्त करने से पहले उसकी शासन और संयुक्त शिक्षा निदेशक के स्तर से सुनवाई की जाती है। इन विद्यालयों की सूची संयुक्त शिक्षा निदेशक कार्यालय की तरफ से जारी की गई है। आगरा में 5 विद्यालयों की मान्यता की सुनवाई चल रही है। इनमें शैल राज दिगंबर जैन गर्ल्स इंटर कॉलेज, अतर सिंह इंटर कॉलेज रजौली, न्यू शेरवुड पी.इंटर कॉलेज राजपुर, चंदा देवी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय और सतीश चंद्र मेमोरियल इंटर कॉलेज के शामिल हैं। वहीं फिरोजाबाद में 10, मैनपुरी में एक, मथुरा में 4 और एटा के 170 विद्यालयों के नाम है। अधिकतर विद्यालयों की सुनवाई संयुक्त शिक्षा निदेशक कार्यालय पर अटकी है। संयुक्त शिक्षा निदेशक डॉ. आरपी शर्मा ने बताया कि मान्यता के बारे में कई विद्यालयों की सुनवाई की जा रही है। इन सभी की मान्यता के संबंध में जल्द निर्णय कर शासन को रिपोर्ट भेज दी जाएगी।

मदरसों के 37 हजार विद्यार्थियों के भविष्य पर अनिश्चितता के बादल, स्ष्ट डिग्रियों को बता चुका असांविधानिक

लखनऊ, एजेंसी। यूपी में मदरसों के 37 हजार विद्यार्थियों के भविष्य पर अनिश्चितता के बादल मंडरा रहे हैं। स्ष्ट डिग्रियों को असांविधानिक बता चुका है। सुप्रीम कोर्ट से मदरसा शिक्षा परिषद की कामिल (स्नातक) और फाजिल (परास्नातक) की डिग्री असांविधानिक घोषित होने के बाद मदरसों के करीब 37000 विद्यार्थियों के भविष्य पर अनिश्चितता के बादल मंडरा रहे हैं। इनका प्रवेश निरस्त होगा या फिर पढ़ाई जारी रहेगी, इसका जवाब फिलहाल किसी के पास नही है।

उत्तर प्रदेश मदरसा शिक्षा परिषद से करीब 16460 मदरसे मान्यता प्राप्त हैं। इनमें 560 मदरसे सरकार से आर्थिक सहायता प्राप्त हैं। इनमें मुंशी-मौलवी हाई स्कूल समकक्ष, आलिम इंटर समकक्ष, कामिल स्नातक और फाजिल परास्नातक के समकक्ष पढ़ाई होती है।

कामिल और फाजिल को यूजीसी से मान्यता नही है लेकिन मदरसा बोर्ड से मान्यता प्राप्त मदरसों में शिक्षक की नियुक्ति के लिये दोनों डिग्रियों को मान्यता दी जाती है। मौजूदा समय में कामिल में प्रथम, द्वितीय और तृतीय वर्ष में करीब 28000 छात्र-छात्राएं और फाजिल के प्रथम व द्वितीय वर्ष में 9000 विद्यार्थी हैं। बोर्ड के रजिस्ट्रार आरपी सिंह का कहना है कि शासन से निर्देश के बाद ही कुछ कहा जा सकता है।

भाषा विश्वविद्यालय से संबद्धता का शासन में लटका मामला: मदरसा बोर्ड की कामिल और फाजिल की डिग्री को ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विवि से संबद्धता कराने का मामला शासन में करीब बाई से लटका हुआ है। यह मामला 19 फरवरी 2022 में उच्च शिक्षा अनुभाग-1 के संयुक्त सचिव को भेजा गया था। सुप्रीम कोर्ट के फैसले से संबंधित प्रस्ताव शासन को भेजा गया है। इसके अलावा न्याय विभाग से भी सलाह ली जाएगी।

-जे रीभा, निदेशक अल्पसंख्यक कल्याण

शादी में सात फेरों के बाद आठवां वचन भी हो रहा जरूरी, प्रदेश में बढ़ा विवाह पंजीकरण का ट्रेंड

लखनऊ, एजेंसी। शादी के लिए सात फेरे ही काफी नहीं हैं। आज के युवा अग्नि के सामने सात वचन लेने के बाद आठवें वचन के रूप में अदालत जा रहे हैं और अपनी शादी को कानूनी मान्यता देने के लिए पंजीकरण करा रहे हैं। इसी का परिणाम है कि प्रदेश में शादी का पंजीकरण कराने को लेकर यूपी के युवाओं में जागरूकता बढ़ी है। पिछले आठ साल में प्रदेश में शादी के पंजीकरण में ढाई गुना वृद्धि हुई है। जबकि इसी अवधि में शादी निरस्त कराने वालों की भी संख्या में पांच गुना वृद्धि हुई है। इस साल अब तक 83000 जोड़े पंजीकरण करा चुके हैं। रोचक बात ये है कि पति का विदेश दौरा करने से पहले शादी का पंजीकरण कराने वालों की संख्या सबसे ज्यादा है। शादी के गठबंधन को ज्यादा मजबूत करने का माध्यम विवाह पंजीकरण बनता जा रहा है। यूपी में शादी के एक वर्ष के अंदर 70 फीसदी लोग पंजीकरण करा रहे हैं। 20 फीसदी लोग शादी के दस वर्ष के अंदर पंजीकरण कराने आ रहे हैं। दस वर्ष के बाद शादी का पंजीकरण कराने वालों की संख्या 10 फीसदी है। इसमें भी तीन फीसदी लोग ऐसे हैं, जिन्होंने शादी के 20 वर्ष बाद पंजीकरण कराया। 10 वर्ष के बाद शादी का पंजीकरण कराने वालों में करीब आधी संख्या ऐसे जोड़ों की है, जो अकेले या साथ में विदेश जा रहे हों। पिछले साल पहली बार इस पंजीकरण ने एक लाख का आंकड़ा पार किया।

कोहरे के साथ प्रदेश में लौट सकती है धुंध, पछुआ हवाएं खुद हुईं प्रदूषित, तापमान में भी आएगा अंतर

लखनऊ, एजेंसी। राजधानी लखनऊ में मंगलवार से कोहरे के साथ ही फिर से धुंध की वापसी के हालात बन रहे हैं। जिन पछुआ हवाओं के असर से कोहरा और धुंध छंटने की उम्मीद थी, वो खुद प्रदूषित हो गई हैं। ऐसे हालात में लोगों को अपनी सेहत के प्रति सतर्क रहने की जरूरत है। मौसम विभाग का कहना है कि लाहौर में वायु गुणवत्ता सूचकांक 2000 तक पहुंचने का असर सोमवार को दिल्ली में दिखा। दिल्ली में भी एक्यूआई 500 पार कर गया। पश्चिमोत्तर की हवा लखनऊ में भी असर दिखाएगी। हालांकि सोमवार को दिन में 15 से 18 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चली पछुआ के असर से धुंध थोड़ी कमजोर पड़ी। बीबीएयू, गोमतीनगर और कुकरैल जैसे इलाकों में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) में सुधार देखने को मिला। सुबह कोहरा भी कम घना रहा। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह का कहना है कि लखनऊ में मंगलवार से कोहरा बढ़ने के साथ ही अधिकतम तापमान में मामूली गिरावट हो सकती है। वहीं रात के तापमान में मामूली बढ़ोतरी के आसार हैं। दिन के पारे में गिरावट से ठंड का असर बढ़ेगा। सोमवार को लखनऊ में अधिकतम तापमान 0.4 डिग्री की मामूली बढ़त के साथ 30.6 डिग्री और न्यूनतम तापमान 0.5 डिग्री की बढ़त के साथ 15.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

रेलवे ने जारी किए नियम

वंदेभारत में नहीं घुस सकेंगे यात्री को छोड़ने वाले लोग, गेट तक ही उनकी एंट्री

लखनऊ, एजेंसी। वंदेभारत एक्सप्रेस की बोगियों में अब यात्रियों को स्टेशन पर छोड़ने आने वाले नहीं घुस सकेंगे। एक घटना को देखते हुए रेलवे बोर्ड ने इस बाबत एडवाइजरी जारी की है। कानपुर के रास्ते दिल्ली जाने वाली 22415 वाराणसी-नई दिल्ली वंदेभारत एक्सप्रेस में 17 नवंबर को बेटे को छोड़ने पहुंचे पिता रामविलास यादव ऑटोमेटिक दरवाजा बंद होने से बोगी सी-6 में ही कैद हो गए।

इस वजह से उन्हें दिल्ली तक जाना पड़ा। जुर्माना समेत 2,870 रुपये देने पड़े। इसमें टिकट की कीमत 1830 रुपये शामिल रही। रेलवे बोर्ड ने एडवाइजरी जारी कर कहा है कि वंदेभारत में यात्रियों को छोड़ने आने वाले प्लेटफॉर्म पर ही रुकें। ऑटोमेटिक दरवाजे बंद होने पर उन्हें अगले स्टेशन पर ही खोला जा सकता है। ऐसा न हो इसके लिए चारबाग रेलवे स्टेशन पर भी यात्रियों को जागरूक किया जा रहा है।

दिल्ली-लखनऊ के बीच एक फेरे के लिए आज विशेष ट्रेन

दिल्ली-लखनऊ रेल रूट पर यात्रियों के दबाव को देखते हुए रेलवे मंगलवार को दिल्ली-लखनऊ के बीच विशेष ट्रेन चलाएगा। 04216 दिल्ली-लखनऊ विशेष ट्रेन दिल्ली से सुबह पांच बजे चलेगी। इसके बाद 5:46 बजे गाजियाबाद, 8:15 बजे मुरादाबाद, 9:51 बजे बरेली आएगी। यहां से चलने के बाद 11 बजे शाहजहांपुर और दोपहर 2:30 बजे लखनऊ पहुंचेगी। ट्रेन में वातानुकूलित और स्लीपर श्रेणी के कोच लगाए गए हैं।

डबलडेकर समेत कई ट्रेनें घंटों लेट

ट्रेनों की लेटलतीफी यात्रियों को परेशान कर रही है। गाड़ी संख्या 12,584 डबलडेकर एक्सप्रेस एक घंटे तक आलमनगर आउटर पर खड़ी रही। 15744 फरक्का एक्सप्रेस सोमवार को दिलकुशा आउटर पर खड़ी रही। 15127 काशी विश्वनाथ एक्सप्रेस व 12876 नीलांचल एक्सप्रेस पांच घंटे तक लेट हुई। ट्रेन नंबर 22121 मुंबई लखनऊ एसी सुपरफास्ट एक्सप्रेस सोमवार को 12 घंटे की देरी से पहुंची।

निस्तारण के लिए गया भेजा

सोशल मीडिया पर आने वाली शिकायतों के तत्काल निस्तारण के लिए संबंधित विभाग को भेज दिया जाता है। रेलखंड पर मरम्मत कार्य के चलते ट्रेनें देरी की शिकार हो रही हैं।– पंकज कुमार सिंह, सीपीआरओ, पूर्वोत्तर रेलवे

सपा विधायक के घर कुर्की

साइकिल, कुर्सी, मेज के साथ कटोरी- चम्मच भी उठा ले गई पुलिस, इस मामले में हुई कार्रवाई

भदोही, एजेंसी। भदोही में सपा विधायक जाहिद बेग के आवास पर सोमवार को पहुंची पुलिस द्वारा घरेलू सामानों की कुर्की की कार्रवाई की गई। विधायक की फरार पत्नी के कोर्ट में हाजिर न होने पर कोर्ट ने कुर्की का आदेश दिया था।

भदोही के सपा विधायक जाहिद जमाल बेग के मालिकाना मोहल्ले स्थित आवास पर पहुंची पुलिस ने सोमवार को कुर्की की कार्रवाई की। टीम ने विधायक आवास में रखे घरेलू सामनों की कुर्की की। विधायक की पत्नी सीमा बेग के फरार होने और नोटिस के बाद भी उपस्थित न होने पर कोर्ट ने कुर्की का आदेश दिया था। टीम देर शाम तक कुर्की की कार्रवाई चलती रही।

फंदे से लटककर नौकरानी ने दी थी जान: सपा विधायक के मालिकाना मोहल्ले स्थित मकान के तीसरे मंजिल के एक कमरे में आठ सितंबर 2024 को नौकरानी नाजिया ने फंदा लगाकर जान दे दी थी। मामले में पुलिस ने विधायक जाहिद बेग के साथ उनकी पत्नी सीमा बेग और बेटे जईम बेग पर बाल श्रम, बंधुआ मजदूरी, आत्महत्या के लिए उकसाने सहित अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज किया। पुलिस ने विधायक के बेटे को गिरफ्तार कर लिया। जिसके बाद सपा विधायक ने कोर्ट में आत्मसमर्पण किया।

संपादकीय

दिल्ली में हवा हुई जहरीली

सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली सरकार को कड़ी फटकार लगाते के कहा जब तक हम आदेश जारी नहीं करेंगे तब प्रतिबंध जारी रहेंगे। सोमवार को दिल्ली में हवा और जहरीली स्तर पर पहुँच गई थी। दिल्ली में बढ़ते प्रदूषण को देखते हुए ग्रैप-4 की पाबंदियां लागू कर दी गई हैं। इन पाबंदियों के कारण अब बड़े वाहनों की एंट्री पर भी रोक लगने जाएगी। सभी स्कूलों को बंद करने के आगामी आदेश तक बंद करने के भी निर्देश दिए हैं। देश की राजधानी होने के बावजूद दिल्ली की हवा हर अगले वर्ष जिस हालत में जा रही है, उससे साफ है कि यहां इस समस्या पर काबू पाने के सरकारी दावे सिर्फ हवा-हवाई साबित हो रहे हैं।

गौरतलब है कि दिल्ली में प्रदूषण एक बार फिर इस स्थिति में पहुंच चुकी है कि यह न केवल देश के भीतर, बल्कि अंतरराष्ट्रीय चिंता का भी विषय बन गया है। गुरुवार को समूचे राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र की हवा और जहरीली हो गई और लोगों के लिए सांस लेना तक मुश्किल हो गया। दिल्ली के कई इलाकों में वायु गुणवत्ता सूचकांक साढ़े चार सौ के पास यानी 'गंभीर' श्रेणी में दर्ज किया गया। स्थिति की गंभीरता का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि अजरबैजान के बाकू में चल रहे जलवायु सम्मेलन में भी दिल्ली के प्रदूषण के मसले पर विशेषज्ञों ने चिंता जाहिर की। यह स्थिति तब है, जब इस मौसम में यानी ठंड की आहट के साथ ही दिल्ली के ज्यादातर लोगों को हर वर्ष धुंध, धुएं की चादर और हवा में विषाक्त तत्त्वों के घुलने की वजह से बहुस्तरीय मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। पिछले कई वर्षों से दिल्ली में लगातार यही तस्वीर बनी हुई है कि दिवाली और ठंड की आहट के साथ ही प्रदूषण इस कदर बढ़ने लगता है कि कई स्तरों पर आम जनजीवन तक बाधित होने लगता है। एक ओर वायुमंडल के घनीभूत होने की वजह से हवा ऊपर नहीं उठ पाती, दूसरी ओर ज्यादातर लोगों को अपने रोजमर्रा के कामों में से वैसे काम कम से कम कुछ दिन रोक देना जरूरी नहीं लगता, जिसकी वजह से हवा में प्रदूषण तत्त्व घुल जाते हैं। हालांकि इसका खमियाजा उन्हें ही उठाना पड़ता है। अब एक बार फिर हालत हो चली है कि दिल्ली में सरकार को 'ग्रैप 3' स्तर की पाबंदियां लगानी पड़ी है। इसके तहत कई स्तर पर निर्माण कार्यों पर रोक के साथ-साथ वैसे वाहनों को यहां चलने की इजाजत नहीं दी जाएगी, जिनसे प्रदूषण की समस्या गहराने की आशंका हो। पांचवीं कक्षा तक के बच्चों के लिए फिलहाल स्कूल भी बंद कर दिए गए हैं, हालांकि उनकी आनलाइन पढ़ाई जारी रहेगी। सवाल है कि जब हर वर्ष इन महीनों के दौरान दिल्ली में यह स्थिति पैदा हो जाती है तब सरकार को समय रहते पहले से ऐसे इंतजाम करना जरूरी क्यों नहीं लगता, जिससे अचानक ही आपात स्थिति की तरह प्रदूषण की रोकथाम के उपाय करना या विशेष नियम लागू करने की जरूरत पड़ जाती है। आखिर कृत्रिम वर्षा तक की जरूरत बताने की नौबत क्यों आती है? यह समस्या बढ़ कर अब संकट की शक्ल ले चुकी है, मगर सरकार को अब भी दिल्ली की हवा में जहर घुलने के कारकों की ठीक-ठीक पहचान करना और उस पर काबू पाने के लिए पूर्व-इंतजाम करना जरूरी नहीं लगता है। बहुत सारे लोगों के बीच सुविधाओं के इस्तेमाल को लेकर जितनी सक्रियता दिखती है, उतनी ही संवेदनशीलता स्वास्थ्य को दुरुस्त रखने के लिए प्रदूषण पर काबू रखने में अपनी सहभागिता को लेकर नहीं दिखाई देती।

राज्य सरकारों के बुलडोजर एक्शन को गलत बताते हुए सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस बीआर गवई ने दो टूक कहा है कि जो सरकारी अधिकारी कानून को अपने हाथ में लेते हैं और इस तरह से अत्याचार करते हैं, उन्हें जवाबदेह बनाया जाना चाहिए। अगर कार्यपालिका किसी व्यक्ति का मकान केवल इस आधार पर गिराती है कि वह आरोपी है, तो यह कानून के शासन का उल्लंघन है। क्योंकि एक घर होना एक ऐसी लालसा है जो कभी खत्म नहीं होती। हर परिवार का सपना होता है कि उसका अपना एक घर हो। महिलाओं और बच्चों को बेघर होते देखना सुखद दृश्य नहीं है। इसलिए सर्वोच्च न्यायालय ने विभिन्न राज्य सरकारों द्वारा घर/दुकान व अन्य निजी संपत्तियां ध्वस्त किए जाने से जुड़े नियम तय किए हैं।

बुलडोजर न्याय पर 'सुप्रीम रोक' के श्वेत और स्याह पक्ष को ऐसे समझिए

(कमलेश पांडे)

सर्वोच्च अदालत ने सख्त लहजे में कहा है कि कार्यपालिका, न्यायपालिका की जगह नहीं ले सकती। क्योंकि न्यायिक कार्य न्यायपालिका को सौंपे गए हैं। इसलिए कार्यपालिका अपने मूल कार्य को करने में न्यायपालिका की जगह नहीं ले सकती।

राज्य सरकारों के बुलडोजर एक्शन को गलत बताते हुए सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस बीआर गवई ने दो टूक कहा है कि जो सरकारी अधिकारी कानून को अपने हाथ में लेते हैं और इस तरह से अत्याचार करते हैं, उन्हें जवाबदेह बनाया जाना चाहिए। अगर कार्यपालिका किसी व्यक्ति का मकान केवल इस आधार पर गिराती है कि वह आरोपी है, तो यह कानून के शासन का उल्लंघन है। क्योंकि एक घर होना एक ऐसी लालसा है जो कभी खत्म नहीं होती। हर परिवार का सपना होता है कि उसका अपना एक घर हो। महिलाओं और बच्चों को बेघर होते देखना सुखद दृश्य नहीं है। इसलिए सर्वोच्च न्यायालय ने विभिन्न राज्य सरकारों द्वारा घर/दुकान व अन्य निजी संपत्तियां ध्वस्त किए जाने से जुड़े नियम तय किए हैं।

सर्वोच्च अदालत ने सख्त लहजे में कहा है कि कार्यपालिका, न्यायपालिका की जगह नहीं ले सकती। क्योंकि न्यायिक कार्य न्यायपालिका को सौंपे गए हैं। इसलिए कार्यपालिका अपने मूल कार्य को करने में न्यायपालिका की जगह नहीं ले सकती। राज्य और उसके अधिकारी मनमाने और अत्यधिक उपाय नहीं कर सकते। जब राज्य द्वारा मनमानी आदि के कारण अभियुक्त/दोषी के अधिकारों का उल्लंघन किया जाता है, तो प्रतिपूर्ति होनी चाहिए। जो सरकारी अधिकारी कानून को अपने हाथ में लेते हैं और इस तरह से अत्याचार करते हैं, उन्हें जवाबदेह बनाया जाना चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट ने आगे कहा है कि कार्यपालिका किसी व्यक्ति को दोषी नहीं ठहरा सकती। अगर केवल आरोप के आधार पर वह उसका घर गिरा देती है, तो यह कानून के शासन के मूल सिद्धांत पर आघात होगा। कार्यपालिका न्यायाधीश बनकर किसी आरोपी की संपत्ति को गिराने का फैसला नहीं कर सकती। कार्यपालिका के हाथों की ज्यादतियों से कानून के सख्त हाथ से निपटना होगा। हमारे संवैधानिक मूल्य सत्ता के ऐसे किसी भी दुरुपयोग की अनुमति नहीं देते। इसे न्यायालय द्वारा बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। ऐसे मामलों में, कार्यपालिका कानून को अपने हाथ में लेने और कानून के शासन के सिद्धांतों को दरकिनार करने की दोषी होगी। अनुच्छेद 19 के अनुसार आश्रय के अधिकार को मौलिक अधिकार माना गया है।

इससे स्पष्ट है कि 'बुलडोजर जस्टिस' पर सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में सात बड़ी बातें कही है, जो निम्नलिखित हैं- पहला, कार्यपालिका, न्यायपालिका नहीं बन सकती। दूसरा, बिना उचित प्रक्रिया के आरोपी के घर को ध्वस्त करना असंवैधानिक है। तीसरा, दोषी ठहराए जाने पर भी उसकी संपत्ति को नष्ट नहीं किया जा सकता। चतुर्थ, मुकदमे से पहले आरोपी को दंडित नहीं किया जा सकता। पंचम, नगरपालिका कानूनों के लिए भी कानून का अनुपालन अनिवार्य है। छठा, लोगों को ध्वस्तीकरण नोटिस का जवाब देने और उसे चुनौती देने के लिए पर्याप्त समय दिया जाना चाहिए। सातवां, अगर अधिकारी कुछ समय पहले उनकी मदद कर दें तो कोई आसमान नहीं टूट पड़ेगा।

यहां तक तो ठीक है, पर सीधा सवाल है कि जब किसी भी प्रकार के संगठित अपराध को रोकने के लिए सिविल प्रशासन के समक्ष त्वरित फैसले लेने व सख्त निर्णय करने की जरूरत होती है, तो इस प्रकार उसके हाथ बांधना क्या उचित है। दूसरा सवाल यह है कि पुलिस एनकाउंटर से लेकर बुलडोजर न्याय तक की प्रशासनिक प्रक्रिया पर न्यायपालिका में जैसे-जैसे सवाल उठाए जा रहे हैं और उनके मुताल्लिक जो-जो स्थगनादेश/न्यायदेश आ रहे हैं, क्या वह उचित है? जनता के व्यापक हित में है? शांति-व्यवस्था स्थापित करने में सक्षम है! तो जवाब होगा- बिल्कुल नहीं।

भारतीय न्यायपालिका के समक्ष लायी जाने वालीं लक्षित जनहित याचिकाओं पर एक के बाद एक आये स्थगनादेश/न्यायादेश समकालीन चिंता ही नहीं, बल्कि राष्ट्रीय विमर्श का भी विषय बन चुके हैं। क्योंकि ऐसा करने वालों के विचार और लक्ष्य अलग अलग होते हैं, जिसकी बारीक मीडिया पड़ताल जरूरी है। इस बात में कोई दो राय नहीं कि बेहतर शासन व्यवस्था बदलते वक्त की अनिवार्य मांग है जिसे कायम रखने में मौजूदा कानून व्यवस्था विफल प्रतीत होती आई है। लिहाजा, बेहतर तो यही होगा कि हरेक समसामयिक मुद्दे पर जनमत सर्वेक्षण करवाकर लोगों की स्पष्ट राय भी जान ली जाए, क्योंकि हरेक अच्छे या बुरे फैसले से सबसे ज्यादा उनकी ही तकदीर और तदबीर प्रभावित होती है।

यह कौन नहीं जानता कि एक तरफ कुछ लोग और उनका समूह कतिपय कानून की आड़ लेकर, एनजीओ या जनहित याचिका का सहारा लेकर सिस्टम और उसकी लोकोपकारी व्यवस्था को तबाह किये हुए हैं, क्योंकि उनका लक्ष्य कुछ और होता है और साधन कुछ और। इसलिए इन्हें अंतर्राष्ट्रीय मदद भी आसानी से मिल जाती है और आंतरिक मदद लेने में ये माहिर होते हैं। वहीं दूसरी तरफ जब ऐसे लोगों को सबक सिखाने के लिए प्रशासन अपनी दृढ़इच्छा शक्ति प्रदर्शित करता है तो उसे कभी मानवीयता का पाठ पढ़ाया जाता है तो कभी उच्च न्यायिक आदर्शों व प्रतिमानों का। क्योंकि हरेक मुद्दे को लेकर ये कोर्ट पहुंच जाते हैं। आप गौर करेंगे तो पाएंगे कि समान पृष्ठभूमि वाले मुद्दों/मामलों में इनकी भूमिका और विचार अलग अलग देखे जाते हैं, जिसे न्यायोचित नहीं ठहराया जा सकता है। इसलिए जैसे को तैसा की तर्ज पर यदि प्रशासन सक्रिय नहीं होगा तो सत्ता संरक्षित अपराध करने वालों, नक्सलियों-आतंकियों-अंडरवर्ल्ड के स्लीपर सेल के रूप में काम करने वालों, इसकी आड़ में तस्करी, फिरौती का धंधा करने वालों को नियंत्रित करना मुश्किल होगा।

आप मानें या न मानें, लेकिन यूपी की सुधरती कानून व्यवस्था के पीछे पुलिस एनकाउंटर से लेकर बुलडोजर न्याय का बहुत बड़ा हाथ है। अब अपराधियों के मन में दहशत है कि यदि गलत किये तो जान भी जा सकती है और घर भी। चूंकि सबको अपने परिवार से प्रेम रहता है, इसलिए कोई नहीं चाहेगा कि उसकी करतूतों से उसका परिवार सड़क पर आ जाए। लेकिन हत्याओं और दंगों को रोकने और पीड़ितों को त्वरित न्याय देने/दिलवाने में विफल भारतीय न्यायिक व्यवस्था अब जिस तरह से पुलिस एनकाउंटर और बुलडोजर न्याय पर दिशा निर्देश दे रही है, उससे वह कार्यपालिका हतोत्साहित होगी, जिसने बेहतर परिणाम दिए हैं। यह रेयर ऑफ द रेयरेस्ट कार्रवाई हुई है और इसे बंद करने के आपराधिक दुष्परिणाम भी सामने आ सकते हैं।

वहीं, इस अहम मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट ने जो दिशा निर्देश जारी किए हैं, उससे तो यही प्रतीत होता है कि हमारी न्यायपालिका, कार्यपालिका के हाथ सिर्फ इसलिए बांधे रखना चाहती है कि सम्बन्धित विषय उसके समक्ष न्याय के लिए उठाया गया है, लिहाजा वह न्याय देने की प्रक्रिया में सम्बन्धित विषयों/निर्णयों के तमाम व्यवहारिक पहलुओं को नजरअंदाज करते हुए सिर्फ आदर्शवादी फैसले दे देती है। इससे जहां कुटिल सियासतदानों और खल प्रवृत्ति वाले समाजसेवियों के हौसले बढ़ते हैं।

सीधा सवाल है कि जब किसी व्यक्ति की हत्या करने के वक्त या सामाजिक दंगा-फसाद करने के वक्त अपराधी कुछ नहीं सोचते और भारी जानमाल की क्षति कर जाते हैं, तो फिर उनपर त्वरित कार्रवाई करने के लिए एक पल का भी इंतजार क्यों? बेहतर तो यह होता कि वहीं पर मोबाइल कोर्ट बैठती और तुरंत आदेश जारी करती कि ऐसे दोषियों को समाज में रहने का अधिकार नहीं है, इन्हें तुरंत शूट आउट किया जाए। इसके संरक्षकों की पहचान की जाए और उसे भी कठोर सजा मिले। भारत में अपराध को रोकने के लिए कुछ सख्त कदम उठाने ही पड़ेंगे, क्योंकि अमन की गंगा-यमुना में बहुत पानी बह चुका है।

मेरी स्पष्ट राय है कि सुप्रीम कोर्ट ने देश में बढ़ते 'बुलडोजर न्याय' पर जो रोक लगा दी है, उस पर पुनर्विचार करे। भले ही अदालत ने इसे संविधान द्वारा प्रदत्त नागरिक अधिकारों का उल्लंघन बताते हुए कहा कि किसी भी आरोपी को बिना मुकदमा चलाए सजा देना अनुचित है, लेकिन वह खुद शोध करके बताए कि हिंसा को रोकने में पिछले सात दशक की उसकी उपलब्धि क्या है? भारत के आमलोग तरह-तरह की हिंसा-प्रतिहिंसा झेलते रहे, प्रशासन तमाशबीन और मूकदर्शक बना रहा और न्यायपालिका भी खामोश रही! क्या वह तमाम समाचारों से नावाकिफ रहती है? उसे त्वरित संज्ञान लेना चाहिए और प्रशासन को स्पष्ट दिशा निर्देश देने चाहिए कि हत्या और दंगा जैसे जघन्य अपराध पर तुरंत कार्रवाई हो। ऐसे मामलों में सख्त सजा देने में एक सप्ताह का समय भी काफी अधिक होता है। हमारी न्यायपालिका यह कैसे कर पाएगी, उसके उपाय ढूंढे और वित्त की कमी का रोना न रोए।

कहना न होगा कि सुप्रीम कोर्ट ने 'बुलडोजर न्याय' पर जो प्रभावी रोक लगाई है, वह अपराधियों पर नियंत्रण का एक साधन बनती जा रही थी, लेकिन अब इसे कानूनी प्रक्रिया के खिलाफ माना गया है। इससे अपराधियों के हौसले फिर बढ़ेंगे। भले ही देश के अलग-अलग हिस्सों में शुरू हुए 'बुलडोजर न्याय' के नए चलन में निहित खतरों को देखते हुए सुप्रीम कोर्ट ने इस पर प्रभावी रोक लगा दी है, लेकिन इस रोक के श्वेत और श्याम पक्ष को देख लिया गया होता तो बेहतर होता। इस संबंध में आया सर्वोच्च अदालत का फैसला निश्चित रूप से सख्त फैसलों की श्रेणी में रखा जाएगा, लेकिन यह सख्ती कितनी जरूरी थी, यह वक्त बताएगा। आपराधिक आंकड़े चुगली करेंगे। बुलडोजर न्याय के मामले की गंभीरता का अंदाजा इस बात से भी लगाया सकता है कि एक बार ध्वस्तीकरण की कार्रवाई शुरू होने के बाद यह चलन तेजी से फैलता जा रहा था। एक के बाद एक भाजपा शासित विभिन्न राज्यों में इसे अपराधी तत्वों पर अंकुश लगाने का एक कारगर तरीका समझा जाने लगा था। हालांकि, इसे गलत और मान्य कानूनी प्रक्रिया के खिलाफ बताने वाले भी कम नहीं थे, पर उनकी संख्या कम थी। लेकिन न केवल आम लोगों के एक हिस्से में इसके प्रति गहरा समर्थन देखा जा रहा था बल्कि प्रशासनिक हलकों में भी इसके बचाव में कई तरह की दलीलें दी जा रही थीं। इन सबसे असमंजस के हालात बने हुए थे, जो न्यायिक निर्देश के बाद स्पष्ट हो गए।

इराक-ईरान युद्ध की कैसे हुई शुरुआत

(मृत्युंजय कुमार राय)

9/11 के आतंकवादी हमलों के बाद अल कायदा और तालिबान के खिलाफ अफगानिस्तान में अमेरिकी जंग के बाद दुनिया ने आईएसआईएस का उपद्रव देखा। इस्लामिक आतंकवाद के इस दौर से पहले श्रीलंका में लिट्टे ने कोहराम मचा रखा था और कम ही लोगों को याद होगा कि आत्मघाती हमले इसी संगठन की देन हैं। लेकिन आतंकवाद का साया दुनिया पर काफी पहले से रहा है, भले ही समय के साथ उसका चेहरा किरदार लाए गए हैं, उससे यह किसी रोमांचक फिक्शन से कम नहीं लगती। इसमें ट्रेवर लॉक नाम के एक पुलिस कॉन्स्टेबल का जिक्र है, जो एंबेसी की रक्षा में तैनात थे। वह ड्यूटी के दौरान जब चाय लेने गए, तभी आतंकवादी एंबेसी का दरवाजा तोड़कर अंदर घुस आए। आतंकियों ने ट्रेवर को भी बंधक बना लिया था। इस दौरान उन्हें हमेशा यह डर सताता रहा कि कहीं उनके पास जो हथियार है, वह आतंकवादियों की नजर में न आ जाए। बंधकों को छुड़ाने के लिए आतंकवादियों से

बेन मैकिनटायर की किताब The Siege' में एक ऐसी घटना के बारे में लिखा गया है, जो अस्सी के दशक की शुरुआत की है। 1980 के अप्रैल में लंदन स्थित ईरान की एंबेसी में आतंकवादी घुसे और 26 लोगों को बंधक बना लिया। इससे एक साल पहले ही ईरान में इस्लामिक क्रांति हुई थी, जिससे वहां कट्टरपंथी सत्ता में आए और आज तक वहां गद्दीनशीन हैं। उससे इस हमले का नाता यह था कि एंबेसी में लोगों को बंधक बनाने वाले एक ऐसे उग्रवादी संगठन के सदस्य थे, जो ईरान में अरबों के लिए अलग देश चाहता था।

बदलता गया हो। बेन मैकिनटायर की किताब 'ञद्धद्ग स्द्बद्गद्दद्ग' में एक ऐसी घटना के बारे में लिखा गया है, जो अस्सी के दशक की शुरुआत की है। 1980 के अप्रैल में लंदन स्थित ईरान की एंबेसी में आतंकवादी घुसे और 26 लोगों को बंधक बना लिया। इससे एक साल पहले ही ईरान में इस्लामिक क्रांति हुई थी, जिससे वहां कट्टरपंथी सत्ता में आए और आज तक वहां गद्दीनशीन हैं। उससे इस हमले का नाता यह था कि एंबेसी में लोगों को बंधक बनाने वाले एक ऐसे उग्रवादी संगठन के सदस्य थे, जो ईरान में अरबों के लिए अलग देश चाहता था। यह घटनाक्रम कोई हफ्ते भर चला और यह एंबेसी में ब्रिटेन की स्पेशल एयर सर्विस (एसएएस) के घुसने के साथ खत्म हुआ।

एसएएस से आज विदेशी सिनेमा और सीरियल्स के जरिये दुनिया वाकिफ है, लेकिन ब्रिटेन के इस खास दस्ते के बारे में तब बहुत कम लोग जानते थे। एसएएस को दूसरे वर्ल्ड वॉर में नाजियों के हवाई जहाजों को गुपचुप तरीके से उनके इलाके में घुसकर तबाह करने के लिए बनाया गया था। खैर, बेन मैकिनटायर की किताब उस घटना के बहाने पश्चिम एशिया की राजनीति से भी रीडर्स को वाकिफ कराती है। वही पश्चिम एशिया जहां आज भी एक युद्ध चल रहा है।

यह किताब नॉन-फिक्शन है, लेकिन जिस खूबसूरती के साथ इसमें घटना के बातचीत की खातिर वहां भेजे गए फ्रेड लुफ एक और किरदार हैं। वह इस पूरे घटनाक्रम से इतने परेशान हो गए कि उन्हें वापस बुलाना पड़ा। बाद में वह अफ्रीका चले गए और ईसाई धर्म का प्रचार करने लगे। इन आतंकवादियों के बारे में दिलचस्प बात यह थी कि उन्हें ईरान के शाह से भी शिकायत थी, जिन्हें हटाकर कट्टरपंथी सत्ता में आए थे। वहीं, वे कट्टरपंथी शासकों को भी नापसंद करते थे। मैकिनटायर बताते हैं कि उन्हें इराक के सद्दाम हुसैन की शह मिली हुई थी। ईरान-इराक युद्ध की शुरुआत इस घटना से मानी जा सकती है। युद्ध इसके कुछ ही महीने बाद शुरू हुआ था। किताब में लिखा है कि पश्चिम एशिया में जियो-पॉलिटिक्स और आतंकवाद का तब जितना गहरा नाता था, आज भी उतना ही है।

ब्रिटेन में 1953 में महारानी की ताजपोशी के बाद एंबेसी की इस घटना ने मीडिया का सबसे बड़ा जमावड़ा देखा। उनके पास बेहद महंगे पोर्टेबल फोन और सैटेलाइट फोन थे। एक और बात के लिए इस घटना को याद किया जाता है। दरअसल, एसएएस की तब अखबारों और दूसरे मीडिया माध्यमों में खूब चर्चा हुई। ब्रिटिश एजेंसी के लिए यह कोई अच्छी बात नहीं थी क्योंकि वह खुफिया तरीके से काम करने के लिए बनाई गई थी और इस घटना के बाद यह मुमकिन नहीं रहा। ऊपर व्यक्त विचार लेखक के अपने हैं।

अब कनाड़ा में खालिस्तान बनने की प्रक्रिया शुरू

कनाडा में निकाले गए एक 'नगर कीर्तन' के दो मिनट के वायरल वीडियो में खालिस्तान समर्थकों ने कनाडाई लोगों को 'घुसपैठिया' कहा। उन्हें 'इंग्लैंड और यूरोप वापस जाने' के लिए कहा। वीडियो में जुलूस में शामिल लोगों को यह कहते हुए सुना जा सकता है। 'यह कनाडा है, हमारा अपना देश। तुम कनाडाई वापस जाओ। भारतीय खुफिया सूत्रों ने इस घटना को कनाडा में नॉर्मल करार दिया। कहा कि खालिस्तानी धीरे-धीरे देश के सभी पहलुओं पर 'कब्जा' कर रहे हैं। ठीक से निगरानी न होने की वजह से ये खालिस्तानी समूह स्थानीय कनाडाई लोगों से भी नियंत्रण छीन रहे हैं। हिंदुओं से सुरक्षा के लिए पैसे मांगे जा रहे हैं और अब उनकी कॉलोनियों में स्थानीय लोगों को खतरा हैं।

(अशोक मधुप)

पियरे ट्रूडो के पद छोड़ने के ठीक एक साल बाद तलविंदर परमार ने जून 1985 में एयर इंडिया की फ्लाइट 182 (कनिष्क) में बम विस्फोट की साजिश की। इसमें विमान में सवार सभी 329 लोग मारे गए। हालांकि मरने वालों मे अधिकतर कनाडा के ही नागरिक थे।

अभी कुछ माह पूर्व 25 मई को हमने अपने लेख में कहा था कि कनाडा में खालिस्?तान समर्थकों की गतिविधि को भारत नजर अंदाज करता रहे। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो को खालिस्?तानियों का समर्थन करने दे, जल्?दी ही खालिस्?तान कनाडा में बने। भारत में नही। ऐसा होता अब नजर आने लगा है। खालिस्?तानी वहां मांग करने लगे हैं कि कनाडा हमारा है। बाकी दुनिया भर के लोग अपने-अपने देश वापस जाएं।

कनाडा में निकाले गए एक 'नगर कीर्तन' के दो मिनट के वायरल वीडियो में खालिस्तान समर्थकों ने कनाडाई लोगों को 'घुसपैठिया' कहा। उन्हें 'इंग्लैंड और यूरोप वापस जाने' के लिए कहा। वीडियो में जुलूस में शामिल लोगों को यह कहते हुए सुना जा सकता है। 'यह कनाडा है, हमारा अपना देश। तुम कनाडाई वापस जाओ। भारतीय खुफिया सूत्रों ने इस घटना को कनाडा में नॉर्मल करार दिया। कहा कि खालिस्तानी धीरे-धीरे देश के सभी पहलुओं पर 'कब्जा' कर रहे हैं। ठीक से निगरानी न होने की वजह से ये खालिस्तानी समूह स्थानीय कनाडाई लोगों से भी नियंत्रण छीन रहे हैं। हिंदुओं से सुरक्षा के लिए पैसे मांगे जा रहे हैं और अब उनकी कॉलोनियों में स्थानीय लोगों को खतरा हैं।

कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो भारत में खालिस्तान बनाने की मांग करने वाले अतिवादियों पर सत्?ता संभालने के बाद से पूरी तरह मेहरबान है। भारत द्वारा इन अतिवादियों के बारे में दी गई जानकारी पर वे कुछ कार्रवाई नहीं कर रहे, अपितु भारत पर ही आरोप लगा रहे हैं कि भारत से फरार अपराधी खालिस्तानी अतिवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में उसके राजनयिक का हाथ है। हमने पहले लेख में कहा था भारत को चाहिए कि यह कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो को भारत के खालिस्तान का समर्थन करने वाले अतिवादियों का समर्थन करने दें। कुछ समय ऐसा ही चलने दें। हां सार्वजनिक रूप से भारत उसे चेतावनी देने का सिलसिला जारी रखें। अपने यहां खालिस्तान समर्थकों पर सख्ती रखें। कुछ समय ऐसा ही चलता रहा तो यह निश्चित है कि अब खालिस्तान भारत में नही कनाडा में बनेगा। कनाडा की धरती पर बनेगा। हमारा पहला कथन अब सही होता दीखने लगा है। कुछ समय ऐसा ही होता रहा तो ये खालिस्तान समर्थक कनाडा के लिए ही सिर दर्द बनेंगे। कनाड़ा ने सख्?ती की तो ये उसके खिलाफ विद्रोह पर उतर आएंगे।

आज जो कनाड़ा कर रहा है, कभी वही भारत के कुछ नेताओं ने किया था। वह पंजाब में खालिस्तान की बढ़ती गतिविधियों को नजर अंदाज करते रहे। परिणाम स्वरूप पंजाब में रहने वाले हिंदुओं को पंजाब छोड़ने के लिए कहा जाने लगा। उन पर हमले होने शुरू हो गए। सिख आंतकवाद पंजाब में ही नही बढ़ा, अपितु उत्तर प्रदेश के तराई क्षेत्र को भी उसने अपनी चपेट में लेना शुरू कर दिया। इस दौरान पंजाब में धार्मिक नेता भिंडरावाला तेजी से लोकप्रिय हुए। कहा जाता है कि राजनैतिक लाभ के लिए केंद्र की तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने उसे प्रश्य देना शुरू कर दिया। हालत यह हुई कि वहीं भिंडरावाला कांग्रेस के लिए भस्मासुर साबित हुआ। उसने स्वर्ण मंदिर में डेरा जमा लिया। मजबूरन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को भिंडरावाला को स्वर्ण मंदिर से निकालने के लिए फौज का सहारा लेना पड़ा। बाद में प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी केही दो सिख सुरक्षा गार्ड ने उनकी हत्या कर दी।

आज जो कनाडा में हो रहा है, वह 40 साल से खालिस्तान समर्थकों को पोषित किए जाने का परिणाम है। कनाडा में खालिस्तान समर्थक आंदोलन पिछली सदी के आठवें दशक में शुरू हो गया था। पियरे ट्रूडो के प्रधानमंत्री बनने के बाद इसकी जड़ें गहरी हुईं। उनके कार्यकाल के दौरान ही तलविंदर परमार भारत में चार पुलिसकर्मियों की हत्या करने के बाद कनाडा भाग गया था।

प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने जून 1973 में कनाडा की यात्रा की थी और पियरे ट्रूडो के साथ उनके व्यक्तिगत संबंध सौहार्दपूर्ण थे। लेकिन, पियरे ट्रूडो ने 1982 में तलविंदर परमार को भारत प्रत्यर्पित करने का अनुरोध ठुकरा दिया। इसके लिए बहाना बनाया गया कि भारत का रुख महारानी के प्रति पर्याप्त रूप से सम्मानजनक नहीं है। पियरे ट्रूडो के पद छोड़ने के ठीक एक साल बाद तलविंदर परमार ने जून 1985 में एयर इंडिया की फ्लाइट 182 (कनिष्क) में बम विस्फोट की साजिश की। इसमें विमान में सवार सभी 329 लोग मारे गए। हालांकि मरने वालों मे अधिकतर कनाडा के ही नागरिक थे। इस विमान हादसे में कुछ तो पूरे परिवार ही खत्म हो गए। अगर पियरे ट्रूडो ने तलविंदर परमार को भारत प्रत्यर्पित करने का इंदिरा गांधी का अनुरोध मान लिया होता, तो कनिष्क विमान में विस्फोट नहीं हुआ होता। भारतीय-कनाडाई राजनीति के जानकार मानने लगे हैं कि जो गलती पियरे ट्रूडो ने तब की थी, वहीं उनके बेटे जस्टिन ट्रूडो भी आज कर रहे हैं। अपनी सरकार चलाने के लिए कनाडा में खालिस्तान समर्थक उग्रवादियों के प्रति सहानुभूति रखकर वही गलती कर रहे हैं। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने भारत के ऊपर बेबुनियाद आरोप लगाकर कनाडा में पल रहे खालिस्तानी समर्थकों को हवा दे दी है। प्रधानमंत्री के इन आरोपों के बाद कनाडा के अलग-अलग राज्यों में खालिस्तान समर्थकों ने ऐसी साजिश रचनी शुरू कर दी, जिससे वहां रह रहे न सिर्फ भारतीयों बल्कि डिप्लोमेट्स और भारतीय दूतावास के लिए बड़ा खतरा पैदा हो गया है बल्कि कनाडा में बसे भारतीय हिंदुओं को भी खतरा बनेगा।

रक्षा मामलों के विशेषज्ञों का मानना है कि कनाडा की जमीन पर पहले से ही खालिस्तान समर्थकों को कनाडा की सरकार प्रश्रय देती आई है। यही वजह है कि कनाडा सरकार के समर्थन के चलते भारत विरोधी गतिविधियां इस देश के अलग-अलग हिस्सों में लगातार चलती रहती हैं। बीते कुछ समय में खालिस्तान जनमत संग्रह के नाम पर कनाडा की सरकार न सिर्फ इन भारत विरोधी खालिस्तानियों को सुरक्षा मुहैया कराती आई है बल्कि कार्यक्रम स्थलों की भी उपलब्ध करवाती आई है। पिछले दिनों एक शोभा यात्रा में पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरागांधी की हत्या की झांकी निकालना भी इसी कड़ी का हिस्सा है। जानकारों का मानना है कि जिस तरीके से कनाडा के प्रधानमंत्री ने भारत के ऊपर बेबुनियाद आरोप लगाया है उसका असर अगले कुछ दिनों में ही बहुत तेजी से दिखना शुरू हो सकता है। कनाडा के प्रधानमंत्री के बयान के बाद के हालात में क्रम में सिख फॉर जस्टिस के नेता गुरपतवंत सिंह पन्नू की ओर से हिंदू समुदाय को धमकी दी गई है।

एसएफजे के पन्नू ने कनाडा के हिंदुओं को धमकी दी है। पन्नू ने उन्हें कनाडा छोड़ने के लिए कहा है। जो पन्नू ने कनाड़ा के हिंदुओं से कहा है, ऐसा ही कभी पंजाब में आंतकवाद की शुरूआत में हिंदुओं से कहा गया था। उसके बाद उन पर हमले शुरू हो गए थे। कनाडा में धमकी से पहले ही हिंदुओं पर हमले होने लगे हैं।

इन धमकियों को लेकर कनाडा में भारतीय मूल के सांसद चंद्र आर्य ने एक न्यूज चैनल के साथ इंटरव्यू में कहा कि कनाडा में खालिस्तानी समूहों से बढ़ते खतरों के मद्देनजर अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय भयभीत है। कनाडा में हिंदू लोगों की सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंताएं हैं। दरअसल कनाडा में खालिस्तान समर्थकों को पाकिस्तान पाल रहा है। कनाड़ा इन्हें प्रश्रय दे रहा है। अमेरिका आज के हालात में भारत का विरोध नही कर पा रहा किंतु इस मामले में उसका भी रवैया ठीक नही है। कनाडा के हिंदुओं को धमकी देने वाला सिख फॉर जस्टिस का नेता गुरपतवंत सिंह पन्नू कनेडा और अमेरिकी नागरिक है। पन्नू भारत का फरार और इनामी आंतकी है। इसके बावजूद वह अमेरिका में सरे आम रह रहा है।

भारत को चाहिए कि वह भारत में खालिस्तान समर्थकों के प्रति सख्ती जारी रहे। कनाडा में भारत के खिलाफ कार्रवाई करने वालों पर मुकदमें दर्ज करने के साथ उनके आईओसी कार्ड जब्त करता रहे। इनकी भारत की संपत्ति भी कब्जे में ले।

समुद्र के नीचे मिली दूसरी दुनिया, कभी यहीं दफनाए जाते थे लोग, बड़े बड़े कब्र देख हैरान रह गए एक्सपर्ट!

समंदर में डाइविंग करते वक्त अगर आपको कोई खतरनाक या दुर्लभ समुद्री जीव मिल जाए, तो हैरानी होती है लेकिन अगर यहां कोई दूसरी दुनिया दिख जाए, तो होश उड़ जाएंगे. कुछ ऐसा ही हुआ एक पुरातत्व वैज्ञानिक के साथ.

कुछ जगहें होती हैं, जहां जाने के बाद हमें उम्मीद होती है कि मिलेगा कुछ और लेकिन मिल कुछ अलग ही जाता है. फिर चाहे ये घर का कोई कोना हो या फिर समंदर के अंदर की गहराई हो. समुद्र में जाने वाले गोताखोरों को कभी कुछ अलग ही हाथ लग जाता है लेकिन इस बात की उम्मीद तो किसी को भी नहीं होती है कि उन्हें यहां एक दूसरी दुनिया का रास्ता दिख जाएगा. समंदर में डाइविंग करते वक्त अगर आपको कोई खतरनाक या दुर्लभ समुद्री जीव मिल जाए, तो हैरानी होती है लेकिन अगर यहां कोई दूसरी दुनिया दिख जाए, तो होश उड़ जाएंगे. कुछ ऐसा ही हुआ एक पुरातत्व वैज्ञानिक के साथ. डेली स्टार की रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका के फ्लोरिडा में मौजूद लेक ओकीचोबी में एक अलग ही दुनिया की खोज हुई.

समंदर के नीचे कब्रों की दुनिया!

मई, 2023 में Dry Tortugas National Park की ओर से घोषणा की गई थी कि गार्डेन की के पास मौजूद आइलैंड में एक अस्पताल और कब्रिस्तान मिला था. उस वक्त वैज्ञानिकों ने बताया था कि ये ऐतिहासिक कब्रगाह है, जहां दर्जनों लोग दफनाए गए होंगे. अब आर्कियोलॉजिस्ट जोश मरानो ने कहा है कि ये कब्रिस्तान सिर्फ ज़मीन के ऊपर ही नहीं बल्कि पानी के अंदर गहराई में भी मौजूद है. झील की गहराई में बहुत सी ऐसी कहानियां और रहस्य हर साल मिलते हैं, जो इस जगह को और भी रहस्यमयी और खौफनाक बना देते हैं. चूंकि यहां पर कब्रें हैं, ऐसे में इसे भूतिया भी माना जाता है.

आखिर किसकी हैं ये कब्रें

पुरातत्व एक्सपर्ट्स ने कहा है कि ये कब्रें कुख्यात कैदियों की हो सकती हैं, जिनकी कहानियां जानने के लिए कोशिश की जा रही है. जोश मरानो का कहना है कि ये कब्रें अमेरिकन सिपाहियों की भी हो सकती हैं, जो फोर्ट जेफरसन में तैनात रहे हों. वहीं अस्पताल में 1890–1900 के बीच यलो फीवर के मरीज़ों का ट्रीटमेंट होता था. ये वही जगह है, जिसे अमेरिकन सिविल वॉर के वक्त कैदियों को रखने के लिए इस्तेमाल किया गया था. ऐसे में ये जगह उनके टॉर्चर और दर्दनाक मौत की भी कहानियां समेटे हुए है.

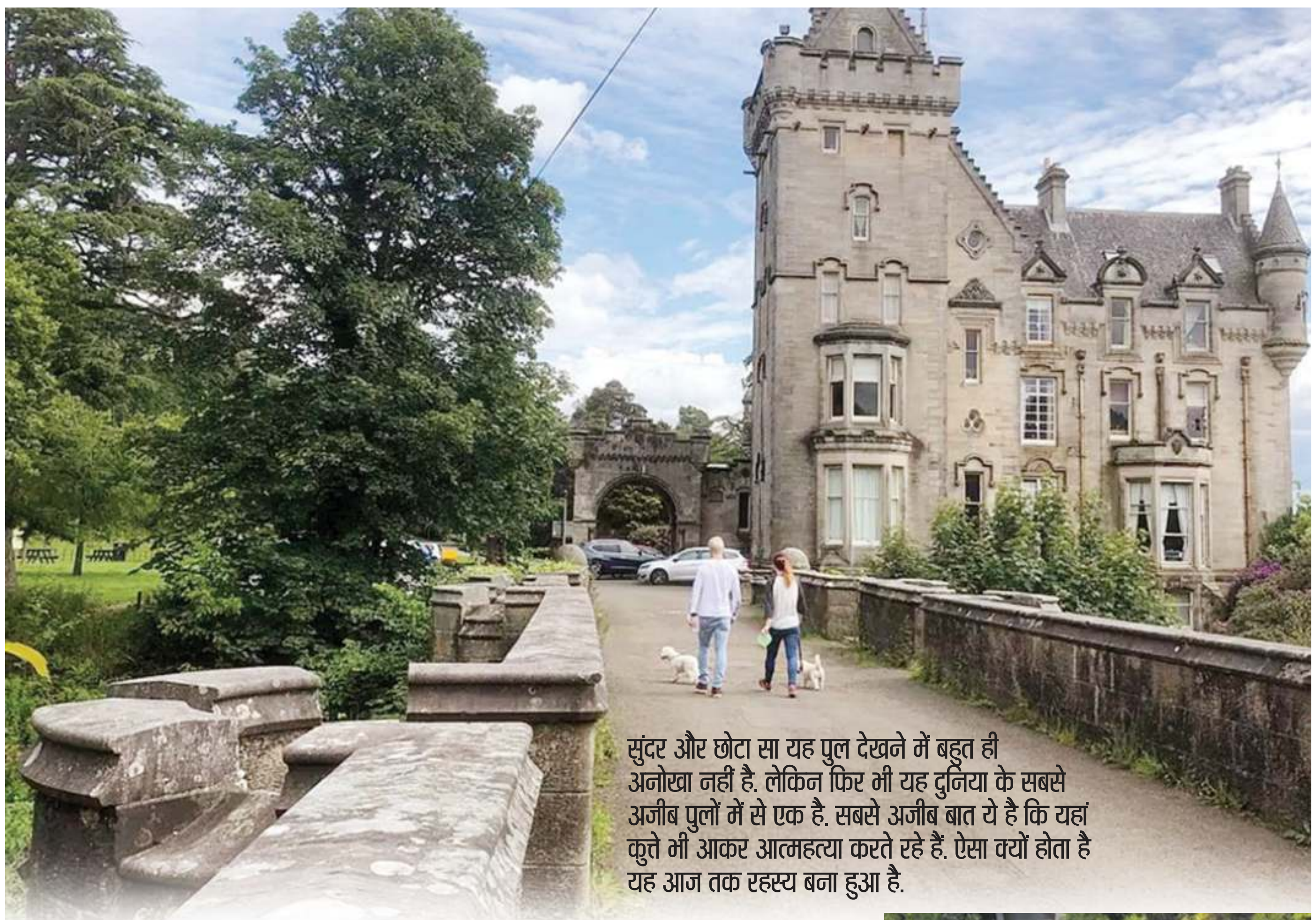

सुंदर और छोटा सा यह पुल देखने में बहुत ही अनोखा नहीं है. लेकिन फिर भी यह दुनिया के सबसे अजीब पुलों में से एक है. सबसे अजीब बात ये है कि यहां कुत्ते भी आकर आत्महत्या करते रहे हैं. ऐसा क्यों होता है यह आज तक रहस्य बना हुआ है.

एक रहस्य बना साधारण सा दिखता है ये पुल, कुत्ते करते हैं आत्महत्या, आज तक नहीं पता लगा कारण!

आपने दुनिया के खतरनाक पुलों के बारे में सुना होगा लेकिन एक पुल किसी कोने से खतरनाक नहीं दिखता है. साधारण सा होने के बाद भी यह अपने आप में कम आकर्षक नहीं है. फिर भी स्कॉटलैंड रका ओवरटाउन ब्रिज, एक अजीब सी वजह के लिए मशहूर है. यहां कुत्ते आत्महत्या करते रहे हैं. हैरानी की बात यह है कि इसका सटीक कारण पता नहीं है. ओवरटाउन ब्रिज 1895 में बना था. 15 मीटर का गोथिक स्टाइल का यह पुल खुरदर एशलर के पत्थरों से बना है. इसमें तीन मेहराब हैं जो एक खड़ी घाटी को दो किनारों को जोड़ते हैं. एक बीच का मेहराब बड़ा है जिसके दोनों ओर दो निचले और छोटे मेहराब हैं. प्राकृतिक पेड़ पौधों के बीच यह बीच खूबसूरती के लिए भी जाना जाता है. लेकिन इसकी चर्चा कुत्तों की वजह से अधिक होती है.

1859 में, ओवरटाउन फार्म को स्कॉटिश उद्योगपति जेम्स व्हाइट ने खरीदा. 1884 में व्हाइट की मौत के बाद उनके बेटे, जॉन कैंपबेल व्हाइट को घर और उसकी संपत्ति विरासत में मिली और उन्होंने घर के ड्राइववे को एक गहरी खाई में विस्तारित करने की योजना पर काम शुरू कर दिया ताकि आसान पहुंच मिल सके. उन्होंने एक पुल का डिजाइन बनाने के लिए लैंडस्केप आर्किटेक्ट और सिविल इंजीनियर हेनरी मिलनर को काम पर रखा.

इस पुल के निर्माण के बाद से अब तक 600 से ज़्यादा आत्महत्याओं का इतिहास रहा है. इससे भी ज़्यादा डरावना यह है कि पिछले कई दशकों में 50 से ज़्यादा कुत्ते इस पुल से कूदकर अपनी जान दे चुके हैं, जिससे जानवरों की आत्महत्या की संभावना पर सवाल उठते हैं.

इस बात का कोई सबूत नहीं मिले है कि पुल पर किसी अलौकिक शक्ति का वास या किसी भूत प्रेत का साया है, लेकिन ओवरटाउन की श्वेत महिला की किंवदंती अभी भी कायम है. लेकिन कुत्तों की आत्महत्या के पीछे एक कारण यह बताया जाता है कि पुल के आसपास के क्षेत्र में रहने वाले मिंक की गंध कुत्तों को कूदने के लिए आकर्षित करती है. लेकिन कुत्तों के यूं मरने का एक ही कारण नहीं बताया जाता है. एक अन्य सिद्धांत यह सुझाव देता है कि कुत्ते किसी तरह की अदृश्य उपस्थिति से डर जाते हैं. यह कोई ऐसी ध्वनि या कंपन है जिसे इंसान नहीं समझ सकते. वहीं कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि पुल की रेलिंग के कारण कुत्ते अपनी छलांग का गलत अनुमान लगा लेते हैं, जिससे उनकी मौत हो जाती है. कई वैज्ञानिक अध्ययनों और जांचों के बावजूद, ओवरटाउन ब्रिज पर कुत्तों की आत्महत्या का कारण आज भी एक रहस्य बना हुआ है.

पहाड़ों के बीच, नदी के किनारों पर बसा है दुनिया का सबसे संकरा शहर

क्या आपने किसी ऐसे शहर के बारे में सुना है, जिसे सबसे संकरा माना जाता है? वो शहर न सिर्फ नदी के दोनों किनारों पर बसा है, बल्कि पहाड़ों के बीचों-बीच है. वहां से बाहर निकलने का सिर्फ एक रास्ता है. देखने में ये जितना खूबसूरत लगेगा, उतना ही ज्यादा डरावना भी लग सकता है.

अगर आपसे पूछा जाए कि क्या आप किसी ऐसे शहर के बारे में जानते हैं, जिसे दुनिया में सबसे संकरा माना जाता हो? यकीनन, ज्यादातर लोगों को इसके बारे में पता नहीं होगा. लेकिन आज हम आपको एक ऐसे ही शहर के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां जाने वालों का कलेजा कांप उठेगा. हर पल कंपकंपी होगी. ऐसा इसलिए क्योंकि यह शहर पहाड़ों के बीचों–बीच बहने वाली एक नदी के दोनों किनारों पर बसा हुआ है. इस वजह से इसे सबसे संकरा शहर का दर्जा भी मिला है. लेकिन ये शहर भी कोई छोटा–मोटा नहीं है, बल्कि यहां 5 लाख से ज्यादा की आबादी रहती है. इस शहर का नाम यांजिन है, जो पहाड़ों के बीच बहने वाली नांक्सी नदी के दोनों मुहानों पर बसा है. यांजिन सिटी, चीन का एक प्रमुख शहर है. चीन के युनान प्रांत में बसे इस शहर को दुनिया का सबसे संकरा शहर माना गया है. पहली बार में इस शहर को देखने पर यकीन करना भी मुश्किल हो जाता है कि वाकई में कोई ऐसा शहर इस धरती पर मौजूद है. हालांकि, पहाड़ों से इस शहर की खूबसूरती देखना वाकई में अद्भुत है. ये किसी फिल्म या डॉक्यूमेंट्री का हिस्सा लगेगा. लेकिन आपको बता दें कि देखने में भले ही ये बेहद खूबसूरत लगे, लेकिन ऐसी परिस्थिति में रहना आसान नहीं है.

आपकी जानकारी के लिए बता दें कि शहर का सबसे संकरा इलाका 30 मीटर, जबकि सबसे फैला हुआ इलाका 300 मीटर चौड़ा है. नदी के दोनों किनारों पर एक–एक रोड है, जिससे होकर यहां के लोग बाहर निकलते हैं. वहीं, टूरिस्ट भी इन सड़कों से होकर ही इस शहर के अंदर प्रवेश करते हैं. नदी की वजह से ये सड़कें कई किलोमीटर लंबी हैं. उनके किनारे घर बने हुए हैं, लेकिन पुलों की संख्या कम है. लेकिन पहाड़ों के बीच बसे इस शहर में जाने के दौरान ज्यादातर लोगों की हालत खराब हो सकती है. बाढ़ से बचाने के लिए नदी किनारे के बिल्डिंग्स को खंभों के सहारे बनाया गया है, ताकि बाढ़ का पानी उसके नीचे ही रहे. अब आप सोच रहे होंगे कि इतनी मुश्किलों के बीच लोग क्यों रहते हैं? तो बता दें कि यहां पर रहने वाले ज्यादातर लोगों की कई पीढ़ियां यहां रह चुकी हैं. ऐसे में वो इस शहर को छोड़कर नहीं जाना चाहते हैं.

गुलाबी रंग की होती है ये खास डॉल्फिन, आंख खोल कर सोती हैं, अकेलापन है पसंद, बहुत तेज होता है दिमाग!

पिंक रिवर डॉल्फिन अमेजन नदी में पाई जाने वाली साफ पानी की सबसे बड़ी डॉल्फिन होती हैं. कई खासियातों से भरपूर ये बहुत बुद्धिमान होती हैं और अपने गुलाबी रंग के अलावा आंख खोल कर सोने के लिए मशहूर होती हैं. ये इंसानों को नुकसान नहीं पहुंचाती हैं, बल्कि उनके साथ खेलती भी है, फिर भी इन्हें अकेलापन पसंद होता है. डॉल्फिन को बिना किसी विवाद के दुनिया के सबसे सुंदर जानवरों में शुमार किया जाता है. ये ना केवल दिमाग की बहुत तेज होती हैं. बल्कि की मामलों में इंसानों को भी समझ सकती हैं. वैज्ञानिक मानते हैं की इनसें बातचीत भी की जा सकती है. लेकिन कम लोग जानते हैं कि इनकी एक अनोखी प्रजाति भी होती है. गुलाबी डॉल्फिन नदियों में मिलने वाली डॉल्फिनों अलग ही स्थान रखती हैं.

अमेजॉन पिंक रिवर डॉल्फिन को बोटो या बुफियो या अमेजॉन रिवर डॉल्फिन भी कहा जाता है. केवल साफ पानी में मिलती हैं. ये शर्मीली जीव मानी जाती हैं, स्थानीय बच्चों के साथ उत्सुकता से खेलती हैं, और आक्रामक व्यवहार नहीं दिखाती हैं. इन्हें अकेलापन खास तौर से पसंद है.

पिंक रिवर डॉल्फिन पाँच मीठे पानी की प्रजातियों में से सबसे बड़ी और सबसे बुद्धिमान है. एक पूर्ण विकसित डॉल्फिन 2.7 मीटर तक लंबी हो सकती है, इसका वजन 181 किलोग्राम तक हो सकता है और यह 30 साल तक जीवित रह सकती है. उनके पास असामान्य रूप से बड़ा मस्तिष्क भी होता है, जिसमें मनुष्यों की तुलना में 40 प्रतिशत अधिक मस्तिष्क क्षमता होती है! पिंक रिवर डॉल्फिन अपने गुलाबी रंग के लिए प्रसिद्ध हैं, लेकिन वे इस तरह से पैदा नहीं हुए थे. डॉल्फिन वास्तव में भूरे रंग के होते हैं और उम्र बढ़ने के साथ धीरे–धीरे गुलाबी हो जाते हैं. नर डॉल्फिन मादाओं से ज्यादा गुलाबी होते हैं. और मादाएं इस रंग के प्रति आकर्षित भी ज्यादा होती हैं. गुलाबी नदी डॉल्फ़िन बहुत फुर्तीली होती हैं. उनकी गर्दन और रीढ़ का नाता दूसरी डॉल्फिन से काफी अलग होता है. वे अपने सिर को 90 डिग्री के कोण पर मोड़ सकती है. इस कारण वे जबर्दस्त पैंतरेबाजी कर सकती हैं. वे एक फ्लिपर के पिंक रिवर डॉल्फिन कई दक्षिण अमेरिकी लोककथाओं का विषय है, लेकिन सभी परोपकारी नहीं हैं. ऐसी ही एक किंवदंती का दावा है है कि यदि आप अकेले तैरने जाते हैं, तो डॉल्फिन आपको एक जादुई पानी के नीचे के शहर में ले जा सकती हैं, जिसके कारण स्थानीय लोगों में शाम और भोर के बीच पानी के पास जाने या अकेले जल निकायों में प्रवेश करने का डर है.

डॉल्फिन को नुकसान पहुंचाना अपशकुन माना जाता है, और उन्हें खाना और भी बुरा माना जाता है. शरीर से लचीली और दिमाग से तेज होने के बावजूद पिंक रिवर डॉल्फिन दूसरी डॉल्फिन की तुलना में धीमी गति से तैरती हैं. वयस्क गुलाबी नदी डॉल्फ़िन आम तौर पर 8–13 किमी प्रति घंटा की गति से तैरती हैं, कभी–कभी छोटी दूरी पर 24 किमी प्रति घंटा तक की गति से तैरती हैं.

संक्षिप्त समाचार

फिलीपींस में आए मैन-यी तूफान से आठ की मौत

मनीला, एजेंसी। फिलीपींस में रविवार को आए मैन-यी तूफान के कारण कम से कम आठ लोगों की मौत हो गई है। साथ ही तूफान के कारण देश में कई जगहों पर बाढ़ और भूस्खलन की घटनाएं हुई हैं। देश के प्रांतीय अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। समाचार एजेंसी शि?न्हुआ के अनुसार, नुएवा विज्काया प्रांत के आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं प्रबंधन कार्यालय (पीडीआरआरएमओ) ने टेलीफोनिक साक्षात्कार में पुष्टि की है कि अंबागुइओ कस्बे में भूस्खलन में घर दब जाने से कम से कम सात लोगों की मौत हो गई। पीडीआरआरएमओ के एक अधिकारी ने नाम न उजागर करने की शर्त पर घटना की जानकारी देते हुए बताया, हम अभी भी आपदा के बारे में विस्तृत जानकारी प्राप्त कर रहे हैं। फिलीपींस के राष्ट्रपति फर्डिनेंड रोमुअलडेज मार्कोस ने संवाददाताओं को बताया कि मनीला के दक्षिण-पूर्व में कैमरिनेस नोर्टे प्रांत में भी एक व्यक्ति की मौत हो गई। देश के शीर्ष आपदा समन्वयक, राष्ट्रीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं प्रबंधन परिषद ने अभी तक इस तूफान के कारण हुई मौतों और नुकसान की रिपोर्ट नहीं दी है। यह तूफान एक महीने से भी कम समय में फिलीपींस में आया छठा शक्तिशाली तूफान है। यह इस साल फिलीपींस में आने वाला 16वां उष्णकटिबंधीय चक्रवात (ट्रॉपिकल साइक्लोन) है। लगातार आए चक्रवातों के कारण भारी वर्षा, बाढ़ और भूस्खलन हुआ, जिससे लुजोन और द्वीप समूह के अन्य भागों में भारी तबाही मच गई। सोमवार दोपहर को इस तूफान के फिलीपींस से बाहर निकलने की उम्मीद है।

पाकिस्तान की टिकटॉक स्टार इम्शा रहमान के बाद मथिरा का प्राइवेट वीडियो हुआ लीक

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान की एक और सेलेब्रिटी मथिरा मोहम्मद का निजी वीडियो लीक हो गया है। हालांकि, उन्होंने इन फोटो वीडियो को फर्जी बताया है। साथ ही कहा है कि उनके नाम और तस्वीरों का गलत इस्तेमाल किया जा रहा है। खास बात है कि यह घटना ऐसे समय पर हुई है, जब टिक टॉक स्टार इम्शा रहमान समेत कुछ सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स के वीडियो वायरल होने की खबरें सामने आई थीं। मथिरा ने एक्स पर लिखा, लोग मेरे नाम और फोटोशूट के दौरान ली गई तस्वीरों का गलत इस्तेमाल कर रहे हैं और फर्जी चीजें जोड़ रहे हैं। शर्म आनी चाहिए। इन बकवास बातों में मुझे शामिल न करें। मथिरा पाकिस्तान में काफी पॉपुलर हैं और सेलेब्रिटी टीवी होस्ट हैं। इंस्टाग्राम पर उन्हें फॉलो करने वालों की संख्या 25 लाख से ज्यादा है। वहीं, एक्स पर उन्हें 60 हजार से ज्यादा यूजर फॉलो करते हैं। इन सेलेब्स के वीडियो भी हुए वायरल मथिरा से पहले कथित तौर पर इम्शा रहमान के वीडियो भी वायरल होने की खबरें सामने आई थीं, जिनमें वह आपत्तिजनक स्थिति में हैं। इसके चलते उन्हें सोशल मीडिया यूजर्स की काफी आलोचना का सामना करना पड़ा था। आरोप लगाए जा रहे थे कि उन्होंने ये वीडियो जानबूझकर वायरल कराए हैं। खबर है कि अब उन्होंने सोशल मीडिया अकाउंट्स को डिएक्टिवेट कर दिया है। रहमान से पहले सोशल मीडिया स्टार मिनाहिल मलिक को लेकर भी इसी तरह के दावे किए जा रहे थे। कथित तौर पर उनके निजी वीडियो वायरल हुए थे। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, उन्होंने भी इनके चलते सोशल मीडिया से दूरी बना ली थी। बाद में उन्होंने इन वीडियोज के फर्जी होने का दावा किया था और शिकायत दर्ज कराई थी।

हॉन्ग कॉन्ग में राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े केस में 45 लोगों को सजा, 10 साल तक की हुई जेल

हॉन्ग कॉन्ग, एजेंसी। 47 में से दो लोगों को रिहा कर दिया गया है। कुछ प्रतिवादियों ने दावा किया था कि विधायिका में बहुमत सीटें सुरक्षित करने की योजना कभी सफल नहीं होगी। हालांकि, न्यायाधीशों ने इस तर्क को खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि सभी प्रतिभागियों ने इसे सफल बनाने का हर संभव प्रयास किया।

हॉन्ग कॉन्ग के सबसे बड़े राष्ट्रीय सुरक्षा मामले में बीजिंग द्वारा लगाए गए एक व्यापक कानून के तहत मंगलवार को दर्जनों प्रदर्शनकारियों को 10 साल के लिए जेल में डाल दिया गया। इन सभी के खिलाफ 2020 के राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत एक अनऔपचारिक चुनाव में उनकी भागीदारी के लिए 2021 में मुकदमा चलाया गया था। उनपर हॉन्ग कॉन्ग की सरकार को अपंग बनाने और बहुमत हासिल करने वाले नेता को इस्तीफा देने के लिए मजबूर करने और सरकारी बजट अंधाधुंध तरीके से अवरुद्ध करने की कोशिश करा आरोप लगाया गया है।

जी 20 समिट : चेहरे पर जबरदस्त मुस्कुराहट लिए पीएम मोदी से मिली इटली की प्रधानमंत्री, जमकर लगे ठहाके

ब्रासीलिया, एजेंसी।

जी 20 की बैठक में हिस्सा लेने के लिए इस बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ब्राजील पहुंचे हैं। ब्राजील में जबरदस्त सम्मेलन का आगाज हो गया है। प्रधानमंत्री मोदी का जोरदार स्वागत हुआ। ग्रुप फोटो भी हुई और ऐतिहासिक बैठक जिसका सभी को इंतजार था वो भी संपन्न हो गई। इसी बैठक के बाद द्विपक्षीय बैठकों का सिलसिला भी शुरू हुआ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक के बाद एक बड़े देशों के साथ द्विपक्षीय बैठकों को पूरा किया। इसमें एक देश इटली भी था। इटली की प्रधानमंत्री ज़ुर्जिया मेलोनी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का हाथ मिलाकर जोरदार स्वागत किया। बड़ी मुस्कुराहट के साथ दोनों ने एक दूसरे का अभिवादन भी स्वीकार किया। ब्राजील में हो रही जी20 बैठक से इतर आई तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। ये तस्वीर मोदी और मेलोनी के चाहने वालों को मेलोडी मूवमेंट दे रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ब्राजील के रियो डि जिनरो में जी 20 शिखर सम्मेलन के दौरान अपनी समकक्ष जॉिर्जया मेलोनी के साथ द्विपक्षीय बैठक की है।

बैठक के दौरान दोनों नेताओं ने सांस्कृतिक और पब्लिक रिलेशन मजबूत करने के साथ साथ व्यापार निवेशक और प्रौद्योगिकी में सहयोग बढ़ाने पर चर्चा की है। बैठक के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफ़ार्म एक्स पर एक पोस्ट भी किया। इस पोस्ट में उन्होंने बैठक की तस्वीरें शेयर करते हुए लिखा कि रियो डी जेनेरियो जी20 शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी से मिलकर खुशी हुई। हमारी बातचीत रक्षा, सुरक्षा, व्यापार और प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में संबंधों को गहरा करने पर केंद्रित रही। हमने संस्कृति, शिक्षा और इस प्रकार के अन्य क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के बारे में भी बात की। भारत-इटली की दोस्ती ग्रह को बेहतर बनाने में बहुत योगदान दे सकती है।

विदेश मंत्रालय (एमईए) ने भी बैठक के बारे में एक्स पर पोस्ट किया। मंत्रालय ने कहा कि रणनीतिक साझेदारी मजबूत हो रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रियो में जी20 ब्राजील शिखर सम्मेलन के इतर इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी से मुलाकात की। विदेश मंत्रालय ने कहा कि दोनों नेताओं ने दीर्घकालिक भारत-इटली द्विपक्षीय संबंधों को और आगे बढ़ाने तथा इसमें गति प्रदान करने के लिए भारत-इटली संयुक्त रणनीतिक कार्य योजना 2025-29 का स्वागत किया मोदी से मुलाकात को हमेशा ही बहुत खुशी प्रदान करने वाला पल बताते हुए मेलोनी ने इस बैठक को बातचीत के लिए अनमोल अवसर बताया, जिससे दोनों देशों को कार्ययोजना की घोषणा के साथ भारत-इटली रणनीतिक साझेदारी को आगे बढ़ाने के लिए अपनी साझा प्रतिबद्धता की पुष्टि करने का अवसर मिला।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि वैश्विक संघर्षों के कारण खाद्य, ईंधन और उर्वरक संकट से ग्लोबल साउथ के देश सबसे अधिक प्रभावित हैं और जी-20 को इसे दूर करने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। जी-20 शिखर सम्मेलन के एक सत्र को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि भारत में पिछले साल आयोजित जी-20 का विषय एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य'' इस शिखर सम्मेलन में भी उतना ही प्रासंगिक है जितना कि पिछले वर्ष था। उन्होंने कहा कि मैं यह कहना चाहूंगा कि वैश्विक संघर्षों के कारण खाद्य, ईंधन और उर्वरक संकट से 'ग्लोबल साउथ' के देश सबसे अधिक प्रभावित हैं।

पुतिन ने नई परमाणु नीति पर किए हस्ताक्षर, बाइडन के फैसले से एटमी जंग के मुहाने पर दुनिया?

मॉस्को, एजेंसी। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने मंगलवार को एक अहम फैसले के तहत संशोधित परमाणु नीति पर हस्ताक्षर किए हैं। इस नई नीति के तहत अगर कोई देश किसी परमाणु युद्ध संपन्न देश की मदद से रूस पर हमला करता है तो इसे देश पर संयुक्त हमला माना जाएगा और उस स्थिति में रूस की सरकार परमाणु हथियार का इस्तेमाल कर सकेगी। हालांकि इस स्थिति में कुछ शर्तें भी जोड़ी गई हैं। पुतिन का यह फैसला रूस-यूक्रेन युद्ध के एक हजार दिन पूरे होने के अवसर पर सामने आया है।

अमेरिका में जो बाइडन की सरकार ने जाते जाते यूक्रेन को लंबी दूरी की मिसाइलों से रूस के भीतर हमले की मंजूरी दे दी है। इस पर रूस ने कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए मुंहतोड़ जवाब देने की बात कही थी। पुतिन द्वारा संशोधित परमाणु नीति पर हस्ताक्षर के कदम को भी बाइडन के फैसले का ही जवाब माना जा रहा है। रूस की नई परमाणु नीति में ये प्रावधान किया गया है कि रूस पर अगर बड़े पैमाने पर हवाई हमला होता है तो उसके जवाब में रूस परमाणु हथियार का इस्तेमाल कर सकता है। उल्लेखनीय है कि यूक्रेन की सेना द्वारा अमेरिकी की लंबी दूरी की मिसाइलों का इस्तेमाल पहले भी किया जा रहा था, लेकिन ये इस्तेमाल सिर्फ सीमावर्ती इलाकों तक सीमित था। अब सत्ता से जाते जाते बाइडन ने बड़ा फैसला लेते हुए यूक्रेन को रूस के भीतर भी लंबी दूरी की मिसाइलों से हमले की मंजूरी दे दी है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस मंजूरी से रूस के सैन्य अड्डे, सैनिक प्रतिष्ठान और अन्य अहम ठिकानें यूक्रेन के निशाने पर आ गए हैं। इससे रूस-यूक्रेन युद्ध की पूरी तस्वीर बदल सकती है। रूस ने अमेरिका के इस कदम की आलोचना करते हुए इसे रूस युद्ध भड़काने की कोशिश करार दिया। रूस की पूर्व की परमाणु नीति के तहत सिर्फ रूस या इसके सहयोगियों पर बैलिस्टिक मिसाइल के हमले की विश्वसनीय सूचना के बाद ही रूस परमाणु हथियारों का इस्तेमाल कर सकता था, लेकिन अब नई नीति के तहत बैलिस्टिक मिसाइल के साथ ही, क्रूज मिसाइल, बड़े पैमाने पर ड्रोन हमले या अन्य उड़ने वाले वाहनों के जरिए हमले की स्थिति में भी परमाणु हथियार के इस्तेमाल की मंजूरी दी गई है। खास बात ये है कि पुरानी नीति में रूस के सहयोगी बेलारूस पर हमले की स्थिति में भी रूस द्वारा परमाणु हथियारों का इस्तेमाल करने का प्रावधान था, लेकिन संशोधित नीति में ये प्रावधान हटा दिया गया है।

एलओसी पर सहमति के बाद पहली बार चीनी विदेश मंत्री से मिले जयशंकर

रियो डी जेनेरियो , एजेंसी।

विदेश मंत्री एस जयशंकर और उनके चीनी समकक्ष वांग यी ने सोमवार रात रियो डी जेनेरियो में जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान मुलाकात की है। हाल ही में लद्दाख में सीमा को लेकर बनी सहमति के बाद यह दोनों की पहली मुलाकात थी। इस दौरान दोनों मंत्रियों ने सीमा पर हुई प्रगति को स्वीकार किया और भारत और चीन के लिए भविष्य की संभावनाओं पर चर्चा की। एस जयशंकर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इस मुलाकात को लेकर जानकारी साझा की। उन्होंने लिखा, रियो में जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान पोलित ब्यूरो के सदस्य और चीन के विदेश मंत्री वांग यी से मुलाकात की। हमने भारत-चीन सीमा क्षेत्रों में हाल ही में हुई वापसी में हुई प्रगति पर चर्चा की और हमारे द्विपक्षीय संबंधों में अगले कदमों पर विचारों का आदान-प्रदान किया। वैश्विक स्थिति पर भी चर्चा की।

रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक वांग ने दोनों देशों के बीच आपसी विश्वास को बढ़ावा देने की जरूरत पर बातचीत की। वांग यी ने भारत से सीधी फ्लाइट्स फिर से शुरू करने, पत्रकारों का आदान-प्रदान करने और वीजा की सुविधा देने पर सहयोग बढ़ाने का भी आग्रह किया है। इससे पहले चीन ने पिछले महीने विवादित सीमावर्ती इलाकों में सैन्य गतिरोध को समाप्त करने के लिए समझौते को लागू करने की पुष्टि की थी।

जी20 शिखर सम्मेलन में भाग लेने गए पीएम मोदी ने बाइडेन, गुटेरेस और वोंग से मुलाकात की

रियो डि जेनेरियो, एजेंसी। तीन देशों के दौरे पर गए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपनी यात्रा के दूसरे चरण में 19वें जी20 शिखर सम्मेलन में भाग लेने ब्राजील पहुंच चुके हैं। रियो डि जेनेरियो पहुंचने पर पीएम मोदी का जोरदार स्वागत हुआ। यह शिखर सम्मेलन 18 और 19 नवंबर ब्राजील की राजधानी में आयोजित हो रहा है। ब्राजील पहुंचे पीएम मोदी ने अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन, संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस और सिंगापुर के प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग से मुलाकात की। अमेरिकी राष्ट्रपति से मुलाकात की जानकारी पीएम मोदी ने एक्स पर देते हुए लिखा, रियो डी जेनेरियो में जी20 शिखर सम्मेलन में अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन के साथ मुलाकात। उनसे मिलना हमेशा खुशी की बात होती है।

एक अन्य पोस्ट में संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस के साथ मुलाकात की फोटो शेयर करते हुए उन्होंने लिखा, संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस रियो जी20 शिखर सम्मेलन में मुलाकात। एक अन्य पोस्ट में सिंगापुर के प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग से मुलाकात की जानकारी देते हुए उन्होंने लिखा, रियो डी जेनेरियो में जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान सिंगापुर के प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग के साथ अद्भुत बातचीत। बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 18 और 19 नवंबर को आयोजित होने वाले जी-20 सम्मेलन 2024 के लिए ब्राजील के रियो डी जेनेरियो पहुंचे, जहां उनका गर्मजोशी से स्वागत किया गया। मध्य पूर्व और यूरोप में चल रहे जलवायु संकट और संघर्ष के बीच आयोजित इस शिखर सम्मेलन का फोकस भूख, गरीबी और असमानता के खिलाफ लड़ाई, सतत विकास और वैश्विक शासन सुधारों पर है।

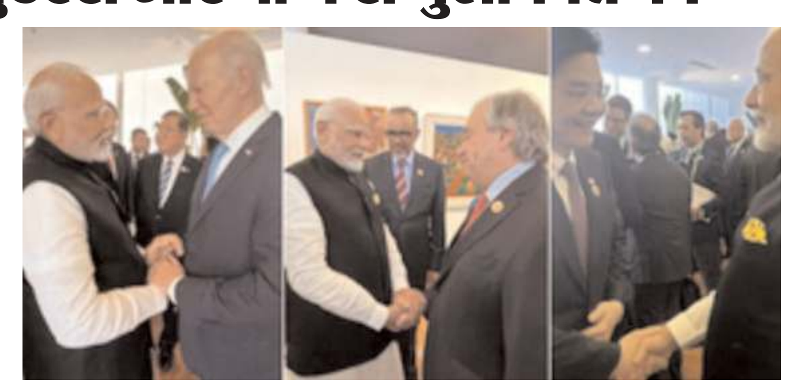

पंजाबी सिंगर गैरी संधू पर ऑस्ट्रेलिया में हमला्शो के दौरान हमलावर स्टेज पर चढ़ा, गला पकड़ा

मेलबर्न, एजेंसी।

पंजाब के जालंधर से संबंध रखने वाले पंजाबी सिंगर गैरी संधू पर ऑस्ट्रेलिया में एक शो के दौरान विवाद के बाद हमला किया गया। संधू के शो में आए एक फैन ने उन्हें मारने की कोशिश की। आरोपी ने स्टेज पर चढ़कर संधू का गला पकड़ लिया था। हालांकि, मौके पर मौजूद संधू के सिक्योरिटी गार्ड और पुलिस ने किसी तरह उक्त युवक को पकड़ स्टेज से नीचे उतारा। बाद में उसकी धुनाई की और पुलिस उसे गिरफ्तार कर ले गई। बता दें कि गैरी संधू इन दिनों ऑस्ट्रेलिया टूर पर हैं।

उंगली उठाकर इशारा करने पर भड़का था हमलावर: बीते रविवार को ऑस्ट्रेलिया में गैरी संधू लाइव शो कर रहे थे। यहां बड़ी संख्या में लोग जमा थे। गैरी संधू ऑस्ट्रेलिया के न्यू साउथ वेल्स में शो कर रहे थे, जहां उनकी आवाज से लोगों में उत्साह था। इसी दौरान एक गाने की प्रस्तुति देते हुए गैरी ने भीड़ की ओर हाथ की बीच की उंगली उठाकर इशारा किया। (यह इशारा सामाजिक रूप से अभद्र माना जाता है) इसके बाद भीड़ से एक युवक निकलकर स्टेज पर चढ़ गया और गैरी की ओर लपका। उसने आकर गैरी की गर्दन पकड़ ली। इसके तुरंत बाद ही गैरी की टीम के लोग और सुरक्षा में तैनात न्यू साउथ वेल्स के पुलिसकर्मी गैरी के पास पहुंच गए।

सुरक्षाकर्मियों ने गैरी को हमलावर से बचाया

उन्होंने गैरी को हमलावर के चंगुल से काफी मशक्कत कर छुड़ाया। इस दौरान हमलावर और गैरी संधू के बीच काफी बहस और गाली-गलौज भी हुई। हमलावर काफी आक्रामक हो रहा था, इसलिए पुलिस ने उसे उठाकर धरती पर गिरा लिया और उसकी धुनाई की गई। हालांकि, इस हमले को लेकर अब तक गैरी ने या उनकी टीम ने कोई बयान साझा नहीं किया है। जबकि, सोशल मीडिया पर इस हमले का वीडियो जारी कर कई लोग गैरी को ट्रोल करने में लगे हुए हैं।

जालंधर के रूड़का कलां गांव के रहने वाले हैं संधू: बता दें कि पंजाबी गायक गैरी संधू कई सुपर हिट गाने कर चुके हैं। वह मूल रूप से जालंधर के गांव रूड़का कलां के रहने वाले हैं। वह फिलहाल यूनाइटेड किंगडम में ही रहते हैं और काम करते हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर संधू के करीब 53 लाख से ज्यादा फॉलोअर्स हैं। गैरी संधू के कई गानों को तो 15 करोड़ से ज्यादा फैंस पसंद कर चुके हैं।

रिलेशनशिप को लेकर चर्चा में रहे गैरी: गैरी संधू अक्सर अपने स्टाइल को लेकर चर्चा में रहते हैं। एक समय ऐसा था जब उनके अफेयर के भी चर्चे थे। वह सिंगर जैस्मीन सैंडलस के साथ रिलेशनशिप में थे। हालांकि, किन्हीं कारणों से उनका रिश्ता टूट गया और वे अलग हो गए। संधू सोशल मीडिया पर लाइव आकर भी इसका जिक्र कर चुके हैं।

यूक्रेन-रूस युद्ध के 1000 दिन; यह समय शांति हासिल करने का, बर्बादी के बीच समय की मांग

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी। में राजनैतिक एवं शांतिनिर्माण मामलों के लिए प्रमुख रोजमैरी डीकार्लो ने सोमवार को सुरक्षा परिषद की बैठक को संबोधित करते हुए हिंसक टकराव का अंत करने के लिए राजनैतिक इच्छाशक्ति व एकजुट प्रयासों का आग्रह किया है।

यूक्रेन पर रूसी सैन्य बलों के आक्रमण को एक हजार दिन पूरे हो रहे हैं। मगर देश में लाखों नागरिक अब भी व्यापक पैमाने पर मौतों, विध्वंस और हताशा से जूझ रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र में राजनैतिक एवं शांतिनिर्माण मामलों के लिए प्रमुख रोजमैरी डीकार्लो ने सोमवार को सुरक्षा परिषद की बैठक को संबोधित करते हुए हिंसक टकराव का अंत करने के लिए राजनैतिक इच्छाशक्ति व एकजुट प्रयासों का आग्रह किया है। उन्होंने कहा कि रूसी महासंघ ने फरवरी 2022 में पूर्ण स्तर पर यूक्रेन पर यह आक्रमण, संयुक्त राष्ट्र चार्टर व अन्तरराष्ट्रीय क़ानून का खुलेआम उल्लंघन करते हुए किया था। एक हजार दिन बीत चुके हैं, यह युद्ध जारी है, बिना रुके। घातक लड़ाई पूर्वी व दक्षिणी यूक्रेन के ज्यादा से ज्यादा हिस्सों को अपने लपेटे में ले रही है। व्यापक मौतों, तबाही और हताशा के 1,000 दिन, जोकि लाखों यूक्रेनी नागरिकों के लिए बदस्तूर जारी हैं। अब तक कम से कम 12 हजार 164 आम लोग मारे जा चुके हैं, जिनमें 600 से अधिक बच्चे हैं। 26 हजार से अधिक घायल हुए हैं, लेकिन हताहतों का वास्तविक आंकड़ा इससे कहीं अधिक होने की आशंका है। यूएन अवर महासचिव रोजमैरी डीकार्लो ने बताया कि इस सप्ताहांत रूस ने यूक्रेन के सभी क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर हवाई हमले किए। 120 मिसाइलों व 90 ड्रोन के जरिये ऊर्जा प्रतिष्ठानों को निशाना बनाया गया, जिससे जान-माल का भीषण नुकसान हुआ है। उन्होंने कहा कि यूक्रेन में अति-महत्वपूर्ण नागरिक व ऊर्जा प्रतिष्ठानों को व्यवस्थागत ढंग से निशाना बनाया जा रहा है, उन्हें तबाह किया जा रहा है, जोकि अनेक यूक्रेनी नागरिकों को बुनियादी आवश्यकताओं से वंचित कर रहा है। करीब 580 मेडिकल केंद्र क्षतिग्रस्त या बर्बाद हुए हैं।

वालमार्ट स्टोर के ओवन में जलकर मरने वाली भारतीय लड़की की मौत पर संशय बरकरार

ओटावा , एजेंसी। कनाडा के हुई एक भारतीय युवती की मौत के मामले में कनाडा पुलिस ने अपनी जांच पूरी कर ली है। पुलिस ने अपने बयान में कहा है कि युवती की मौत में किसी दूसरे व्यक्ति की संलिप्तता के सबूत नहीं मिले हैं। गौरतलब है कि बीते अक्तूबर में कनाडा के वालमार्ट के एक स्टोर में भारतीय युवती गुरसिमरन कौर की लाश मिली थी। यह लाश स्टोर में बिक्री के लिए रखे एक ओवन में जली हुई हालत में मिली थी।

अब कनाडा पुलिस ने अपनी जांच के बाद गुरसिमरन की मौत में किसी दूसरे व्यक्ति के शामिल होने की आशंका से इनकार कर दिया है। पुलिस ने कहा कि किसी तरह की साजिश के उन्हें सबूत नहीं मिले हैं। पुलिस ने कहा कि हम जानते हैं कि घटना को लेकर कई सवाल हैं कि आखिर उस वक्त क्या हुआ था। लेकिन जांच, कई लोगों से पूछताछ और वीडियो फुटेज देखने के बाद हम कह सकते हैं कि घटना में कोई संदिग्ध नहीं है। हमें नहीं लगता कि घटना में कोई दूसरा व्यक्ति शामिल था। हमें ये भी लगता है कि कई ऐसे सवाल हैं, जिनके जवाब शायद अब कभी नहीं मिलेंगे।

कनाडा के हेलीफेक्स इलाके में स्थित एक वालमार्ट स्टोर में भारतीय युवती गुरसिमरन कौर नौकरी करती थी।

ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह अली खामेनेई कोमा में ! कार्यालय ने तस्वीर जारी कर दी सफाई

तेहरान, एजेंसी।

ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह अली खामेनेई के स्वास्थ्य को लेकर अटकलें तेज हो गई थीं। मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि 85 वर्षीय खामेनेई कोमा में हैं और उन्होंने गुप्त बैठक में अपने बेटे मोजतबा खामेनेई को उत्तराधिकारी नामित किया है। हालांकि, रविवार को खामेनेई के आधिकारिक कार्यालय ने इन अटकलों को खारिज करते हुए उनकी एक तस्वीर साझा की। इसमें खामेनेई को लेबनान में ईरान के राजदूत मोजतबा अमानी के साथ बातचीत करते हुए देखा गया।

खामेनेई के एक्स (पहले ट्विटर) अकाउंट पर यह तस्वीर पोस्ट की गई, जिसमें लिखा गया, इस्लामी क्रांति के नेता अयातुल्लाह खामेनेई ने लेबनान में ईरान के अनुभवी राजदूत मोजतबा अमानी से आज दोपहर अपने दैनिक बैठकों के दौरान मुलाकात की। रिपोर्ट्स के मुताबिक, खामेनेई अक्टूबर में गंभीर रूप से बीमार थे, और उनके उत्तराधिकारी को लेकर चर्चाएं शुरू हो गई थीं। न्यूयॉर्क टाइम्स ने यह दावा किया था। वहीं, खामेनेई ने अक्टूबर 5 को पांच साल बाद पहली बार एक सार्वजनिक भाषण दिया, जिसमें उन्होंने फिलिस्तीन और लेबनान के हमास और हिज़्बुल्लाह के समर्थन में बयान दिया था।मो

जतबा अमानी, जिनसे खामेनेई ने मुलाकात की, सितंबर में लेबनान में एक विस्फोट में घायल हो गए थे। यह विस्फोट हिज़्बुल्लाह के उपकरणों में हुआ था, जिसमें 39 लोगों की मौत और लगभग 3,000 लोग घायल हुए थे। अमानी ने अपनी सेहत से जुड़ी रिपोर्ट खामेनेई को सौंपी।पिछले महीने अपने भाषण में खामेनेई ने कहा था कि इजरायल जल्द ही खत्म हो जाएगा। उन्होंने इजरायल पर मिसाइल हमलों को जनता की सेवा बताते हुए इसे जायज ठहराया। उन्होंने हमास और हिज़्बुल्लाह के संघर्ष का समर्थन करते हुए इजरायल के खिलाफ हथियारबंद आंदोलन की वकालत की।

संक्षिप्त समाचार

मीडियाटेक ने भारत में डिजिटल परिवर्तन को गति देने के लिए नवीनतम स्मार्टफोन

नई दिल्ली, एजेंसी। वर्ष दो अरब से अधिक कनेक्टेड एज डिवाईस को ताकत प्रदान कर रही विश्व की अग्रणी फैबलेस सेमीकंडक्टर कंपनी मीडियाटेक ने मोबाइल, ऑटोमोटिव और आईओटी में अपनी अग्रणी स्थिति प्रदर्शित की और जेनरेटिव एआई, सैटेलाइट कनेक्टिविटी, ऑटोमोटिव सॉल्यूशंस, 5जी और स्मार्ट क्लस्टर्स में भविष्य के लिए तैयार टेक्नोलॉजीज़ को तेजी से अपनाने पर केंद्रित अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। मीडियाटेक ने मीडियाटेक टेक्नोलॉजी डायरीज़ आयोजन के 14वें चैप्टर में अपने अग्रणी मीडियाटेक डायमेन्सिटी 9400 चिपसेट से युक्त ओप्पो फाइंड एक्स8 प्रो समेत अपने नवीनतम नवप्रवर्तन को प्रदर्शित किया। मीडियाटेक ने टाटा पंच ईवी और स्कोदा स्लेविया जैसे भारतीय ओईएम से गठबंधन के साथ अगली पीढ़ी के स्मार्ट वाहन टेक्नोलॉजीज को रेखांकित किया और अपना डायमेन्सिटी ऑटोमोटिव प्लेटफॉर्म प्रदर्शित किया। इस आयोजन में मेड इन इंडिया स्मार्ट क्लस्टर के लिए काइनेटिक ग्रीन ईलूना और काइनेटिक ग्रीन फ्लेक्स सहित जियो थिंग्स लिमिटेड से ताकत प्राप्त ईवी दोपहिया वाहन भी प्रदर्शित किए गए। मीडियाटेक के महाप्रबंधक और उपाध्यक्ष (कॉरपोरेट मार्केटिंग) फिनबर मोइनिहान ने कहा, मीडियाटेक अद्भुत टेक्नोलॉजी का अनुभव कितना अधिक सुलभ बना रहा है, इसका भारतीय बाजार एक जबरदस्त उदाहरण है।

ग्रीनलैम इंडस्ट्रीज ने छिंदवाड़ा में अपने मुख्य ब्रांड्स के लिए विशेष डिस्प्ले सेंटर लॉन्च किया

छिंदवाड़ा, एजेंसी। 120 से ज्यादा देशों में लकड़ी के एकीकृत पैनल और ग्राहकों को विस्तृत सर्फेसिंग एवं सब्सट्रेट सॉल्यूशंस प्रदान करने वाली, ग्रीनलैम इंडस्ट्रीज ने हाल ही में गुड़िया रोड, न्यू सब्जी मंडी, छिंदवाड़ा में अपने विशेष डिस्प्ले सेंटर ङ्क श्री कृष्णा प्लाईवुड का उद्घाटन किया। इस शोरूम में एक ही छत के नीचे न्यूमाइका 1मिमी लैमिनेट की विशेष रेंज के साथ लैमिनेट खंड में विस्तृत संग्रह उपलब्ध होगा।ग्रीनलैम इंडस्ट्रीज को घर की सुंदरता के साथ उच्च गुणवत्ता वाले सरफेस सॉल्यूशंस बनाने के लिए जाना जाता है। इनके उत्पाद अपनी उत्तमता और बेहतरीन कला के साथ इस ब्रांड की उत्कृष्टता की विरासत प्रदर्शित करते हैं, जो इसके मुख्य ब्रांड्स की रेंज में स्पष्ट दिखाई देता है। इनमें ग्रीनलैम के ग्राहकों के लिए बनावट, रंग और डिज़ाइन की विस्तृत रेंज शामिल है। ये विस्तृत उत्पाद ग्रीनलैम के ग्राहकों को अपने घर के डिज़ाइन में फ्लेक्सिबिलिटी लाने और उनकी रचनात्मकता को बढ़ाने में मदद करते हैं।

बैंकों की कर्ज पर ब्याज दरें ज्यादा, इसे कम करने की जरूरत : निर्मला सीतारमण

नई दिल्ली, एजेंसी। निर्मला सीतारमण ने सोमवार को एसबीआई के कार्यक्रम में कहा, जब आप भारत की विकास की जरूरतों को देखते हैं, तो आपके पास कई राय आ सकती हैं और कह सकती हैं कि उधार लेने की लागत बहुत ज्यादा है। जब हम चाहते हैं कि उद्योग तेजी से आगे और निर्माण की ओर बढ़ें तो बैंक ब्याज दरों को सस्ता बनाना होगा।

बैंकों की ब्याज दरें कुछ लोगों के लिए दबाव वाली हैं। इसे कम करने की जरूरत है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा, दरों को कम करने से विकसित भारत की आकांक्षा को पाने में मदद मिल सकती है। भारत को उद्योग को आगे बढ़ने व नई सुविधाओं में निवेश करने की जरूरत है।

निर्मला सीतारमण ने सोमवार को एसबीआई के कार्यक्रम में कहा, जब आप भारत की विकास की जरूरतों को देखते हैं, तो आपके पास कई राय आ सकती हैं और कह सकती हैं कि उधार लेने की लागत बहुत ज्यादा है। जब हम चाहते हैं कि उद्योग तेजी से आगे और निर्माण की ओर बढ़ें तो बैंक ब्याज दरों को सस्ता बनाना होगा। बैंक कर्ज देने के अपने मुख्य कार्य पर ध्यान केंद्रित करें। बीमा उत्पादों की गलत बिक्री भी अप्रत्यक्ष रूप से किसी के लिए उधार लेने की लागत बढ़ाती है। बैंकों द्वारा बीमा वितरण के कारण बीमा की पहुंच गहरी हुई है। इससे उत्पादों की गलत बिक्री के बारे में भी चिंताएं बढ़ गई हैं। ग्राहकों पर बीमा का बोझ नहीं डालना चाहिए। बैंकिंग क्षेत्र में लोगों का भरोसा बढ़ाने की दृष्टि से यह बहुत महत्वपूर्ण है। सीतारमण ने कहा, विकास सरकार की प्राथमिकता है। महंगाई एक जटिल मुद्दा है जो आम आदमी को प्रभावित करती है। सरकार खाद्य तेलों और दालों सहित आपूर्ति पक्ष के उपायों पर काम कर रही है। सरकार के प्रयास मुख्य रूप से अस्थिरता को कम करने के लिए भंडारण सुविधाओं में सुधार पर केंद्रित हैं। अब समय आ गया है कि स्वतंत्र रेटिंग एजेंसियां हमारी रेटिंग अपग्रेड पर फैसला लें।

वित्त मंत्री ने कहा, मैं इस बहस में नहीं पड़ना चाहती कि महंगाई सूचकांक बनाते समय खाद्य कीमतों पर विचार किया जाना चाहिए या आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति द्वारा दरों पर निर्णय लिया जाना चाहिए। तीन या चार खराब होने वाली वस्तुओं से इस समय महंगाई की दर बढ़ रही है।

सीतारमण ने कहा कि भारत की आर्थिक आवश्यकताओं के मद्देनजर ब्याज दरों को अधिक किफायती बनाना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि ऐसे समय में जब उद्योगों को तेजी से विस्तार और क्षमता निर्माण की जरूरत है, उच्च ब्याज दरें एक बड़ी बाधा बन सकती हैं।

वित्त मंत्री ने कहा कि इंश्योरेंस प्रोडक्ट्स की गलत बिक्री से अप्रत्यक्ष रूप से कर्ज की लागत बढ़ती है। उन्होंने कहा कि बैंकों को अपनी बैंकिंग सेवाओं पर फोकस करना चाहिए और ग्राहकों पर अनावश्यक इंश्योरेंस थोपने से बचना चाहिए, जिससे बैंकिंग सेक्टर पर लोगों का भरोसा बना रहे।

वित्त मंत्री ने फूड प्राइसेस के उतार-चढ़ाव के कारण महंगाई को भी स्वीकार किया। उनकी यह टिप्पणी वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल द्वारा भारतीय रिजर्व बैंक से ब्याज दरों को कम करने की अपील के बाद आई है।

एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी आईपीओ हुआ ओपन, निवेश के लिए कम से कम 14,904 रु करने होंगे खर्च

नई दिल्ली, एजेंसी। लगातार एक हफ्ते से जारी शेयर बाजार की गिरावट का सिलसिला मंगलवार को टूट गया है। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 850 अंकों से अधिक की बढ़त पर पहुंचा, जबकि निफ्टी ने 23,700 का स्तर पार कर लिया। इस तेजी के बीच सरकारी कंपनी नेशनल थर्मल पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एनटीपीसी) की सहयोगी कंपनी एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी का आईपीओ आज से सब्सक्रिप्शन के लिए खुल गया है, जो 22 नवंबर 2024 को बंद होगा। बाजार के जानकारों का मानना है कि एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी में लॉन्ग टर्म के लिए निवेश करना लाभकारी हो सकता है। एनटीपीसी की वित्तीय स्थिति मजबूत है और यह खरीदारों व सप्लायर्स के साथ दीर्घकालिक संबंधों से लाभ उठा रही है। यह इस साल का तीसरा सबसे बड़ा आईपीओ है, इसके पहले Hyundai Motor India ने 27,870 करोड़ रुपए का आईपीओ और फूड डिलीवरी कंपनी Swiggy ने 11,300 करोड़ रुपए से अधिक का आईपीओ लाया था।

ग्रे मार्केट में इस आईपीओ ने मचाई धूम, भारी मुनाफे का संकेत, 22 नवंबर को खुलेगा यह इश्यू

नई दिल्ली, एजेंसी। सीडब्ल्यूसी एडवांस्ड सिस्टम्स लिमिटेड का आईपीओ इस हफ्ते निवेशकों के लिए खुलने जा रहा है। यह एक एसएमई सेगमेंट का आईपीओ है, जो 22 नवंबर को खुलेगा और 26 नवंबर को बंद हो जाएगा। यह आईपीओ खुलने से पहले ही ग्रे मार्केट में धूम मचा रहा है। इसे ग्रे मार्केट में करीब दोगुना भाव मिल रहा है। ऐसे में यह लिस्टिंग पर निवेशकों को दोगुना मुनाफा दे सकता है। इस आईपीओ का इश्यू साइज 99.07 करोड़ रुपए है, जिसमें 43.84 लाख नए शेयर जारी किए जाएंगे। इसका प्राइस बैंड 214-226 रुपए प्रति शेयर तय किया गया है और एक लॉट में 600 शेयर होंगे। रिटेल इन्वेस्टर केवल एक लॉट के लिए बोली लगा सकते हैं, जिसके लिए उन्हें 1,35,600 रुपए का निवेश करना होगा। आईपीओ के लॉन्च से पहले ही ष्ट2ष्ट एडवांस्ड सिस्टम्स का ग्रे मार्केट में जबरदस्त रिस्पॉन्स मिल रहा है। इश्यू प्राइस 226 रुपए के मुकाबले इसका ग्रे मार्केट प्रीमियम 451 रुपए है, जिससे यह लगभग 100त्न प्रीमियम पर लिस्ट हो सकता है।

2018 में स्थापित ष्ट2ष्ट एडवांस्ड सिस्टम्स एक सॉफ्टवेयर कंपनी है, जो डिफेंस इलेक्ट्रॉनिक्स सॉल्यूशंस प्रदान करती है। कंपनी डिजिटल सेवाओं, सीवाईआई सिस्टम, एआई/एमएल आधारित बिग डेटा एनालिटिक्स, आईआईओटी और एम्बेडेड/FPGA डिजाइन पर फोकस करती है। कंपनी के पास लगभग 200 कर्मचारी हैं।

जी नेटवर्क में गोयनका परिवार की बस इतनी हिस्सेदारी, एजीएम से पहले पुनीत का एमडी पद से इस्तीफा

नई दिल्ली, एजेंसी। जी एंटरटेनमेंट एंटरप्राइजेज के साथ कई सालों से जुड़े पुनीत गोयनका ने अब एमडी पद से इस्तीफा दे दिया है। आखिर ऐसा क्यों जानिए इस रिपोर्ट में। जी नेटवर्क का यह बड़ा फैसला सभी को हैरान कर रहा है कि अब पुनीत गोयनका जी एंटरटेनमेंट एंटरप्राइजेज के एमडी नहीं रहेंगे। यह फैसला 10 दिन पहले शेयरधारकों की बैठक में लिया गया। पुनित गोयनका ने जी एंटरटेनमेंट के मैनेजिंग डायरेक्टर के पद से इस्तीफा दे दिया है। अब उन्हें कंपनी का मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) नियुक्त किया गया है। कंपनी ने 18 नवंबर 2024 को कारोबार समाप्त होने के बाद उनके इस्तीफे को मंजूरी दी और उसी दिन सीईओ के तौर पर उनकी नियुक्ति की है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, पुनित गोयनका की नई भूमिका उनकी मौजूदा फुल-टाइम नौकरी जैसी ही होगी। हालांकि, उनके वेतन का 40 प्रतिशत वेरिएबल हिस्सा उन्हें केवल कुछ विशेष लक्ष्यों को पूरा करने पर ही दिया जाएगा। इस वेतन की अधिकतम सीमा बोर्ड द्वारा तय की गई है। जी एंटरटेनमेंट की जानकारी के अनुसार, कंपनी के मुख्य वित्तीय अधिकारी (सीएफओ) मुकुंद गलगली को डिप्टी सीईओ का कार्यभार संभालेंगे। यह बदलाव कंपनी के भविष्य को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, गोयनका और उनके परिवार के पास 1992 में उनके पिता सुभाष चंद्रा द्वारा स्थापित कंपजी जी का सिर्फ 4 प्रतिशत हिस्सा है। बाकी शेयरधारकों के पास बचा हुआ 96 प्रतिशत हिस्सेदारी है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अगर गोयनका को कई शेयरधारकों की मंजूरी नहीं मिलती है तो वे बोर्ड का हिस्सा भी नहीं रहेंगे। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, गोयनका और उनके परिवार के पास 1992 में उनके पिता सुभाष चंद्रा द्वारा स्थापित कंपजी जी का सिर्फ 4 प्रतिशत हिस्सा है। बाकी शेयरधारकों के पास बचा हुआ 96 प्रतिशत हिस्सेदारी है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अगर गोयनका को कई शेयरधारकों की मंजूरी नहीं मिलती है तो वे बोर्ड का हिस्सा भी नहीं रहेंगे। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, जी ने कहा कि गोयनका ने सोमवार को एमडी के पद से इस्तीफा दे दिया है ।

प्रतिस्पर्धा आयोग के फैसले के खिलाफ अपील करेगी मेटा, 213.14 करोड़ का लगाया गया है जुर्माना

नई दिल्ली, एजेंसी। मेटा ने मंगलवार को कहा कि वह जुर्माना लगाए जाने के फैसले असहमत है और इसके खिलाफ अपील करने की योजना बना रही है। भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग ने सोमवार को 2021 में वाट्सएप की गोपनीयता नीति अपडेट के संबंध में अनुचित व्यावसायिक तरीकों के लिए सोशल मीडिया प्रमुख मेटा पर 213.14 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया। जानें डिटेल्स।

मेटा प्रतिस्पर्धा आयोग की ओर से 213 करोड़ रुपये का जुर्माना और प्रतिबंध लगाने के फैसले के खिलाफा अपनी करेगी। मंगलवार को कंपनी ने कहा कि वह इस फैसले असहमत है तथा इसके खिलाफ अपील करने की योजना बना रही है। भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग ने सोमवार को 2021 में वाट्सएप की गोपनीयता नीति अपडेट के संबंध में अनुचित व्यावसायिक तरीकों के लिए सोशल मीडिया प्रमुख मेटा पर 213.14 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया। भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग ने सोमवार को वाट्सएप को पांच साल की अवधि के लिए विज्ञापन उद्देश्यों के लिए मेटा के स्वामित्व वाले अन्य एप्लिकेशन के साथ उपयोगकर्ता डेटा साझा करने से परहेज करने को कहा। भारत के प्रतिस्पर्धा नियामक ने 2021 में वाट्सएप की गोपनीयता नीति अपडेट के संबंध में अनुचित व्यावसायिक तरीकों के लिए सोशल मीडिया दिग्गज पर 213.14 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया। इसके अलावा, प्रतिस्पर्धा नियामक ने मेटा को प्रतिस्पर्धा-विरोधी गतिविधियों को बंद करने और उनसे दूर रहने का निर्देश दिया है। सीसीआई के आदेश के अनुसार, मेटा और व्हाट्सएप को प्रतिस्पर्धा विरोधी मुद्दों के समाधान के लिए एक निश्चित समय-सीमा के भीतर कुछ व्यवहारिक उपायों को लागू करने के लिए भी कहा गया है। मेटा के प्रवक्ता ने कहा कि कंपनी सीसीआई के निर्णय से असहमत है तथा अपील करने की योजना बना रही है। मेटा के प्रवक्ता ने कहा, याद दिला दें कि 2021 के अपडेट ने लोगों के व्यक्तिगत संदेशों की गोपनीयता में कोई बदलाव नहीं किया और इसे उस समय उपयोगकर्ताओं के लिए एक विकल्प के रूप में पेश किया गया था। हमने यह भी सुनिश्चित किया कि इस अपडेट के कारण किसी का भी अकाउंट डिलीट न हो या व्हाट्सएप सेवा की कार्यक्षमता न खोई जाए।

मेटा ने आगे कहा कि यह अपडेट वाट्सएप पर वैकल्पिक व्यावसायिक सुविधाओं को शुरू करने के बारे में है, तथा डेटा संग्रह और उपयोग के बारे में और अधिक पारदर्शिता प्रदान करता है। मेटा प्रवक्ता ने कहा कि उस समय से, वाट्सएप लोगों और व्यवसायों के लिए अविश्वसनीय रूप से मूल्यवान रहा है, जिसने संगठनों और सरकारी संस्थानों को कोविड और उसके बाद भी नागरिक सेवाएं प्रदान करने में सक्षम बनाया है और साथ ही भारत की अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाने में छोटे व्यवसायों का समर्थन भी किया है।

मेटा के प्रवक्ता ने कहा, वाट्सएप यह सब करने में सक्षम है, क्योंकि यह मेटा की ओर से समर्थित सेवाएं प्रदान करता है। हम आगे बढ़ने का ऐसा रास्ता खोजने के लिए प्रतिबद्ध हैं, जो हमें लोगों और व्यवसायों को वे अनुभव प्रदान करना जारी रखने में सक्षम बनाए, जिनकी वे हमसे अपेक्षा करते हैं। इस बीच, सीसीआई ने वाट्सएप को अपने प्लेटफॉर्म पर एकत्र किए गए डेटा को अन्य मेटा कंपनियों या मेटा कंपनी के उत्पादों के साथ विज्ञापन उद्देश्यों के लिए साझा करने से पांच साल के लिए प्रतिबंधित कर दिया है। विज्ञापन के अलावा अन्य उद्देश्यों के लिए वाट्सएप उपयोगकर्ता डेटा साझा करने पर, नियामक ने कहा कि व्हाट्सएप की नीति में अन्य मेटा कंपनियों या मेटा कंपनी के उत्पादों के साथ साझा किए गए उपयोगकर्ता डेटा का विस्तृत विवरण शामिल होना चाहिए। इसमें कहा गया है, इस स्पष्टीकरण में डेटा साझा करने के उद्देश्य को स्पष्ट किया जाना चाहिए तथा प्रत्येक प्रकार के डेटा को उसके संगत उद्देश्य से जोड़ा जाना चाहिए।

नियामक ने यह भी कहा कि वाट्सएप पर एकत्रित उपयोगकर्ता डेटा को वाट्सएप सेवाएं प्रदान करने के अलावा अन्य उद्देश्यों के लिए अन्य मेटा कंपनियों या मेटा कंपनी के उत्पादों के साथ साझा करना भारत में व्हाट्सएप सेवा का उपयोग करने के लिए उपयोगकर्ताओं के लिए शर्त नहीं बनाई जाएगी। वाट्सएप सेवाएं प्रदान करने के अलावा अन्य उद्देश्यों के लिए वाट्सएप उपयोगकर्ता डेटा साझा करने पर, सीसीआई ने कहा कि भारत में सभी उपयोगकर्ताओं (जिनमें 2021 अपडेट स्वीकार करने वाले उपयोगकर्ता भी शामिल हैं) को इन-ऐप अधिसूचना के माध्यम से प्रमुखता से ऑप्ट-आउट विकल्प के माध्यम से ऐसे डेटा साझाकरण को प्रबंधित करने का विकल्प प्रदान किया जाएगा।

दो दिन में 1,500 रुपए महंगा हुआ गोल्ड

नई दिल्ली, एजेंसी। पिछले दो दिनों से सोने की कीमतों में फिर से तेजी देखने को मिल रही है। भारतीय बाजारों के साथ-साथ अमेरिकी बाजारों में भी सोना महंगा हो गया है। सोमवार और मंगलवार को मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में सुबह 10 बजे तक सोने की कीमतों में 1500 रुपए से अधिक की बढ़त दर्ज की गई, जबकि चांदी के दाम भी 91 हजार रुपए प्रति किलोग्राम के पार पहुंच गए हैं। इसी तरह न्यूयॉर्क के कॉमेक्स मार्केट में भी गोल्ड की कीमतें 2600 डॉलर प्रति औंस के पार हो चुकी हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, भारत में सोने की मांग में बढ़ोतरी के पीछे प्रमुख कारण शादियों का सीजन है, जिससे स्थानीय स्तर पर सोने की मांग बढ़ी है। इसके अलावा इंटरनेशनल मार्केट में डॉलर इंडेक्स पर दबाव के कारण भी सोने की कीमतें बढ़ रही हैं, जिसका असर भारतीय बाजारों में देखने को मिल रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि आने वाले दिनों में डॉलर इंडेक्स और गोल्ड की मांग में उतार-चढ़ाव हो सकता है, जिससे सोने की कीमतों में अस्थिरता बनी रह सकती है। इस समय दिल्ली से लेकर न्यूयॉर्क तक सोने की कीमतों में उछाल देखने को मिल रहा है, जो कि निवेशकों और खरीदारों दोनों के लिए महत्वपूर्ण है। मंगलवार सुबह 10ः15 पर सोना 327 रुपए की बढ़त के साथ 75,374 रुपए प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रहा था, जबकि इसी सत्र के दौरान सोना 75,450 रुपए के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया।

अमेजन और फ्लिपकार्ट पर ईडी की कार्रवाई, 19 से अधिक ठिकानों पर छापेमारी

नई दिल्ली, एजेंसी। ई-कॉमर्स कंपनियां अमेजन और फ्लिपकार्ट विदेशी निवेश से जुड़े नियमों के कथित उल्लंघन के चलते प्रवर्तन निदेशालय की जांच के घेरे में आ गई हैं। इस मामले में FEMA नियमों के उल्लंघन के संदर्भ में ईडी ने इन कंपनियों से जुड़े 19 से अधिक ठिकानों पर तलाशी अभियान चलाया है।

सूत्रों के अनुसार, ईडी इस मामले में अमेजन और फ्लिपकार्ट के टॉप अधिकारियों को पूछताछ के लिए तलब कर सकती है। रिपोर्ट में बताया गया है कि विदेशी निवेश नियमों के उल्लंघन के आरोपों की प्रारंभिक जांच पूरी होने के बाद दोनों कंपनियों के वरिष्ठ अधिकारियों को बुलाने की संभावना बढ़ गई है।

सूत्रों का कहना है कि ईडी का यह कदम विदेशी निवेश नियमों का पालन न करने और FEMA नियमों के उल्लंघन के संदेह के आधार पर लिया गया है।

कुशल टंडन के बाद शिवांगी जोशी ने रिश्तें को किया कंफर्म

शिवांगी जोशी और कुशाल टंडन ने बरसातें सीरियल में साथ काम किया था। दोनों की जोड़ी न सिर्फ ऑनस्क्रीन बल्कि ऑफस्क्रीन भी हिट हुई। हाल ही में डीकेपी यानी कि डायरेक्टर कट प्रोडक्शन जो कि अनुपमा और ये रिश्ता क्या कहलाता है की निर्माता कंपनी है उन्होंने एक्टर्स राउंडटेबल रखा। इसमें उनके प्रोडक्शन की कई लीड एक्ट्रेस शामिल हुईं। शिवांगी जोशी, अनीता राज, समृद्धि शुक्ला, रीम शेख जैसी एक्ट्रेस शामिल हुईं। इस दौरान जब शिवांगी जोशी से पूछा गया, लोग कहते हैं कि सेट पर जो एक्टर्स होते हैं उन्हें प्यार हो जाता है? इस सवाल का जवाब देते हुए शिवांगी कहती हैं, टीवी एक्टर्स स्पेशली द लीड्स, उनकी लाइफ ऐसी होती है, एवरीडे गोइंग टू सेट, महीने के 30 डेज भी, एक जगह जा रहे हैं घर आ रहे हैं, जा रहे हैं घर आ रहे हैं। उनकी और कोई लाइफ नहीं होती है। अगर आप सिंगल हैं और आप किसी से मिलते हैं किसी सेट पर, एंड थिंग्स वर्क्स फॉर यू, देन इट्स ग्रेट। ये पर्सन टू पर्सन भी डिपेंड करता है। शिवांगी जब इस सवाल का जवाब दे रही होती हैं तो अनुपमा एक्ट्रेस रूपाली गांगुली उन्हें देखती हैं और टीज़ करती हैं। शिवांगी शरमा जाती हैं और रूपाली से पूछती हैं, अरे आप मुझे ऐसे क्यों देख रहे हो?

दरअसल बरसातें के सेट पर शिवांगी जोशी और कुशाल टंडन करीब आ गए। दोनों के अफेयर की खबरें लंबे समय से आ रही थीं, मगर हाल ही में दोनों के रिश्ते पर मुहर तब लगी जब एक इंटरव्यू में कुशाल टंडन ने कहा था कि उनके मम्मी पापा की तलाश खत्म हो गई है। बात करते हुए कुशाल टंडन ने कहा था कि वो शिवांगी जोशी को डेट कर रहे हैं।

इस साल नहीं आएगी इमरजेंसी

कंगना रनौत की फिल्म इमरजेंसी खूब चर्चा में रही है। रिलीज से पहले ही इस पर विवाद भी काफी हुए हैं। हालांकि, दर्शकों तक यह अभी तक नहीं पहुंच सकी। इसकी रिलीज डेट कई बार टल चुकी है। इस साल सितंबर में इसे रिलीज किया जाना था, लेकिन सेंसर से सर्टिफिकेट नहीं मिल पाने के चलते ऐसा नहीं हो पाया। अब आज सोमवार की इसकी नई रिलीज डेट का एलान कर दिया गया है। यह फिल्म अगले साल सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

कंगना रनौत की आगामी फिल्म इमरजेंसी की नई रिलीज डेट का एलान हो चुका है। आज कंगना रनौत ने इससे पर्दा उठाया है। यह फिल्म इस साल रिलीज नहीं होगी, बल्कि अगले साल सिनेमाघरों में दस्तक देगी। नई तारीख है 17 जनवरी 2025।

➲कंगना ने साझा किया पोस्ट

कंगना रनौत ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से एक पोस्ट साझा किया है। उन्होंने फिल्म का पोस्टर साझा किया है और इसके साथ कैप्शन लिखा है, देश की सबसे ताकतवर महिला की महागाथा... और वह क्षण जिसने भारत की नियति बदल दी...इस पर आधारित फिल्म इमरजेंसी 17 जनवरी 2025 को सिनेमाघरों में दस्तक दे रही है।

➲अनुपम खेर बोले- जय हो!

कंगना के पोस्ट पर अभिनेता अनुपम खेर ने कमेंट किया है, जय हो!। इसके अलावा यूजर्स भी खुशी जाहिर कर रहे हैं। कुछ यूजर लिख रहे हैं, इस फिल्म के लिए एडवांस में ब्लॉकबस्टर बटन। एक यूजर ने लिखा, आखिरकार पता चल गया! इस फिल्म का बेसब्र होकर इंतजार कर रहे हैं। इसके अलावा लोग कंगना रनौत को बधाई दे रहे हैं।

आमिर ने की कार्तिक की फिल्म की तारीफ, कहा-

'भूल भुलैया 3' से टकरा कर की गलती !

कार्तिक आर्यन की 'भूल भुलैया 3' और अजय देवगन की 'सिंघम अगेन' का बॉक्स ऑफिस पर आमना-सामना हुआ। अब अभिनेता आमिर खान ने भी अनीस बज्मी की फिल्म की तारीफ की है। इस वर्ष दिवाली पर दो बॉलीवुड की दो बड़ी फिल्में बॉक्स ऑफिस पर टकराईं। यह दो फिल्में थीं रोहित शेट्टी की 'सिंघम अगेन' और कार्तिक आर्यन अभिनीत अनीस बज्मी की 'भूल भुलैया 3', दोनों फिल्मों के एक साथ रिलीज होने से इनकी कमाई पर भी असर पड़ा। इन्हें रिलीज हुए तीन हफ्ते हो चुके हैं और आंकड़े बता रहे हैं कि 'भूल भुलैया 3' ने बॉक्स ऑफिस पर बाजी मार ली है। यहां तक की अभिनेता आमिर खान को भी लगता है कि 'भूल भुलैया 3' बेहतर थी।

➢आमिर ने किसे बताया बेहतर?

सोशल मीडिया पर एक वीडियो तेजी के साथ वायरल हो रहा है। इस वीडियो में आमिर खान को अनीस बज्मी से 'भूल भुलैया 3' की तारीफ करते हुए सुना जा सकता है।

➢आमिर ने क्या कहा?

वायरल हो रही छोटी क्लिप में आमिर खान को निर्देशक अनीस बज्मी से बात करते हुए सुना जा सकता है। आमिर कह रहे हैं, ÷उन्होंने आपकी भूल भुलैया से टक्कर लेकर गलती कर दी।÷ आंकड़ों की बात करें तो 'भूल भुलैया 3' ने भारत में बॉक्स ऑफिस पर 231.4 करोड़ रुपये 17 दिनों में कमाए हैं। वहीं 'सिंघम अगेन' ने 231.26 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है।

भयानक हादसे का शिकार हुईं

कश्मीरा शाह

टीवी अभिनेत्री और कॉमेडियन कृष्णा अभिषेक की पत्नी कश्मीरा शाह के साथ आज एक अजीब दुर्घटना हो गई और उन्होंने खून से लथपथ टिश्यू और तौलिया की तस्वीर साझा की है। फैंस भी कश्मीर की यह हालत देखकर काफी ज्यादा हैरान और परेशान हो गए हैं। आइए जानते हैं कि मामला क्या है।

कश्मीरा ने साझा की जानकारी

अभिनेत्री ने खून से लथपथ टिश्यू की एक तस्वीर पोस्ट की और अपने फॉलोअर्स और प्रशंसकों को घटना के बारे में जानकारी दी। उन्होंने अपनी पोस्ट में लिखा-मुझे बचाने के लिए भगवान का शुक्रिया। बहुत ही अजीब दुर्घटना। कुछ बड़ा होने वाला था... छोटे मैं निकल गया। उम्मीद है कि कोई दाग नहीं रहेगा। हर दिन एक पल एक बार जियो। वापस आने का इंतजार नहीं कर सकती। आज मुझे अपने परिवार की बहुत याद आ रही है।

कश्मीरा ने साझा किया हेल्थ अपडेट

उनके पति कृष्णा अपने जुड़वां बच्चों रयान और कृषांग के साथ अमेरिका में हैं। घटना के समय वह कश्मीरा के साथ नहीं थे। कृष्णा ने भी कमेंट किया, भगवान का शुक्र है कि अब आप सुरक्षित हैं। कश्मीरा ने अपने पोस्ट में बताया कि आज उन्हें अपने पति और बच्चों की और भी ज्यादा याद आ रही है और उन्होंने लोगों से भी अपनी जिंदगी जीने का आग्रह किया।

सेलेब्स ने जताई चिंता

इस घटना के बाद कश्मीरा की करीबी दोस्त तनाज ईरानी ने लिखा, हे भगवान, यह डरावना है! मुझे उम्मीद है कि अब आप ठीक हैं। किश्वरे ने लिखा, हे भगवान, क्या आप ठीक हैं? राजेश खट्टर ने कश्मीरा से पूछा कि क्या हुआ है, हे भगवान। आखिर क्या हुआ? भरोसा है तुम्हारा ख्याल रखा जा रहा होगा?

इस शो में नजर आई थीं कश्मीरा

कृष्णा और कश्मीरा हिट टीवी रियलिटी कुकिंग शो लाफ्टर शेफ्स में नजर आए थे। कृष्णा फिलहाल नेटफ्लिक्स के शो द ग्रेट इंडियन कपिल शो में नजर आ रहे हैं। कश्मीरा शाह अमेरिका और भारत के बीच आना-जाना करती रहती हैं।

डॉक्यूमेंट्री विवाद से पहले भी कई बार सुर्खियों में आ चुकी हैं जवान अभिनेत्री नयनतारा

साउथ के साथ बॉलीवुड में अपनी शानदार एक्टिंग और खूबसूरती से छाई अभिनेत्री नयनतारा 40वां बर्थडे सेलिब्रेट कर रही हैं। अभिनेत्री का डॉक्यूमेंट्री विवाद भी छाया हुआ है। इससे पहले भी लेडी सुपरस्टार कई बार सुर्खियों में आ चुकी हैं । बात साल 2014 की है, जब नयनतारा का एक एमएमएस लीक हो गया था। इस वीडियो में नयनतारा एक्टर सिंबू को किस करती नजर आ रही थीं। यह वीडियो जमकर वायरल हुआ था। इससे पहले नयनतारा ने एक इवेंट में ब्राउन कलर की स्कर्ट और क्रॉप टॉप पहनकर ग्लैमरस अंदाज में शिरकत की थी। अभिनेत्री को बॉडी शेमिंग का शिकार होना पड़ा था। हालांकि, फिल्म जगत के तमाम सितारों ने अभिनेत्री का समर्थन किया और ट्रोलर्स को जमकर खरी खोटी सुनाई थी। नयनतारा का वर्तमान में डॉक्यूमेंट्री विवाद सुर्खियों में छाया हुआ है। अभिनेत्री की जिंदगी पर बेस्ड डॉक्यूमेंट्री 'नयनतारा- बियॉन्ड द फेयरी टेल' को लेकर लेडी सुपरस्टार नयनतारा और धनुष के बीच भी तकरार बढ़ती जा रही है। दरअसल, डॉक्यूमेंट्री में फिल्म नानम राउडी धान का एक गाना डालने पर प्रोड्यूसर और एक्टर धनुष ने नोटिस दिया है। नानम राउडी धान फिल्म के प्रोड्यूसर धनुष थे। जिस पर अभिनेत्री ने धनुष को जमकर खरी खोटी भी सुनाई और सोशल मीडिया पर एक लंबा नोट पोस्ट किया। उन्होंने लिखा, मेरे जीवन, मेरे प्यार और शादी के बारे में इस नेटफ्लिक्स डॉक्यूमेंट्री में इंडस्ट्री के कई दोस्तों के क्लिप शामिल हैं, जिन्होंने अपना सहयोग दिया है, लेकिन दुख की बात है कि इसमें सबसे खास और महत्वपूर्ण फिल्म नानम राउडी धान शामिल नहीं है। उन्होंने बताया कि दो साल तक एनओसी (अनापत्ति प्रमाण पत्र) के लिए अभिनेता से जूझने और डॉक्यूमेंट्री रिलीज के लिए उनकी मंजूरी का इंतजार करने के बाद टीम ने आखिरकार फिर से एडिटिंग करने और मौजूदा वर्जन के लिए समझौता करने का फैसला लिया है।

धक धक गर्ल माधुरी दीक्षित ने बताया हमेशा रहता है प्यार का नूर

फिल्म इंडस्ट्री में एक्टिंग हो या डांसिंग स्किल वास्तव में धक धक गर्ल की एक अलग ही पहचान बनी हुई है। सोशल मीडिया को खूबसूरत पोस्ट से गुलजार रखने वाली अभिनेत्री ने एक बार फिर से अपनी बेहद हसीन तस्वीरों की सीरीज शेयर की है। गोल्डन आउटफिट में उनका लुक कमाल का लग रहा है। देवदास की चंद्रमुखी ने अपनी खूबसूरत तस्वीरों की झलक दिखाने के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम का सहारा लिया। गोल्डन आउटफिट में तस्वीरें शेयर कर अभिनेत्री ने कैप्शन में लिखा सोने की चमक कुछ पल की है, प्यार का नूर तो हमेशा का है। शेयर की गई तस्वीरों में माधुरी कमाल की लग रही हैं। एक से बढ़कर एक हिट फिल्में देने वाली अभिनेत्री की तस्वीरों को उनके फॉलोअर्स काफी पसंद कर रहे हैं। गोल्डन आउटफिट वाली माधुरी दीक्षित की तस्वीरों पर कमेंट कर उनके एक फैन ने लिखा, आप एवरग्रीन हैं। एक अन्य ने लिखा कमाल है। दूसरे ने लिखा आप हर लुक में खूबसूरत लगती हैं। माधुरी दीक्षित का इंस्टाग्राम उनकी एक से बढ़कर एक खूबसूरत तस्वीरों से भरी पड़ी है। अभिनेत्री वेस्टर्न हो या ट्रेडिशनल, हर लुक में कमाल लगती हैं और एवरग्रीन अभिनेत्री के हर लुक को उनके फैंस काफी पसंद करते हैं।

बता दें कि हाल ही में अभिनेता अनिल कपूर ने 'तेजाब' के 36 साल पूरे होने का जश्न सोशल मीडिया पर एक पोस्टर शेयर कर मनाया। अभिनेता ने एक वीडियो शेयर किया, जिसमें कुछ लोग एक दो तीन चार' गाने पर डांस करते नजर आ रहे हैं।

केआरके ने फिर साधा बॉलीवुड पर निशाना

आमिर खान को लेकर कहा- किसी की फिल्म हिट हो तो वे सो नहीं पाते

अभिनेता केआरके अपने सोशल मीडिया पोस्ट की वजह से चर्चा में रहते हैं। वे अक्सर बॉलीवुड इंडस्ट्री, सितारों और निर्देशकों पर निशाना साधते दिखते हैं। एक बार फिर उन्होंने बॉलीवुड पर कटाक्ष किया है। केआरके उर्फ कमाल आर खान बॉलीवुड पर कटाक्ष का कोई मौका नहीं छोड़ते। अक्सर उनके सोशल मीडिया पोस्ट पर विवाद भी होता है और उन्हें जमकर ट्रोल भी किया जाता है। बावजूद इसके केआरके का पोस्ट करते रहना जारी है। उन्होंने अपने एक्स अकाउंट से एक पोस्ट साझा किया है। उन्होंने इसके जरिए बॉलीवुड की सबसे बड़ी समस्या से दो-चार कराया है। उनका कहना है कि इस इंडस्ट्री में किसी को नहीं पता कि दर्शक क्या चाहते हैं।

➢क्या है बॉलीवुड की समस्या?

केआरके ने अपने एक्स अकाउंट से पोस्ट साझा किया है। इसमें उन्होंने सुभाष घई, महेश भट्ट, सुनील दर्शन का नाम लिया है। केआरके ने लिखा है,

बॉलीवुड में हर कोई जीनियस है। यहां कोई भी अपनी आखिरी सांस तक भी यह स्वीकार नहीं करता कि उसे जनता की पसंद के बारे में कुछ मालूम नहीं है। सुभाष घई, महेश भट्ट, सुनील दर्शन सब खत्म हो चुके हैं, लेकिन वे भी किसी की सलाह नहीं मानते। और यही बॉलीवुड की सबसे बड़ी समस्या है।

➢ आमिर और अनीस बज्मी का वीडियो किया साझा

इसके अलावा केआरके का एक और पोस्ट भी जमकर वायरल हो रहा है। केआरके ने कल रविवार को एक्स हैंडल से ही एक वीडियो शेयर किया। इसमें आमिर खान को भूल भुलैया 3 फिल्म के निर्देशक अनीस बज्मी से बात करते देखा जा सकता है। केआरके ने इसके साथ कैप्शन लिखा है, आमिर खान ने निर्देशक अनीस बज्मी से कहा,सिंघम अगेन वालों ने भूल भुलैया 3 से टक्कर लेकर गलती कर दी, जबकि वो खुद को अजय देवगन और करीना कपूर का अच्छा दोस्त कहते हैं।

➢ आमिर खान पर साधा निशाना

केआरके ने एक पोस्ट और साझा किया है, इसमें उन्होंने आमिर खान पर कटाक्ष कसा है। केआरके के ने लिखा है, अगर किसी एक्टर की फिल्म हिट हो जाती है तो आमिर खान कम से कम एक हफ्ते तक ठीक से नहीं सो पाते। बॉलीवुड में वे ऐसे एक्टर हैं, जिन्हें सबसे ज्यादा जलन होती है।

➢बॉक्स ऑफिस पर बाजी हारी सिंघम 3

अनीस बज्मी के निर्देशन में बनी फिल्म भूल भुलैया 3 दिवाली के मौके पर 1 नवंबर को रिलीज हुई। इस फिल्म के साथ ही रोहित शेट्टी के निर्देशन में बनी अजय देवगन, करीना कपूर, दीपिका पादुकोण, अर्जुन कपूर जैसे सितारों से सजी सिंघम अगेन भी रिलीज हुई।

-साभार एजेंसी

इंडिया-ऑस्ट्रेलियाः

भारतीय टीम ने विस्फोटक ओपनर को किया टीम से बाहर, इस बल्लेबाज की हुई वापसी

नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय पुरुष टीम के बाद महिला टीम भी जल्द ही ऑस्ट्रेलिया रवाना होने वाली है। बीसीसीआई ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन वनडे मैचों की सीरीज के लिए महिला टीम का ऐलान कर दिया है।

यह सीरीज वनडे चैंपियनशिप का हिस्सा है और भारत के लिए काफी अहम है। बीसीसीआई ने टीम में बड़ा बदलाव किया है। न्यूजीलैंड के खिलाफ खराब प्रदर्शन के बाद युवा सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा को टीम से बाहर कर दिया गया है। शेफाली वर्मा ने न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन पारियों में केवल 56 रन बनाए थे। ऐसे में टीम ने उन्हें ड्रॉप करने का फैसला किया है। शेफाली की जगह प्रिया पुनिया या फिर यस्तिका भटिया को स्मृति मंधाना के साथ ओपनिंग करने का मौका मिल सकता है।

भारत की टीम

हरमनप्रीत कौर , स्मृति मंधाना , प्रिया पुनिया, जेमिमा रोड्रिग्स, हरलीन देयोल, यास्तिका भाटिया , ऋचा घोष , तेजल हसब्निस, दीप्ति शर्मा, मिन्नू मणि, प्रिया मिश्रा, राधा यादव, तितास साधु , अरुंधति रेड्डी, रेणुका सिंह ठाकुर, साइमा ठाकुर

विराट कोहली का है ये आखिरी ऑस्ट्रेलिया टेस्ट दौरा! सौरव गांगुली ने की बड़ी भविष्यवाणी

नईदिल्ली, एजेंसी। बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी से पहले कई मैचों से विराट कोहली की फॉर्म उनका साथ नहीं दे रही है. साल 2024 भी कोहली के लिए अब तक अच्छा साबित नहीं हुआ है. न तो बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज में कोहली का बल्ला चला और न ही न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में. क्योंकि विराट कोहली के नाम ऑस्ट्रेलिया में कई टेस्ट रिकॉर्ड दर्ज हैं, इसलिए फैंस बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में उनकी फॉर्म के लौटने की उम्मीद कर रहे हैं. भारतीय टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने भी कोहली की फॉर्म को लेकर कई बातें कहीं और विराट के ऑस्ट्रेलिया टेस्ट दौरे पर भविष्यवाणी भी की.

गांगुली ने कोहली को लेकर की बड़ी भविष्यवाणी

सौरव गांगुली का मानना है कि यह सीरीज विराट कोहली के लिए खास तौर पर अहम हो सकती है, क्योंकि यह ऑस्ट्रेलिया में उनका आखिरी टेस्ट दौरा हो सकता है. 36 साल के हो चुके कोहली के लिए भविष्य में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर खेलना मुश्किल हो सकता है. इस बारे में बात करते हुए गांगुली ने कहा, वह एक चैंपियन बल्लेबाज हैं और उन्होंने पहले भी ऑस्ट्रेलिया में शानदार प्रदर्शन किया है. उन्होंने 2014 में वहां चार शतक और 2018 में एक शतक लगाया था. वह इस सीरीज में अपनी छाप छोड़ना चाहेंगे और उन्हें इस बात का भी अहसास होगा कि यह उनका आखिरी ऑस्ट्रेलिया दौरा हो सकता है.

कोहली के खराब फॉर्म से चिंतित नहीं हैं गांगुली

सौरव गांगुली ने विराट कोहली के खराब प्रदर्शन पर ज्यादा चिंता नहीं जताई और कहा, न्यूजीलैंड की पिचें बल्लेबाजी के लिए काफी मुश्किल थीं, लेकिन कोहली को ऑस्ट्रेलिया में अच्छे विकेट मिलेंगे. मुझे पूरी उम्मीद है कि वह इस सीरीज में अच्छा प्रदर्शन करेंगे.

इंडिया-ऑस्ट्रेलिया पर्थ टेस्टः

3 पेसर या 2 स्पिनर...

पर्थ टेस्ट से पहले टीम इंडिया में महाउलझन

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के पांच मैचों की सीरीज का पहला मुकाबला पर्थ में 22 नवंबर से खेला जाना है, लेकिन इस टेस्ट में भारतीय टीम कई मोर्चे पर जूझ रही है. मतलब, ओपनर्स से लेकर मिडिल ऑर्डर और गेंदबाजी में भारतीय टीम का कॉम्बिनेशन क्या होगा, इसे लेकर कई सवाल हैं. भारतीय टीम की ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 5 मैचों की टेस्ट सीरीज वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप के फाइनल में पहुंचने के लिहाज से अहम है. रोहित शर्मा के इस टेस्ट मैच से बाहर होने के बाद कप्तानी बुमराह के हाथों में होगी. ऐसे में बुमराह को हेड कोच गौतम गंभीर के साथ इस बात पर मंथन करना होगा कि प्लेइंग-11 कैसी होगी. सबसे ज्यादा गेंदबाजी को लेकर खुद बुमराह को मंथन करना होगा.

दोनों टीमों के बीच बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के पहले टेस्ट की मेजबानी करने वाले ऑप्टस स्टेडियम की पिच से 'अच्छा उछाल और गति' मिलेगी जैसी पारंपरिक रूप से पर्थ की पिच होती है. मैच शुरू होने से कुछ दिनों पहले वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट के मुख्य क्यूरेटर इसाक मैकडोनाल्ड ने कहा था, यह ऑस्ट्रेलिया है, यह पर्थ है... मैंने काफी अच्छी गति और काफी अच्छे उछाल की तैयारी की है.'

मैकडोनाल्ड उसी तरह की पिच तैयार करने का प्रयास कर रहे हैं जो उन्होंने पिछले साल दिसंबर में पाकिस्तान के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए तैयार की थी. ऐसे में क्यूरेटर इसाक की बातों पर गौर करें तो भारतीय टीम इस टेस्ट मैच में कम से कम तीन पेसर खिलाएगी. यानी 3 फेवरेट पेसर के तौर पर खुद बुमराह के अलावा मोहम्मद सिराज और आकाश दीप का खेलना तय माना जा रहा है. वहीं, इस टेस्ट मैच को लेकर यह दावा भी किया जा रहा है कि टीम में नीतीश रेड्डी को मौका मिलेगा, अगर ऐसा हुआ तो वह टीम में चौथे पेसर का विकल्प होंगे.

चूंकि पर्थ की पिच तेज गेंदबाजों के लिए मददगार मानी जा रही है, ऐसे में इस बात की संभावना बहुत कम है कि स्पिनर रवींद्र जडेजा और अश्विन दोनों को मौका मिलेगा. दूसरी तरफ, न्यूजीलैंड के खिलाफ पिछली टेस्ट सीरीज में दाएं हाथ के ऑफ स्पिनर सुंदर बाद में लाया गया था.

उन्होंने कमाल का प्रदर्शन करते हुए 2 टेस्ट मैचों में 16 विकेट झटके थे और बल्ले से 89 रन भी बनाए. ऐसे में इस बात की संभावना है कि सुंदर को तरजीह मिले. सुंदर के साथ एक और एडवांटेज यह भी है कि वह पिछली बार ऑस्ट्रेलियाई दौरे पर गए थे. वह बल्लेबाजी में भी प्रभावशाली हैं. उनका घरेलू क्रिकेट में भी इस बार शानदार प्रदर्शन रहा था.

यशस्वी के साथ राहुल होंगे ओपनर!

केएल राहुल भारत-ए के खिलाफ प्रैक्टिस मैच के दौरान प्रसिद्ध कृष्णा की गेंद पर चोटिल हो गए थे. लेकिन अब राहुल को लेकर खबर है कि वह पूरी तरह से ठीक हो चुके हैं. ऐसे में केएल राहुल यशस्वी जायसवाल के साथ ओपनिंगकर सकते हैं. वहीं शुभमन गिल के पर्थ टेस्ट में खेलने की संभावना ना के बराबर है. क्योंकि उनके बाएं अंगूठे में फैक्चर है. ऐसे में वह अब एडिलेड में 6 दिसंबर से शुरू होने वाले दूसरे टेस्ट में खेल पाएंगे. मिडिल ऑर्डर में कोहली, सरफराज, ऋषभ पंत होंगे.

जुरेल का खेलना तय, पंत करेंगे कीपिंग

ऑस्ट्रेलिया-ए के खिलाफ मैच में विकेटकीपर-बल्लेबाज ध्रुव जुरेल ने प्रभावित किया था. उन्होंने मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पर दो पारियों में 80 और 68 रन बनाए. ऐसे में टीम में स्पेशलिस्ट बल्लेबाज के तौर पर खेल सकते हैं. इस बात की वकालत टीम इंडिया के पूर्व हेड कोच रवि शास्त्री ने भी की है. वहीं मैच में पंत विकेटकीपिंग करते हुए दिखेंगे.

नंबर-3 पर कौन संभालेगा मोर्चा?

रोहित की गैरमौजूदगी में पारी के आगाज की जिम्मेदारी यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल के कंधों पर हो सकती है. इस चुनौतीपूर्ण सीरीज में विराट कोहली चौथे नंबर पर ही उतरना चाहेंगे. इसी क्रम पर विराट ने अपने टेस्ट करियर के 29 में से 25 शतक जमाए हैं.

ऐसे में तीसरे नंबर पर सरफराज खान को आना पड़ेगा. इसके बाद 5वें नबंर पर ऋषभ पंत टीम इंडिया को मजबूती दे सकते हैं.

पर्थ टेस्ट के लिए भारत की प्लेइंग 11:

यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, सरफराज खान, विराट कोहली, ऋषभ पंत, ध्रुव जुरेल, नीतीश कुमार रेड्डी, रवींद्र जडेजा/ सुंदर, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, आकाश दीप.

ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए भारतीय स्क्वॉडः

रोहित शर्मा (कप्तान), जसप्रीत बुमराह (उप-कप्तान), यशस्वी जायसवाल, अभिमन्यु ईश्वरन, शुभमन गिल, विराट कोहली, केएल राहुल, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), सरफराज खान, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), आर अश्विन, रवींद्र जडेजा, मोहम्मद सिराज, आकाश दीप, प्रसिद्ध कृष्णा, हर्षित राणा, नीतीश कुमार रेड्डी, वॉशिंगटन सुंदर.

पहले टेस्ट के लिए ऑस्ट्रेलिया का स्क्वॉडः

पैट कमिंस (कप्तान), स्कॉट बोलैंड, एलेक्स कैरी, जोश हेजलवुड, ट्रेविस हेड, जोश इंग्लिस, उस्मान ख्वाजा, मार्नस लाबुशेन, नाथन लायन, मिचेल मार्श, नाथन मैकस्वीनी, स्टीव स्मिथ, मिचेल स्टार्क.

भारतीय टीम का ऑस्ट्रेलिया दौरा (नवंबर 2024 - जनवरी 2025)

22-26 नवंबर-पहला टेस्ट, पर्थ

6-10 दिसंबर-दूसरा टेस्ट, एडिलेड

14-18 दिसंबर- तीसरा टेस्ट, ब्रिस्बेन

26-30 दिसंबर- चौथा टेस्ट, मेलबर्न

03-07 जनवरी- पांचवा टेस्ट, सिडनी

फिनस्वीमिंगः

पश्चिम बंगाल ने राष्ट्रीय फिनस्विमिंग में जीती टीम चैंपियनशिप

उत्तराखंड तीसरे स्थान पर रहा

नई दिल्ली, एजेंसी। अंडरवाटर स्पोर्ट्स फेडरेशन (यूएसएफआई) द्वारा युवा मामले और खेल मंत्रालय द्वारा मान्यता प्राप्त फिजिकल एजुकेशन फाउंडेशन के सहयोग से आयोजित तीन दिवसीय चैंपियनशिप में 26 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के लगभग 1500 प्रतिभागियों ने प्रतिनिधित्व किया। पश्चिम बंगाल के तैराकों ने चौथी राष्ट्रीय फिनस्विमिंग में कुल 151 पदकों के साथ टीम चैंपियनशिप का ताज जीता। उसके खाते में 67 स्वर्ण, 43 रजत और 41 कांस्य पदक रहे। उपविजेता कर्नाटक (50 पदक) के तैराकों ने 17 स्वर्ण, 18 रजत और 15 कांस्य पदक जीते। 21 पदकों के साथ उत्तराखंड को तीसरा स्थान मिला। उन्होंने 8 स्वर्ण, 6 रजत और 7 कांस्य पदक जीते। हरियाणा ने भी 21 पदक (6 स्वर्ण, 10 रजत और 5 कांस्य) जीते लेकिन उत्तराखंड से 2 स्वर्ण कम जीतने के कारण उसे चौथा स्थान मिला। मेजबान दिल्ली ने 11 पदक (3 स्वर्ण, 5 रजत और 3 कांस्य) जीते और पदक तालिका में सातवां स्थान प्राप्त किया। समापन समारोह के मुख्य अतिथि द्रोणाचार्य अवार्डी हॉकी कोच डॉ. ए के बंसल ने विजेताओं को ट्रॉफी और पदक प्रदान किए। अंडरवाटर स्पोर्ट्स फेडरेशन (यूएसएफआई) द्वारा युवा मामले और खेल मंत्रालय द्वारा मान्यता प्राप्त फिजिकल एजुकेशन फाउंडेशन के सहयोग से आयोजित तीन दिवसीय चैंपियनशिप में 26 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के लगभग 1500 प्रतिभागियों ने प्रतिनिधित्व किया। 19 राज्यों की टीमों के तैराकों ने एक या अधिक पदक जीते हैं। यूएसएफआई के सचिव डॉ. तपन पाणिग्रही ने पदक विजेताओं को बधाई दी।

आईपीएल नीलामी से पहले ऋषभ पंत के पोस्ट से मचा बवाल

पैसों के लिए नहीं छोड़ी दिल्ली कैपिटल्स...

नईदिल्ली, एजेंसी। ऋषभ पंत ने दिल्ली कैपिटल्स के साथ अपने अलगाव पर चुप्पी तोड़ी है. उन्होंने एक पोस्ट कर यह बात साफ कर दी कि इस आईपीएल टीम से उन्होंने पैसों के लिए नहीं छोड़ा. पंत ने Star स्श्वश्वह्लह्य के एक वीडियो का जवाब दिया, जिसमें सुनील गावस्कर ने आईपीएल 2025 की मेगा नीलामी से पहले दिल्ली द्वारा अपने कप्तान को रिटेन ना करने के पीछे के कारण को समझा रहे थे.

वीडियो में सुनील गावस्कर ने कहा कि उनका मानना है कि दिल्ली कैपिटल्स और ऋषभ पंत के बीच विकेटकीपर-बल्लेबाज की रिटेंशन फीस को लेकर असहमति हो सकती है. गावस्कर ने इस दौरान यह भी कहा कि कैपिटल्स 24 और 25 नवंबर को होने वाली मेगा नीलामी में पंत को वापस खरीदने की कोशिश करेगी.

सऊदी अरब के जेद्दा में आईपीएल 2025 की नीलामी से पहले ऋषभ पंत ने इस वीडियो पर रिएक्ट किया और कहा उन्होंने दिल्ली कैपिटल्स की टीम पैसों के लिए नहीं छोड़ी. पंत ने गावस्कर के एक वीडियों पर रिएक्ट किया. दिल्ल्ली कैपिटल्स के स्टार बल्लेबाज रहे पंत ने इस पोस्ट में लिखा- यह निश्चित रूप से कह सकता हूं कि मेरा रिटेशन पैसे को लेकर नहीं था. ??

आखिर गावस्कर ने वीडियो में पंत को लेकर क्या कहा?

गावस्कर ने स्टार स्पोर्ट्स से कहा- मुझे लगता है कि दिल्ली कैपिटल्स ऋषभ पंत को अपनी टीम में वापस चाहेगी. कभी-कभी, जब किसी खिलाड़ी को रिटेन करना होता है, तो उम्मीद के मुताबिक फीस को लेकर फ्रेंचाइजी और खिलाड़ियों के बीच बातचीत होती है. जैसा कि कुछ खिलाड़ी जिन्हें

उनकी फ्रेंचाइजी ने रिटेन किया है, उन्होंने नंबर 1 रिटेंशन फीस की अधिक की मांग की है. इसलिए स्पष्ट रूप से मुझे लगता है कि वहां कुछ असहमति हो सकती है, लेकिन मुझे लगता है कि दिल्ली ऋषभ पंत को वापस चाहेगी.

आईपीएल के मेगा ऑक्शन से पहले दिल्ली कैपिटल्स ने चार खिलाड़ियों को रिटेन किया था. इनमें अक्षर पटेल को 16.5 करोड़ रुपये, कुलदीप यादव को 13.5 करोड़ रुपये, साउथ अफ्रीका के स्टार ऑलराउंडर स्टार ट्रिस्टन स्टब्स को 10 करोड़ रुपये और अनकैप्ड विकेटकीपर अभिषेक पोरेल को 4 करोड़ रुपये में रिटेन किया था.

2 करोड़ रुपए है पंत का बेसप्राइज

ऋषभ पंत आईपीएल 2016 से दिल्ली कैपिटल्स से जुड़े हुए थे. लेकिन इस बार उन्होंने ऑक्शन में उतरने का मन बनाया है. पंत का आईपीएल में बेस प्राइज 2 करोड़ रुपए है. ऐसे में कई टीम उन पर दांव लगा सकती हैं. द्धक्क 2025 का मेगा ऑक्शन 24 और 25 नवंबर को होना है. इसका आयोजन सऊदी अरब के जेद्दा में है. आईपीएल की मेगा नीलामी के लिए कुल 1574 खिलाड़ियों ने रजिस्ट्रेशन करवाया था. इनमें 1165 भारतीय खिलाड़ी थे. लेकिन अब इस लिस्ट में छंटनी के बाद नीलामी में कुल 574 खिलाड़ी शामिल होने वाले हैं. इनमें से 366 भारतीय और 208 विदेशी हैं, जिनमें एसोसिएट टीमों के तीन खिलाड़ी शामिल हैं.

पंत ने पहले ही दिए थे टीम छोड़ने के संकेत

भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने 12 अक्टूबर को ही सोशल मीडिया पर एक रहस्यमय पोस्ट के बाद इंटरनेट पर सनसनी मचा दी थी.तब स्टार विकेटकीपर ने पूछा कि अगर वह मेगा ऑक्शन में जाते हैं तो क्या उन्हें कोई खरीदेगा या नहीं, अगर खरीदा तो कीमत क्या होगी.

भारत को मलेशिया ने 1-1 ड्रा पर रोका

हैदराबाद, एजेंसी। भारतीय फुटबॉल प्रशंसकों को राष्ट्रीय पुरुष टीम के मनोलो मार्क्वेज के नेतृत्व में अपना पहला मैच जीतने के लिए मार्च तक इंतजार करना होगा, क्योंकि मेजबान टीम को सोमवार को यहां गाचीबावली स्टेडियम में मलेशिया के विरुद्ध 1-1 से ड्रा करना पड़ा।

मैच के शुरुआती क्षणों में भारत अपनी स्थिति मजबूत कर रहा था, लेकिन कप्तान गुरप्रीत सिंह संधू की शुरुआती गलती के कारण गोल पर मिले फ्री पास पर पाउलो जोसु ने गोल कर मेहमान टीम को 1-0 की बढ़त दिला दी, इससे पहले राहुल भेके ने ब्रैंडन फर्नांडिस द्वारा लिए गए कॉर्नर से बराबरी का गोल किया, जिन्हें मैन ऑफ द मैच की ट्रॉफी से सम्मानित किया गया और टीमों को बराबरी पर ला दिया। मैच के 19वें मिनट में मलेशिया के आजम आजमी मुराद ने गेंद को क्लीयर किया, जिसे गोलकीपर गुरप्रीत ने क्लीयर करने के प्रयास में बाहर की ओर दौड़ लगाई।

उनकी गलत समझ के कारण गेंद आने वाले पाउलो के पैरों तक पहुंच गई, जिन्होंने बिना किसी गलती के इसे इसे गोल में पहुंचा दिया। भारत ने इसके बाद विपक्षी गोल पर हमला करना बंद नहीं किया और अधिकांश हमले विंग्स से किए गए, जिसमें लालियानजुआला चांगटे उत्प्रेरक की भूमिका में थे। 39वें मिनट में रणनीति कारगर साबित हुई, जब ब्रैंडन ने कॉर्नर लेने के लिए कदम बढ़ाया, जिसे चांगटे ने जीता और एक शानदार गेंद डाली, लेकिन भेके ने गेंद को नेट में पहुंचा दिया।

मलेशिया ने दूसरे 45 मिनट में बेहतर मौके बनाए, लेकिन भारत ने अपने कब्जे का उचित हिस्सा बनाए रखा और दोनों पक्षों को कोई मौका नहीं मिला, जिससे मैच 1-1 से बराबरी पर समाप्त हुआ।

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के लिए बंगाल की टीम में शामिल मोहम्मद शमी

नई दिल्ली, एजेंसी। लगभग एक साल की लंबे चोट के बाद रणजी ट्रॉफी में बेहतरीन वापसी करने वाले तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी को सैयद मुश्ताक अली ट्र?ी के लिए बंगाल की टीम में नामित किया गया है। यह टूर्नामेंट 23 नवंबर से शुरू हो रहा है, और बंगाल का पहला मुकाबला पंजाब के खिलाफ होगा। इस बार सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफ़ी में बंगाल टीम की कप्तानी सुदीप घरामी के हाथों में होगी, जबकि रणजी ट्रॉफ़ी में कप्तानी अनुस्तुप मजूमदार ने संभाली थी।

शमी ने अपनी वापसी रणजी ट्रॉफ़ी के जरिए की थी, जहां उन्होंने मध्य प्रदेश के ख़िलाफ़ पहली पारी में चार और दूसरी पारी में तीन विकेट लिए थे। यह प्रदर्शन उनकी फ़िटिनेस और फ़ॉर्म में सुधार का संकेत माना जा रहा है।

मैच के दौरान कोकीन लेने का आरोप, न्यूजीलैंड के लिए 28 टेस्ट खेले

कीवी पेसर डग ब्रेसवेल पर एक महीने का बैन लगा

नईदिल्ली, एजेंसी। न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज डग ब्रेसवेल पर कोकीन लेने के आरोप में एक महीने का बैन लगाया गया है। इस साल जनवरी में सेंट्रल स्टैग्स और वेलिंगटन के बीच खेले गए टी20 मैच के बाद वे कोकीन लेकर खेलने की वजह से पॉजिटिव पाए गए थे। इस मैच में ब्रेसवेल ने मैच विनिंग पारी खेली थी, उन्होंने पहले गेंदबाजी करते हुए दो विकेट चटकाए थे, उसके बाद 11 गेंद में 30 रन बनाए।

जिसके लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच का खिताब दिया गया था। स्पोर्ट्स इंटीग्रिटी कमीशन ने ब्रेसवेल पर 1 महीने का बैन लगाया था। स्पोर्ट्स इंटीग्रिटी कमीशन ने लगाया बैन स्पोर्ट्स इंटीग्रिटी कमीशन ते काहू रौनुई ने न्यूजीलैंड के क्रिकेटर पर प्रतिबंध

लगाया। हालांकि, कोकीन का सेवन टूर्नामेंट शुरू होने से पहले किया गया था और इसलिए, उन्हें कम सजा मिली। शुरू में तीन महीने की सजा को घटाकर एक महीने का कर दिया गय। जिसके बाद एक महीने का निलंबन अप्रैल 2024 तक के लिए रोक दिया गया। न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज ने पहले ही अपना प्रतिबंध पूरा कर लिया है, जिससे वह किसी भी समय क्रिकेट खेलना फिर से शुरू कर सकते हैं।

2023 में न्यूजीलैंड के लिए खेला था आखिरी टेस्ट मैच

डग ब्रेसवेल पूर्व क्रिकेटर माइकल ब्रेसवेल के भाई हैं। उन्होंने आखिरी बार न्यूजीलैंड के लिए मार्च 2023 में वेलिंगटन में श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट खेला था। ब्रेसवेल ने न्यूजीलैंड के लिए 28 टेस्ट, 21 वनडे और 20 टी-20 मैच खेले हैं। 28 टेस्ट मैच में उन्होंने 74 विकेट चटकाए हैं। 21 वनडे मैच में उनके नाम 26 और 20 टी-20 मैच में उनके नाम 20 विकेट हैं। मार्च 2023 में वेलिंगटन में श्रीलंका के खिलाफ ब्रेसवेल ने अपना आखिरी मैच खेला था।

शराब पीकर गाड़ी चलाने का आरोप

ब्रेसवेल का करियर ऑफ-फील्ड घटनाओं से जु?ा रहा है। 2008 में 18 साल की उम्र में उन्हें शराब पीकर गाड़ी चलाने पर सजा मिली थी। इन सब के बाद भी, ब्रेसवेल ने 2011 में अपना अंतरराष्ट्रीय डेब्यू किया। ब्रेसवेल ने जिम्बाम्वे के खिलाफ अपना पहला टेस्ट मैच खेला था।

संक्षिप्त समाचार

छत्तीसगढ़ सरकार ने 'मूलवासी बचाओ मंच' पर लगाया प्रतिबंध, इसलिए घोषित किया 'गैरकानूनी'

रायपुर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ सरकार ने बस्तर क्षेत्र के माओवाद प्रभावित इलाकों में सक्रिय आदिवासी संगठन 'मूलवासी बचाओ मंच' पर प्रतिबंध लगाते हुए सोमवार को इसे 'गैरकानूनी' घोषित कर दिया। इस संबंध में गृह विभाग की ओर से 30 अक्टूबर को आदेश जारी किया गया था। छत्तीसगढ़ के गृह विभाग की ओर से जारी आदेश में दावा किया गया है कि 'मूलवासी बचाओ मंच' माओवाद प्रभावित क्षेत्रों में केंद्र और राज्य सरकार द्वारा किए जा रहे विकास कार्यों और सुरक्षा बलों के संचालन के लिए स्थापित शिविरों का लगातार विरोध करता रहा है। इसके अलावा संगठन इन गतिविधियों के खिलाफ जनता को भड़काता रहा है। गौरतलब है कि 'मूलवासी बचाओ मंच' सुकमा और बीजापुर के विभिन्न इलाकों में शिविरों की स्थापना के खिलाफ विरोध प्रदर्शन और धरना दे रहा था। मंच के अधिकांश सदस्य आदिवासी युवा हैं, जिसने सुकमा में सिलगेर शिविर के खिलाफ विरोध प्रदर्शन में भी सक्रिय रूप से भाग लिया था। आदेश में कहा गया है कि संगठन ने न्यायिक प्रशासन में हस्तक्षेप किया है, कानूनी रूप से स्थापित संस्थाओं की अवज्ञा को बढ़ावा दिया है, जिसके कारण सार्वजनिक व्यवस्था और शांति में गड़बड़ी हुई है, जिससे नागरिकों की सुरक्षा खतरे में पड़ गई है। इन कार्यों को राज्य की सुरक्षा के लिए हानिकारक माना गया है। आदेश में आगे कहा गया है कि छत्तीसगढ़ विशेष सार्वजनिक सुरक्षा अधिनियम, 2005 (क्रमांक 14, 2006) की धारा 3, उपधारा (1) के तहत प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए, राज्य सरकार ने मूलवासी बचाओ मंच को इस अधिसूचना की तारीख से एक वर्ष की अवधि के लिए 'गैरकानूनी' संगठन घोषित किया है।

छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग के पूर्व अध्यक्ष सोनवानी गिरफ्तार, 45 लाख रुपए की रिश्वत लेने का आरोप

रायपुर, एजेंसी। सीबीआई ने छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग के पूर्व अध्यक्ष तमन सिंह सोनवानी को गिरफ्तार कर लिया है। सोनवानी पर कथित तौर पर 45 लाख रुपये की रिश्वत लेने का आरोप है। सीबीआई के एक अधिकारी ने इसकी जानकारी दी है। सीबीआई ने जुलाई में 2020 और 2022 के बीच अधिकारियों और राजनेताओं के रिश्तेदारों की भर्ती में अनियमितताओं के संबंध में छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग (सीजीपीएससी) की जांच अपने हाथ में ली थी। सीबीआई ने तब सीजीपीएससी के पूर्व अध्यक्ष तमन सिंह सोनवानी, पूर्व सचिव जेके ध्रुव और अन्य के खिलाफ एफआईआर दर्ज की थी। सीबीआई जांच से पता चला था कि सोनवानी के बेटे नितेश को डिप्टी कलेक्टर के रूप में चुना गया था, जबकि उनकी बहन की बेटी सुनीता जोशी को श्रम अधिकारी के रूप में चुना गया था। उनकी बहू निशा कोसले को डिप्टी कलेक्टर के रूप में चुना गया था। उनके परिवार के अन्य युवा छात्रों ने भी प्रीमियम स्थान हासिल किया था। एफआईआर में आरोप लगाया गया था कि अधिकारियों ने यह सुनिश्चित करने के लिए मेरिट सूची में छेड़छाड़ और हेराफेरी की कि उनके और उनके रिश्तेदारों के बेटे-बेटियों को डिप्टी कलेक्टर और पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) जैसे प्रीमियम पद मिले। जांच एजेंसी ने आरोप लगाया था कि 171 छात्रों की मेरिट सूची में शीर्ष अधिकारियों और राजनेताओं के बच्चे शामिल थे। एजेंसी ने एफआईआर में नामित लोगों के रायपुर और भिलाई स्थित आवासों पर व्यापक तलाशी ली थी।

हरियाणा में 1.2 लाख कर्मचारियों को पक्का करने का बिल विधानसभा में पारित

चंडीगढ़, एजेंसी। हरियाणा की नायब सैनी सरकार ने विधानसभा चुनाव से पहले किए गए अपने वादे को पूरा कर दिया है। हरियाणा विधानसभा के शीतकालीन सत्र के तीसरे दिन सरकार ने हरियाणा संविदात्मक कर्मचारी (सेवा की सुनिश्चितता) विधेयक, 2024 पारित कर दिया। इससे पांच साल से अनुबंध पर काम कर रहे 50 हजार रुपए तक वेतन वाले 1.20 लाख कर्मचारियों की सेवाएं 58 साल की आयु तक सुर?क्षित हो गई हैं। हरियाणा संविदात्मक कर्मचारी (सेवा की सुनिश्चितता) विधेयक, 2024 पारित होने पर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि मैं प्रदेश के मेरे सभी 1.20 लाख कच्चे कर्मचारियों को पक्का होने पर बहुत-बहुत बधाई एवं शुभकामनाएं देता हूं। आज आपके हितों की रक्षा के लिए लोकतंत्र के मंदिर में विधेयक पारित हो गया है। राज्य सरकार ने प्रदेश में हरियाणा कौशल रोजगार निगम, आउटसोर्स नीति के तहत लगे 1 लाख 20 हजार कर्मचारियों की सेवाओं को सेवानिवृति की तिथि तक सुरक्षित करने का निर्णय लिया है। इसी उद्देश्य के लिए सरकार हरियाणा संविदात्मक कर्मचारी (सेवा की सुनिश्चितता) विधेयक, 2024 लेकर आई है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि 50,000 रुपए के वेतन की सीमा से ऊपर के कर्मचारियों की सेवाओं को सुरक्षित करने के लिए भी विधेयक लाया जाएगा। नायब सैनी ने कहा कि कांग्रेस के समय ठेकेदार के माध्यम से लगे कर्मचारियों का शोषण होता था। ठेकेदार द्वारा कर्मचारियों को पूरा मानदेय नहीं दिया जाता था। यदि कोई कर्मचारी इस बारे अपनी आवाज उठाता था, तो उसे नौकरी से बाहर कर दिया जाता था। कर्मचारी परेशान थे। वर्तमान राज्य सरकार ने कांग्रेस की इन गलत नीतियों को दुरुस्त करने का काम किया। इसी उद्देश्य से कर्मचारियों को राहत देने के लिए राज्य सरकार ने 1 अप्रैल, 2022 को हरियाणा कौशल रोजगार निगम का गठन किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि निगम के तहत भर्तियों में पूरी पारदर्शिता बरती जा रही है। इस निगम के तहत पहले से कार्य कर रहे कच्चे कर्मचारियों को पोर्ट किया गया। नए कर्मचारियों को भी नियुक्ति प्रदान की गई है। राज्य सरकार ने डेप्लॉयमेंट ऑफ कॉटरेक्चुअल पॉलिसी के तहत पैरामीटर तय किए हैं। जिसके घर में कोई नौकरी न हो, आयु के आधार पर तथा कौशल के आधार पर युवाओं को वेटेज दी गई है। इससे गरीब परिवार के पात्र युवाओं को नौकरी मिली है। 32 प्रतिशत आरक्षण देते हुए पिछड़ा वर्ग के 41,376 युवाओं और सामान्य वर्ग के 53,993 युवाओं को नौकरी दी गई है। नायब सैनी ने कहा कि आगामी समय में राज्य सरकार द्वारा 2 लाख अतिरिक्त पक्की नौकरियों को बिना पर्ची-बिना खर्ची के पारदर्शी तरीके से युवाओं को देने का काम किया जाएगा। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालयों में 50 हजार रुपए से अधिक मानदेय पर काम कर रहे कर्मचारियों की सेवाओं की सुरक्षा के लिए भी सरकार विचार कर रही है। उनके साथ कोई अन्याय नहीं होने दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि विपक्ष के नेता कहते थे कि जब हमारी सरकार आएगी तो हम एच.के.आर.एन. को खत्म कर देंगे। लेकिन वर्तमान राज्य सरकार, किसी को नौकरी से नहीं हटा रही है। हमारी सरकार ने सभी कच्चे कर्मचारियों की सेवाओं को पूर्ण रूप से सुरक्षित करने का काम किया है। वहीं, हरियाणा संविदात्मक कर्मचारी (सेवा की सुनिश्चितता) विधेयक, 2024 पर चर्चा के दौरान कांग्रेस के कई विधायकों ने सरकार की मंशा पर सवाल खड़े किए। कांग्रेस भुक्कल ने कौशल रोजगार निगम में भर्ती हुए कर्मचारियों में आरक्षण प्रणाली लागू होने का मामला उठाया।

सीएम पिनरई विजयन पर बरसी कांग्रेस और आईयूएमएल, लगाया भाजपा-आरएसएस का साथ देने का आरोप

तिरुअनंतपुरम, एजेंसी। आईयूएमएल केरल के कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (यूडीएफ) में दूसरा सबसे बड़ा गठबंधन भागीदार है। विधानसभा में विपक्ष के नेता वीडी सतीसन ने कहा कि मुख्यमंत्री ने संघ परिवार को खुश करने के लिए ये टिप्पणियां कीं। सतीसन ने कहा कि थंगल जैसे धर्मनिरपेक्ष व्यक्ति के खिलाफ मुख्यमंत्री की अपमानजनक टिप्पणी, सच में संघ परिवार को खुश करने के लिए है।

केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) के प्रमुख पनक्कड़ सादिक अली शिहाब थंगल के खिलाफ अभद्र टिप्पणी करने के बाद ताजा विवाद खड़ा कर दिया। पलक्कड़ उपचुनाव के लिए एलडीएफ समर्थित स्वतंत्र उम्मीदवार पी सरीन के लिए रविवार को एक अभियान रैली में पिनाराई ने थंगल की अत्यधिक आलोचना की। उन्होंने कहा कि थंगल जमात-ए-इस्लामी के नियमित अनुयायी की तरह व्यवहार कर रहे हैं।

इसे भी पढ़ें- केरल के कन्नूर में सड़क दुर्घटना में रंगमंच समूह की दो महिलाओं की मौत

आईयूएमएल केरल के कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (यूडीएफ) में दूसरा सबसे बड़ा गठबंधन भागीदार है। विधानसभा में विपक्ष के नेता वीडी सतीसन ने कहा कि मुख्यमंत्री ने संघ परिवार को खुश करने के लिए ये टिप्पणियां कीं। सतीसन ने कहा कि थंगल जैसे धर्मनिरपेक्ष व्यक्ति के खिलाफ मुख्यमंत्री की अपमानजनक टिप्पणी, सच में संघ परिवार को खुश करने के लिए है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष ने हाल ही में पूछा था कि क्या वे थंगल की आलोचना नहीं कर सकते। उन्होंने कहा था, हम थंगल की आलोचना करेंगे।

सतीसन ने पिनाराई विजयन पर भाजपा के राज्य प्रमुख के समान आवाज़ में बोलने का आरोप लगाया। कांग्रेस नेता ने कहा कि दोनों एक ही तरह से बात कर रहे हैं। इस बीच, आईयूएमएल के मलयालम मुखपत्र चंद्रिका ने भी पिनाराई की आलोचना की। चंद्रिका में एक राय लेख में कहा गया है कि मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन का थंगल की योग्यता का मूल्यांकन करने का प्रयास सांप्रदायिक ताकतों के साथ उनके और उनकी पार्टी के घनिष्ठ संबंधों को दर्शाता है।

रिटायरमेंट लो या कहीं और ट्रांसफर कराओ, गैर हिन्दू कर्मचारियों से बोला तिरुमाला बोर्ड

तिरुमाला, एजेंसी। टीटीडी यानी तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम बोर्ड ने गैर हिन्दुओं को वीआरएस यानी इच्छा से रिटायरमेंट या किसी अन्य विभाग में तबादला कराने के लिए कहा है। संभावनाएं जताई जा रही हैं कि इससे करीब 300 कर्मचारी प्रभावित हो सकते हैं। सोमवार को इस संबंध में प्रस्ताव भी पारित किया गया है। टीटीडी एक स्वतंत्र सरकारी ट्रस्ट है, जो तिरुपति में तिरुमाला वेंकटेश्वरा मंदिर का प्रबंधन संभालती है।

एक रिपोर्ट के अनुसार, ट्रस्ट के अध्यक्ष बीआर नायडू ने बताया है कि गैर-हिन्दुओं को लेकर यह फैसला लिया गया है। रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से लिखा है कि बोर्ड के 7 हजार स्थाई कर्मचारियों में से यह करीब 300 को प्रभावित कर सकता है। टीटीडी में करीब 14 हजार ऐसे कर्मचारी भी हैं, जो कॉन्ट्रेक्ट पर काम कर रहे हैं। खबर है कि इस फैसले को कई कर्मचारी यूनियनों से भी समर्थन मिल रहा है।

31 अक्टूबर को टीटीडी के अध्यक्ष बने नायडू का कहना है कि सिर्फ हिन्दुओं को ही मंदिर का काम देखना चाहिए। खास बात है कि अब तक टीटीडी एक्ट तीन बार संशोधित हो चुका है, ताकि मंदिर बोर्ड और उससे जुड़े संस्थानों में सिर्फ हिन्दुओं को ही नौकरी दी जा सके। इसके अलावा साल 1989 में सरकार की तरफ से आदे भी जारी हुआ था, जिसमें टीटीडी के पदों पर सिर्फ हिन्दुओं की नियुक्ति की बात कही गई थी। रिपोर्ट के अनुसार, सूत्रों का दावा है कि इन प्रावधानों के बाद भी गैर हिन्दुओं का काम करना जारी है। खबर है कि मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू की सरकार के सत्ता में आने के बाद से ही हिन्दू कर्मचारियों की तरफ से कथित तौर पर गैर हिन्दुओं के काम करने की शिकायतें मिल रही थीं। हाल ही में नायडू सरकार ने आरोप लगाए थे कि वाईएसआरसीपी सरकार में तिरुपति के प्रसाद के लड्डू बनाने में लगने वाले घी में जानवर की चर्बी मिलाई जा रही है।

हिमाचल में जल्द बनेगी कांग्रेस कमेटी, प्रतिभा सिंह ने राजीव शुक्ला से की मुलाकात

शिमला, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश कांग्रेस इकाई की पूर्व प्रमुख प्रतिभा सिंह ने सोमवार को राज्य पार्टी प्रभारी राजीव शुक्ला से मुलाकात की। सिंह का कार्यकाल इस महीने की शुरुआत में पूरी इकाई के भंग होने के साथ खत्म हो गया था। पूरे मामले की जानकारी रखने वाले अधिकारियों ने कहा कि दोनों नेताओं की चर्चा केवल उत्तर भारतीय राज्य में पार्टी इकाई के पुनर्गठन पर केंद्रित थी, जहां कांग्रेस सत्ता में है।

मामले से अवगत लोगों ने बताया कि सिंह और शुक्ला की बैठक एक घंटे से ज्यादा समय तक चली। राज्य में पार्टी के नए संगठन की स्थापना से पहले आने वाले दिनों में कुछ और विचार-विमर्श, विशेष रूप से पार्टी के शीर्ष स्तर पर, होंगे। पार्टी के दो वरिष्ठ नेताओं ने बताया कि सिंह का राज्य में काफी प्रभाव है, ऐसे में उनका पद बरकरार रखा जा सकता है। हालांकि पार्टी का एक अहम वर्ग इस आइडिया का विरोध कर रहा है।

एक वरिष्ठ नेता ने बताया कि पुनर्गठित राज्य समिति छोटी होगी और एक व्यक्ति, एक पद के सिद्धांत का पालन करेगी। एक वरिष्ठ कांग्रेस नेता ने कहा, जब पीसीसी का गठन किया गया था, तब जो भी राज्य इकाई का हिस्सा बनना चाहता था, उसे शामिल किया गया था। हिमाचल प्रदेश कांग्रेस के विभिन्न नेताओं ने अपने वफादारों को समिति में शामिल करने की कोशिश की। जिस कारण यह एक विशाल आकार पैनल बन गया था। अब, हमें प्रदेश कांग्रेस समिति का आकार कम करना होगा। हमारी सरकार स्थिर है और हम संगठन से कमियां निकाल सकते हैं।

कांग्रेस ने लगातार चल रही उथल-पुथल के बीच 6 नवंबर को हिमाचल प्रदेश में पूरी पार्टी इकाई को भंग कर दिया था। इस साल की शुरुआत में कांग्रेस भारतीय जनता पार्टी से 10 वोटों के अंतर के बावजूद राज्यसभा चुनाव जीतने में विफल रही। बड़े पैमाने पर क्रॉस-वोटिंग से कांग्रेस उम्मीदवार और वरिष्ठ वकील अभिषेक सिंघवी को हार का मुंह देखना पड़ा। कई नेताओं ने सिंह के वफादारों पर उंगली उठाई। जिसकी वजहसे पार्टी के अंदर की गुटबाजी और अंदरूनी कलह सामने आ गई।

मनोज वाजपेयी को जमीन खरीदने पर मिलेगा नोटिस, उत्तराखंड में खरीदी थी प्रॉपर्टी

अल्मोड़ा, एजेंसी। उत्तराखंड में बाहरी व्यक्तियों की जमीन खरीद-फरोख्त की जांच के बाद अब नोटिस भेजे जाने की कार्रवाई शुरू हो गई है। प्रशासन ने तय समय में तय शर्तों के तहत भूमि का उपयोग नहीं करने वालों की सूची तैयार कर ली है। इनमें मशहूर सिने स्टॉर मनोज वाजपेयी के अलावा कई उद्योगपतियों के नाम भी शामिल हैं। राज्य में भू-कानून की मांग के बीच सीएम पुष्कर सिंह धामी ने बीते दिनों सभी जिला प्रशासन को बाहरी व्यक्तियों की ओर से खरीदी भूमि की सूची तैयार करने के निर्देश दिए थे। साथ ही, तय शर्तों का पालन नहीं किया था उनके खिलाफ कार्रवाई की बात कही गई थी।

इसके तहत अल्मोड़ा जिला प्रशासन बाहरी व्यक्तियों के भूमि खरीद का डाटा तैयार कर 23 लोगों की सूची बना ली है। इनमें से 11 के नाम सार्वजनिक भी हो चुके हैं। शेष अन्य को नोटिस जारी करने की तैयारी है। इनमें मशहूर फिल्म स्टार मनोज वाजपेयी का नाम भी शामिल है। प्रशासनिक अधिकरियों के मुताबिक नोटिस जारी करने की प्रक्रिया चल रही है। संबन्धित को जवाब देने का तय समय दिया जाएगा। संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर भूमि को निहित करने की कार्रवाई की जाएगी। बाहरी व्यक्तियों की ओर से गलत तरीके से भूमि खरीदने के मामले में मुंबई के उद्योगपति की भूमि जब्त की जा चुकी है। उद्योगपति ने मानकों को पूरा किए बिना चितई के पास 108 भूमि खरीदी थी। मामले में जिला प्रशासन ने उद्योगपति को नोटिस जारी किया था। पूछताछ के बाद भूमि खरीद बैनामे को अमान्य घोषित किया था। उद्योगपति ने कुमाऊं कमिश्नर के दरबार में गुहार को खारिज कर दिया गया है। जिला प्रशासन की सूची में अब तक 23 लोगों के नाम हैं। इनमें सबसे ज्यादा 11 नाम अल्मोड़ा में हैं। रानीखेत में पांच, लमगड़ा में तीन, स्याल्दे में दो और सल्ट और द्वाराहाट में एक-एक मामले हैं। इनमें से आठ मामले कोर्ट में लंबित हैं। पांच पर कार्रवाई हो चुकी है। शेष अन्य को कारण बताओ नोटिस दिया जाना है।

सिने स्टार मनोज वाजपेयी ने वर्ष 2021 में लमगड़ा ब्लॉक के कपकोट में 15 नाली भूमि खरीदी थी। उन्होंने भूमि का उपयोग योग व मेडिटेशन सेंटर बनाने के लिए करने की बात कही थी। लेकिन चार साल बीतने के बाद भी उन्होंने भूमि का तय शर्तों पर उपयोग नहीं किया है। ऐसे कई अन्य लोग भी सूची में शामिल हैं, जिन्होंने तय शर्तों पर भूमि का उपयोग नहीं किया है। अल्मोड़ा के डीएम आलोक कुमार पांडेय का कहना है कि जिन लोगों ने तय शर्तों के मुताबिक खरीदी भूमि का उपयोग नहीं किया उनको नोटिस भेजे जा रहे हैं। इनमें फिल्म स्टार मनोज वाजपेयी का नाम भी शामिल है। संतोषजनक उत्तर नहीं मिलने पर भूमि निहित की जाएगी।

जहरीली हवा को देख शशि थरूर ने उठाया सवाल, कहा- क्या नई दिल्ली को देश की राजधानी होना चाहिए?

तिरुवनंतपुरम, एजेंसी। कांग्रेस नेता और तिरुवनंतपुरम से सांसद शशि थरूर ने खतरनाक होते वायु प्रदूषण पर चिंता जताई है। साथ ही, उन्होंने नई दिल्ली के भारत की राष्ट्रीय राजधानी होने पर भी संदेह जाहिर किया। एक्स पर पोस्ट करके थरूर ने कहा कि दिल्ली की हवा दुनिया के दूसरे सबसे प्रदूषित शहर ढाका से लगभग पांच गुना खराब है। उन्होंने इस स्थिति को बेहद चिंताजनक बताया। बरसों से बन रहे ऐसे हालात के बावजूद समस्या का समाधान न होने पर थरूर ने सरकार की आलोचना की। उन्होंने लिखा, हमारी सरकार वर्षों से इस दुःस्वप्न को देख रही है और इसे लेकर कुछ किया नहीं जा रहा है।

शशि थरूर ने अपने पिछले प्रयासों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि 2015 से विशेषज्ञों के साथ वायु गुणवत्ता पर गोलमेज सम्मेलन में शामिल हुआ, मगर कोई प्रगति न होने पर पिछले साल छोड़ दिया। सांसद ने कहा कि नई दिल्ली नवंबर से जनवरी तक तीन महीनों के लिए निर्जन हो जाती है। यहां रहना काफी मुश्किल हो जाता है। उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा, क्या इसे देश की राजधानी भी रहना चाहिए? इससे पहले भी थरूर दिल्ली की खराब वायु गुणवत्ता पर कटाक्ष कर चुके हैं। इस महीने की शुरुआत में वायु गुणवत्ता सूचकांक 462 तक पहुंच गया था। इस पर उन्होंने व्यंग्यपूर्ण साइनबोर्ड साझा किए थे। इसमें चांदनी चौक को चांदनी चोक और धौला कुंआ को धुंआ कुंआ बताया गया था।

नई दिल्ली की बिगड़ती हवा को लेकर एहतियाती कदम

राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली की हवा लगातार खराब होती जा रही है। इसे देखते हुए कई एहतियाती कदम उठाए गए हैं। दिल्ली विश्वविद्यालय ने 23 नवंबर तक और जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय ने 22 नवंबर तक ऑनलाइन कक्षाएं चलाने की घोषणा की है।

पंजाब के पूर्व सीएम चरणजीत सिंह चन्नी का महिलाओं पर विवादित बयान से बखेड़ा, महिला आयोग ने किया तलब

चंडीगढ़, एजेंसी। पंजाब की 4 विधानसभा सीटों पर होने वाले उपचुनाव से पहले कांग्रेस सांसद और पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी के बयान से बखेड़ा खड़ा हो गया है। गिद्दड़बाहा में कांग्रेस उम्मीदवार अमृता वडिंग के लिए प्रचार करने आए चरणजीत सिंह चन्नी ने बीजेपी और आम आदमी पार्टी पर निशाना साधते हुए महिला का उदाहरण देते हुए विवादित बयान दिया है। इस पर पंजाब महिला आयोग की अध्यक्ष राज लाली गिल ने संज्ञान लेते हुए चन्नी को नोटिस जारी कर जवाब देने को कहा है। उन्हें मंगलवार को मोहाली स्थित आयोग के दफ्तर में पेश होकर स्पष्टीकरण दाखिल करने के निर्देश दिए हैं। वहीं, चन्नी पर एफआईआर दर्ज करने की भी बात कही गई है। महिला आयोग ने कार्रवाई करने के लिए पंजाब के डीजीपी को पत्र लिखा है।

चन्नी रविवार को गिद्दड़बाहा में कांग्रेस उम्मीदवार अमृता वड़िंग के पक्ष में एक रैली को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने एक कहानी सुनाते हुए महिलाओं को लेकर विवादित बयान दिया था। सासंद चन्नी इस ने कहानी को सुनाते हुए कहा था कि जट की दो पत्नियां हैं। दोनों एक-दूसरे को कुत्ते की बीवी कहकर बुलाती हैं। ऐसा ही कुछ हाल बीजेपी और आम आदमी पार्टी का है। इस बयान से जुड़ा वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद महिला आयोग ने संज्ञान लिया है।

पंजाब महिला आयोग राज लाली गिल ने कहा कि चन्नी ऐसे शब्दों से पंजाब की अमन शांति को भंग करना चाहते हैं। अगर महिलाएं चन्नी के खिलाफ सड़कों पर उतरती हैं तो वह उसके जिम्मेदार चन्नी और कांग्रेस उम्मीदवार अमृता वडिंग होगी। इस मामले में पंजाब की हर महिला को अमृता वडिंग की चुप्पी के खिलाफ और चन्नी द्वारा की गई अभद्र टिप्पणी के खिलाफ आवाज उठानी चाहिए। कांग्रेस हाईकमान को चन्नी के खिलाफ एक्शन लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस मामले को लेकर शॉ कॉज नोटिस जारी किया जा रहा है और एक दिन के भीतर वह अपना जवाब दें। महिला आयोग ने कहा कि अगर सासंद चन्नी एक दिन के भीतर जवाब नहीं देते तो उनके खिलाफ सख्त एक्शन लेते हुए डीजीपी को

चिट्ठी लिखी जाएगी और चरणजीत चन्नी पर केस दर्ज करवाया जाएगा।

उधर, विपक्ष ने भी चन्नी के बयान की आलोचना की है। श्री आनंदपुर साहिब से आम आदमी पार्टी के सांसद मालविंदर सिंह कंग ने कहा कि चन्नी की मानसिकता पूरी कांग्रेस पार्टी की मानसिकता को दर्शाती है। गिद्दड़बाहा से आप उम्मीदवार हरदीप सिंह डिंपी ढिल्लों ने कहा कि कांग्रेस ने एक महिला को उम्मीदवार तो बनाया है लेकिन उनके नेताओं की सोच देखिए, उसी महिला के पास खड़े होकर ऐसा आपत्तिजनक बयान देना निंदनीय है। ऐसा करके चन्नी ने महिलाओं का अपमान किया है। चन्नी पंजाब के सीएम रह चुके हैं उनके मुंह से ऐसे शब्द शोभा नहीं देते। महिला आयोग को चन्नी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए। कांग्रेस नेता चन्नी के इस बयान पर अकाली नेता बिक्रम सिंह मजीठिया ने भी आपत्ति जताई है। मजीठिया ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा कि गिद्दड़बाहा से प्रत्याशी अमृता वारिंग के साथ खड़े होकर भी बहनों के लिए गलत शब्द का इस्तेमाल करना चरणजीत चन्नी की मानसिकता को दर्शाता है। चरणजीत चन्नी को ऐसी अपमानजनक टिप्पणियों पर शर्म आनी चाहिए। गुरु साहिब के सिखों की कोई जाति नहीं होती। गुरु पातशाह ने हमारे बीच से सभी जात-पात, ऊंच-नीच को खत्म कर दिया। चरणजीत चन्नी को इस भेदभावपूर्ण सोच के लिए पंजाबियों से माफी मांगनी चाहिए। वहीं, भाजपा ने भी चरणजीत चन्नी पर निशाना साधते हुए कहा कि यह सिर्फ चन्नी की नहीं बल्कि पूरी कांग्रेस की मानसिकता है। उन्होंने पंजाब की महिलाओं, ब्राह्मणों और जाटों का अपमान किया है।

आरएनआई रजिस्ट्रेशन : जेएचएचआईएन/2007/24306, समाचार पत्र के स्वामी,प्रकाशक,मुद्रक सुमन कुमार द्वारा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड,काठीटांड़,नियर टेंडर बगीचा,रातू,रांची(झारखंड)-835222 से मुद्रित एवं एच. आई.- 67,हरमू हाउसिंग कॉलोनी रांची (झारखंड)- 834002 से प्रकाशित,संपादकः सुमन कुमार। संपर्क नं. 9470578773,संपर्क नं. (का.) 0651-7960613,फैक्स नं. 0651- 7960613, ईमेलः purvanchalsurya@yahoo.co.in / purvanchalsurya0@gmail.com लेखकों द्वारा व्यक्त किए गए विचारों से संपादक की सहमति अनिवार्य नहीं है। न्यायालय से संबंधित सभी मामले रांची से ही निबटाये जाएंगे। (पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार)